जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 25 सितम्बर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा... 75 वर्ष

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

विकास पथ पर
आपणो अग्रणी राजस्थान...

2800 मेगावाट की परमाणु विद्युत परियोजना सहित

राजस्थान को 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपए की परमाणु विद्युत, अक्षय ऊर्जा, रेल, सड़क, पेयजल, सिंचाई, सीवरेज, स्वास्थ्य एवं अन्य परियोजनाओं का उपहार

15 हजार युवाओं को
सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्रों का वितरण

मुख्य अतिथि
नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जोधपुर, बीकानेर एवं उदयपुर
से नई ट्रेनों की शुरुआत

शिलान्यास

- बीकानेर जिले में 590 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना (8,500 करोड़ रुपए)
- जैसलमेर, बाड़मेर, सिरोही, नागौर व बीकानेर में 15.5 गीगावाट क्षमता की विद्युत प्रसारण लाइनें (13,183 करोड़ रुपए)
- राजसमन्द, डूंगरपुर, चितौड़गढ़, अजमेर, टोंक, जयपुर, भरतपुर, अलवर जिलों में जल संसाधन में रामजल सेतु परियोजना के 9 कार्य (18,468 करोड़ रुपए)
- बांसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, बाड़मेर, दौसा, चूरू, अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर जिलों में 15 पेयजल परियोजनाएं (5,884 करोड़ रुपए)
- भरतपुर में 2 फ्लाईओवर, बनास नदी पर पुल निर्माण तथा 119 अटल प्रगति पथों का निर्माण (878 करोड़ रुपए)
- बीकानेर एवं जैसलमेर जिलों में 220 केवी के 3 जीएसएस व सम्बन्धित लाइनों के कार्य (348 करोड़ रुपए)

लोकार्पण

- 1400 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं एवं 925 मेगावाट का नोख सोलर पार्क, फलौदी (10710 करोड़ रुपए)
- पीएम कुसुम-सी के तहत 895 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र (3,132 करोड़ रुपए)
- ईसरदा बांध, धौलपुर लिफ्ट, बत्तीसानाला एवं अन्य सिंचाई परियोजनाओं के कार्य (2,365 करोड़ रुपए)
- बाड़मेर, अजमेर, ब्यावर, डूंगरपुर, भर्तृहरि नगर, बांसवाड़ा, राजसमन्द, उदयपुर जिलों में 7 सड़कों के कार्य (1,758 करोड़ रुपए)
- बाड़मेर जिले में 220 केवी जीएसएस व लाइन निर्माण (142 करोड़ रुपए)
- डीडवाना-कुचामन में सीवरेज एवं झुंझुनूं में सीवरेज व जल प्रदाय परियोजना का कार्य (226 करोड़ रुपए)
- आई.टी. डवलपमेन्ट एण्ड ई-गवर्नेन्स सेन्टर (140 करोड़ रुपए)
- भरतपुर में आरबीएम चिकित्सालय में 250 बैडेड अस्पताल (128 करोड़ रुपए)

गरिमामयी उपस्थिति

हरिभाऊ किसनराव बागडे
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

प्रह्लाद जोशी
केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

डी.डी. न्यूज़ पर लाइव प्रसारण

गुरुवार, 25 सितम्बर, 2025 | दोपहर 12:00 बजे | नापला, छोटी सरवन (बांसवाड़ा)

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 55 प्रभात जयपुर, गुरूवार 25 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

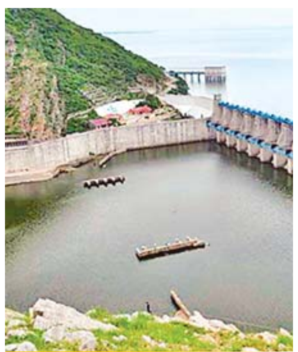

Throwing Up The Sleepy ...
India had launched an ambitious 'Sethu Samudram' dredging project (similar to Suez Canal), to connect Palk Straits on Eastern coast with Gulf of Mannar on the western coast

We Love Maggi!
"Hum Maggi, NAHI KHAYENGE!" It was like watching your favourite celebrity getting hate for something they did not (and at the same time kind of did) do

प्रधानमंत्री आज बाँसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया

जयपुर (कासं), 24 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बांसवाड़ा दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मोदी, राजस्थान को 1 लाख 8 हजार 468 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देंगे। साथ ही 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण भी करेंगे।

बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बांसवाड़ा के नापला पहुंचे। उन्होंने

- **प्रधानमंत्री जल संसाधन विभाग की 20,833 करोड़ रूपए की परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। इनमें ईसरदा के जयपुर, भरतपुर और अलवर जिलों तक फीडर निर्माण, बीसलपुर व ब्रह्मणी बैराज जैसे महत्वपूर्ण जल प्रोजैक्ट शामिल हैं।**

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पेयजल, पार्किंग व्यवस्था तथा जनसभा में आमजन के बैठने की तैयारियों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बांसवाड़ा के नापला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भी मौजूद थे।

साथ ही पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद को लेकर की गई तैयारियों का भी जायजा लिया। इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता सहित संभागीय व जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ज्ञात रहे कि गुरूवार को प्रधानमंत्री बांसवाड़ा में 42 हजार करोड़ रुपए की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई पेपर लीक मामले में 3 और प्रोबेशनर गिरफ्तार

जयपुर, 24 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए तीन और प्रोबेशनर (ट्रेनी) एसआई को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान एसओजी को कुछ सबूत मिले, जिसके आधार पर तीनों को पूछताछ के लिए मुख्यालय बुलाया गया और फिर तीनों ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों सॉल्व पेपर पढ़कर परीक्षा पास करने का आरोप है, एसओजी इस

- **एसओजी को प्राप्त सबूतों के अनुसार, तीनों पर लीक हुए सॉल्व पेपर पढ़कर एसआई भर्ती में चयनित होने का आरोप है।**

मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है और अब तक 59 प्रोबेशनर एसआई समेत 130 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए परमेश चौधरी (26) निवासी मालियों की ढाणी, ग्राम त्योदा, थाना सांभर, जयपुर ग्रामीण, वर्तमान में पुलिस लाइन टोंक; मनोहर सिंह (25) निवासी ग्राम सेडीया, थाना करडा, जालोर, वर्तमान में पुलिस लाइन कोटा शहर, और मनोहर लाल (26) निवासी वियो का गोलिया, ग्राम पुनासा, थाना भीनमाल, जालोर, वर्तमान में पुलिस लाइन सिरोही में तैनात को गिरफ्तार किया है।

एसओजी-एटीएस के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि अनुसंधान में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मल्लिकार्जुन खड़गे दो साल के शासन के बाद ही थके-थके क्यों हैं?

वे पुराने बुर्जुग नेताओं, जैसे अंबिका सोनी, मीरा कुमार आदि की विदाई नहीं कर पाये, सीडब्ल्युसी से और न ही गौरव गोगोई, रणदीप सुरजेवाला, चरणजीत सिंह चन्नी को शिफ्ट कर पाये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। भले ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 88वें अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अगले महीने अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे करने जा रहे हों, लेकिन कांग्रेस पर लंबे समय से नजर रखने वाले एक पर्यवेक्षक का कहना है कि यह पार्टी अभी भी अनिश्चित भविष्य, निष्क्रियता और कई राज्यों में आंतरिक खींचतान से जूझ रही है - हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान से लेकर असम, केरल और बंगाल तक, जहां अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पिछले छह महीनों से भी अधिक समय से कांग्रेस नेतृत्व, जिसमें खड़गे और गांधी परिवार शामिल हैं, कांग्रेस कार्य समिति (सी.डब्ल्यु.सी.) के कुछ उम्रदराज सदस्यों को हटाकर नए नेताओं को जगह देने में विफल रहे हैं। इन नए नेताओं में शामिल हैं: रजनी पाटिल (हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की प्रभारी), बी.के. हरिप्रसाद (हरियाणा), हरीश चौधरी (मध्य प्रदेश), गिरीश चोडनकर (तमिलनाडु और पुडुचेरी), अजय कुमार लल्लू (ओडिशा), के. राजू (झारखंड), मीनाक्षी नटराजन (तेलंगाना), सप्तगिरी शंकर उलक (मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नागालैंड), और कृष्णा अल्लावरु (बिहार)।

- **एंटनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार के सीडब्ल्युसी में बने रहने का कारण है, सोनिया गांधी से नज़दीकी। गोगोई, सुरजेवाला व चन्नी अपने-अपने प्रदेश में कांग्रेस के मु.मंत्री का चेहरा बनना चाहते हैं। अतः उन्हें भी सीडब्ल्युसी से हटाकर, उनका महत्व कम करने का कोई मतलब नहीं निकलता।**
- **खड़गे की टीम, रजनी पटेल, हरिप्रसन्न, हरीश चौधरी, गिरीश चौडनकर, अजय कुमार लालू, के.राजू, मीनाक्षी नटराजन, सप्तगिरी और कृष्णा अल्लूवारु, अभी पूर्ण महत्व नहीं पा सके।**
- **इस असमंजस की स्थिति में कांग्रेस की सभी प्रांतीय इकाईयों में आंतरिक कलह खत्म होने का नाम नहीं लेती और बाकायदा बरकरार है।**
- **और यह ही कारण है कि राहुल गांधी की 1,300 किलोमीटर ''वोट अधिकार यात्रा'' काफी सफल रही, पर अंतर्कलह के कारण सफलता को वोटों में तब्दील करना मुश्किल हैं।**

सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले ए. के. एंटनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार और कुछ अन्य अब भी बने हुए हैं और गौरव गोगोई, रणदीप सुरजेवाला और चरणजीत सिंह चन्नी को हटाने की कोशिशें भी आंतरिक समीकरणों के चलते सफल नहीं हो पाईं। गौरव गोगोई असम में पार्टी का चेहरा हो सकते हैं, जबकि सुरजेवाला और चन्नी क्रमशः हरियाणा और पंजाब में पार्टी की कमान संभालना चाहते हैं।

कांग्रेस के संविधान के अनुसार, एआईसीसी के महासचिवों का सीडब्ल्युसी सदस्य होना आवश्यक है। जब तक उन्हें सीडब्ल्युसी में नहीं लिया जाता, तब तक उन्हें ''प्रभारी'' की उपाधि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिहार का मानस बदलाव का है, परिवर्तन निश्चित है'

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने पटना में सीडब्ल्युसी की बैठक के बाद प्रेसवार्ता में कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितंबर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि बिहार में बदलाव निश्चित है और उन्होंने चुनाव आयोग से आगामी विधानसभा चुनावों को निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।

पायलट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ और एच-1बी वीज़ा शुल्क में एकमुश्त बढ़ोतरी जैसे फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि दोनों नेताओं की दोस्ती भारत के लिए ''बहुत महंगी'' साबित हो रही है।

सचिन पायलट ने पटना के ऐतिहासिक सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक के बाद

- **पायलट ने आयोग से कहा कि बिहार में वोट अधिकार यात्रा को भारी समर्थन मिला है और कांग्रेस पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी।**
- **तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने पर पायलट ने कहा, समय आने पर इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।**
- **पायलट ने जीएसटी पर पूछे सवाल के जवाब में कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी शुरु से कह रहे थे, यह गब्बर सिंह टैक्स है, एक गलती को सुधारने में 8 साल लग गए।**

आयोजित प्रेस वार्ता में यह बयान दिया। इस बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की।

सचिन पायलट ने कहा, 2017 से लगातार आठ वर्षों तक कांग्रेस और राहुल गांधी ने इसे ''गब्बर सिंह टैक्स'' कहा और गलतियों की ओर इशारा किया। जब मनमोहन सिंह सरकार जीएसटी लाना चाहती थी, तब भाजपा ने इसका विरोध किया और सत्ता में आते ही यू-टर्न ले लिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

17 फरवरी से होंगी सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं

नयी दिल्ली, 24 सितंबर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 2026 में होने वाली 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के लिए बुधवार को संभावित तारीख घोषित की।

सीबीएसई की ओर से जारी संभावित तारीखों के अनुसार बोर्ड

- **सीबीएसई ने 2026 से होने वाली 10 वीं 12 वीं बोर्ड की परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित किया है कार्यक्रम के अनुसार 17 फरवरी से 15 मार्च के बीच बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जाएगी।**

परीक्षाएं 17 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच आयोजित हो सकती हैं। उन्होंने बताया है कि इन परीक्षाओं में 45 लाख से अधिक विद्यार्थी हिस्सा ले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई. भर्ती रद्द करने पर अंतरिम रोक हटाई

शीर्ष अदालत ने आदेश में कहा कि, ''राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ 3 माह में इस मामले की सुनवाई कर दायर अपीलों का निस्तारण करे''

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 24 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने 859 पदों की एस.आई. भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के 8 सितंबर के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग कराने की छूट दी गई थी। शीर्ष अदालत ने, हाईकोर्ट की खंडपीठ को कहा है कि वह इस मामले में दायर अपीलों का निपटारा 3 महीने में करे।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि खंडपीठ के समक्ष मूल अपीलों में अंतिम फैसला नहीं होने तक किसी भी चयनित अभ्यर्थी को ट्रेनिंग नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश बुधवार को कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की एसएलपी पर दिया।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील में याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव शकधर और उनके सहायक अधिवक्ता हरिंदर नील पैरवी के लिए उपस्थित हुए थे।

- **हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग की छूट देने के आदेश पर भी रोक लगाई।**
- **ज्ञात रहे कि एकलपीठ ने एस.आई.भर्ती पेपरलीक मामले में एस.आई.टी की जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुए 28 अगस्त को इस परीक्षा को रद्द करने के आदेश दिए थे।**
- **इस रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट था कि आर.पी.एस.सी. के सदस्य स्वयं पेपरलीक में लिप्त थे और उन्होंने अपने पुत्र-पुत्री समेत कई लोगों को पेपर मुहैया करवाया था।**

याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट राजीव शकधर ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड ट्रेनिंग कराने की छूट दी है। जबकि फील्ड ट्रेनिंग में कुछ हद तक ट्रेनी एस.आई. को स्वतंत्र निर्णय और काम करने की छूट दी जाती है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि एकलपीठ ने पेपरलीक की जांच के संबंध में गठित एस.आई.टी. रिपोर्ट का गंभीरता से विश्लेषण कर परीक्षा रद्द करने और आर.पी.एस.सी. अधिकारियों को 2021 में जारी विज्ञिप्ति के आधार पर पुनः परीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाने के आदेश दिए थे।

याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया है कि, यह मामला जनहित से जुड़ा हुआ है और मामले की जांच में स्पष्ट हुआ है कि एस.आई. भर्ती परीक्षा के पेपरलीक में स्वयं आर.पी.एस.सी. के सदस्य लिप्त थे। इन्हीं आरपीएससी सदस्यों के पुत्र-पुत्री को प्रश्नपत्र उपलब्ध करवाए गए थे, इन्हीं पेपर्स को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल कर्मचारियों को मिलेगा 78 दिन का बोनस

नयी दिल्ली, 24 सितंबर। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल कर्मचारियों को दीपावली पर 78 दिन का बोनस देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां संवाददाता

- **रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट की मीटिंग में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।**

सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय आईटी प्रोफैशनल्स अब कैनडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इंगलैण्ड, यूएई, सिंगापुर की ओर भी देख रहे हैं

पर, ये देश एक समान नहीं, नौकरियों की दृष्टि से

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। अमेरिका द्वारा प्रस्तावित नई वेतन-आधारित एच-1 बी वीज़ा चयन प्रणाली भारत के कई युवा प्रोफैशनल्स और एम्प्लॉयर्स को अन्य विकल्पों की तरफ रुख करने पर मजबूर करेगी।

इस नई व्यवस्था में लैवल 1 और लैवल 2 वेतन वाली नौकरियों के आवेदकों की चयन की संभावना घट जाएगी। यह वो ब्रैकेट (श्रेणी) है जिसमें हाल ही में स्नातक बने, जूनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रवेश-स्तरीय आईटी नौकरियां आती हैं। इससे अमेरिका अब शुरुआती करियर वाले प्रोफैशनल्स और उन स्टार्टअप्स के लिए कम आकर्षक हो जाएगा जो बड़ी टेक कंपनियों जैसी सैलरी नहीं दे सकते।

यह प्रस्ताव, जिसमें एक बड़ा नया शुल्क भी शामिल है, उम्मीदवारों और एम्प्लॉयर्स को सस्ते, आसान और तेज़ विकल्पों की ओर रुख करने को मजबूर करेगा।

कैनडा इस बदलाव का सबसे बड़ा तात्कालिक लाभार्थी दिख रहा है। उसका ''एक्सप्रेस एंट्री'' पॉइंट सिस्टम और प्रांतीय नामांकन कार्यक्रम (प्रोविंशियल नॉमिनी प्रोग्राम) टैंपटेरी वर्क से परमानैंट रैज़िडैंसी तक जाने का साफ और तेज़ रास्ता देता है। ग्लोबल टैलेंट स्ट्रीम से एम्प्लॉयर्स बहुत जल्दी वर्क परमिट दिला सकते हैं। कैनडा पहले से ही अपनी छवि ''कुशल प्रतिभा

- **कैनडा व आस्ट्रेलिया में नौकरी पेशे वालों के लिए एंट्री साफ-सुथरी है, जटितलाएं कम हैं।**
- **यूरोप (जर्मनी, ब्रिटेन) में नये एंट्री लैवल आईटी प्रोफैशनल्स के लिये, यूरोप की लाइफ स्टाइल एक आकर्षण है। पर, जर्मनी में भाषा की दिक्कत जरूर है।**
- **सिंगापुर व यूएई में वेतन भी ठीक है तथा भारत से कम दूरी एक अच्छा विकल्प प्रस्तुत करते हैं।**
- **ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर थोड़े सीनियर व अच्छा वेतन पाने वाले प्रोफैशनल्स के लिये ज्यादा आकर्षण हैं। पर, एंट्री लैवल के प्रोफैशनल्स के लिए सिंगापुर व ऑस्ट्रेलिया थोड़े पहुँच से दूर हैं।**

के अनुकूल'' देश की बना चुका है और अमेरिकी नीतिगत कदमों के बाद से भर्ती एजेंसियां कैनडा को एच -1 बी का विकल्प बताकर प्रचार कर रही हैं। उन भारतीयों के लिए, जो आसान स्थायी निवास (परमानैंट रेज़िडैंसी/ पी.आर.) और परिवार की स्थिरता चाहते हैं, कैनडा सबसे आकर्षक नज़र आता है।

ऑस्ट्रेलिया अब भी उन मिड-करियर प्रोफैशनल्स को आकर्षित करता है जो पॉइंट सिस्टम की तय शर्तें पूरी कर सकते हैं। सरकार समय-समय पर अपनी ''स्किल्ड ऑक्यूपेशन लिस्ट'' अपडेट करती है और हाल ही में वीज़ा रुल्स को उन क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के लिए बदला गया है जहां कर्मचारियों की कमी है। कई स्किल्ड माइग्रैंट्स के लिए ऑस्ट्रेलिया में स्थायी निवास (पी.आर.) का रास्ता साफ है, पर यह प्रक्रिया कैनडा से धीमी और अधिक नियमबद्ध हो सकती है, और कुछ वीज़ा में वेतन की न्यूनतम सीमा काफ़ी ऊँची हो सकती है।

जर्मनी का ई.यू. ब्लू कार्ड, तय वेतन सीमा और त्वरित स्थायी निवास (पी.आर.) विकल्पों के साथ, इंजीनियरों और डेटा वैज्ञानिकों के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा की 5 सीटों का चुनाव 24 अक्टूबर को

नयी दिल्ली, 24 सितम्बर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर से चार तथा पंजाब से एक राज्यसभा सीट के लिए 24 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा।

चुनाव आयोग ने बुधवार को यह

- **केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की चार तथा पंजाब की एक राज्यसभा सीट के लिए 13 अक्टूबर को नामांकन भरा जाएगा।**

जानकारी देते हुए बताया कि इस बारे में छह अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी और 13 अक्टूबर तक उम्मीदवार नामांकन कर सकेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विकास के नए शिखर पर राजस्थान

₹1,22,000 करोड़ से अधिक की परमाणु, अक्षय ऊर्जा, बिजली, रेल और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं का उपहार

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के द्वारा

गुरुवार, 25 सितम्बर, 2025 | 13:00 बजे | बाँसवाड़ा, राजस्थान

केन्द्र सरकार की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं

शिलान्यास

- अश्विनी माही बाँसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना 1-4 (4x700 MW)
- 590 MW एफडीआरई परियोजना (1560 MWp सौर तथा 2500 MWh बीईएसएस), बीकानेर (अवाडा)
- पावरग्रिड की तीन पारेषण योजनाएँ, राजस्थान से मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब तक 15.5 GW अक्षय ऊर्जा की निकासी हेतु
- 300 MW सौर पीवी परियोजना, रामगिरि, आंध्र प्रदेश (सेकी)

उद्घाटन

- 925 MW नोख सौर पार्क, फलोदी, राजस्थान (आरएसडीसीएल)
- 400 MW सौर पावर परियोजना (जेएसडब्ल्यू एनर्जी)
- 300 MW सौर परियोजना (ईडन रिन्यूएबल्स)
- 200 MW सौर परियोजना (सनफ्री एनर्जी)
- 200 MW सौर परियोजना, बडनू, राजस्थान (अवाडा)
- 300 MW सौर परियोजना (एसीएमई सोलर)
- पीएम-कुसुम घटक-सी (फीडर स्तर सोलराइजेशन) के अंतर्गत विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र - राजस्थान (895 MW), महाराष्ट्र (2458 MW), मध्य प्रदेश (99 MW), कर्नाटक (65 MW)

राजस्थान सरकार की विकास परियोजनाएं

- जल संसाधन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण, ऊर्जा, स्थानीय स्वायत्त शासन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग से संबंधित 31 कार्यों का शिलान्यास एवं 17 कार्यों का उद्घाटन
- 15,000 युवाओं को नियुक्ति-पत्र वितरण

हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

- बीकानेर और दिल्ली कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन
- जोधपुर और दिल्ली कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन
- उदयपुर सिटी - चंडीगढ एक्सप्रेस ट्रेन

परियोजना के लाभ

- लोगों और उद्योगों की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वच्छ परमाणु ऊर्जा का उत्पादन
- जीवन को बेहतर बनाने और व्यवसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर हरित ऊर्जा की उपलब्धता
- कृषि के लिए किफायती, विश्वसनीय और सतत सिंचाई ऊर्जा हुई सुनिश्चित
- लोगों, स्थानीय व्यवसायों, पर्यटन और सेवा क्षेत्रों के लिए बेहतर रेल संपर्क
- आर्थिक विकास और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के लिए राजस्थान राज्य में मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर
- स्थानीय समुदायों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन

गरिमामयी उपस्थिति

श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े
राज्यपाल, राजस्थान

श्री भजन लाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री मनोहर लाल
केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री

श्री प्रल्हाद जोशी
केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण; तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

श्री अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री भूपेन्द्र यादव
केंद्रीय पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन मंत्री

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

डॉ. जितेन्द्र सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार) और कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष विभाग

श्री अर्जुन राम मेघवाल
केन्द्रीय, कानून एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

श्री भागीरथ चौधरी
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री

श्रीमती दिया कुमारी
उप मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. प्रेमचन्द बैरवा
उप मुख्यमंत्री, राजस्थान

इस कार्यक्रम को लाइव देखें DD NEWS

विचार बिन्दु

जिस प्रकार जल कमल के पत्ते पर नहीं ठहरता है, उसी प्रकार मुक्त आत्मा के कर्म उससे नहीं चिपकते हैं। –छांदोग्य उपनिषद

राजस्थान में शहरीकरण: जल संरक्षण के मूलभूत प्रयास

राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है, परंतु प्राकृतिक जल संसाधनों के मामले में यह सदैव पिछड़ा रहा है। यहां की मरुस्थलीय जलवायु, कम वर्षा, भूजल का लगातार दोहन और जनसंख्या वृद्धि ने जल संकट को और गहरा बना दिया है। हाल के वर्षों में शहरीकरण की तेज़ रफ्तार ने इस समस्या को अभूतपूर्व स्तर पर पहुँचा दिया है। गांवों से शहरों की ओर पलायन, औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, बढ़ती आवासीय कॉलोनियां और जीवनशैली में बदलाव ने जल संसाधनों पर जबरदस्त दबाव डाला है। इस परिप्रेक्ष्य में राजस्थान के शहरीकरण और जल संकट का संबंध गहराई से समझना आवश्यक है।

राजस्थान के जल संकट की जड़ें इसकी भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियों में छिपी हैं। यहां औसतन 550 मिमी वर्षा होती है, जो देश के अन्य हिस्सों की तुलना में बहुत कम है। पश्चिमी राजस्थान में तो यह और भी कम होकर 200 मिमी के आसपास रह जाती है। थार मरुस्थल का विशाल क्षेत्रफल और रेत के टीलों के बीच बसी बस्तियां वर्षा के अभाव में हमेशा से ही पानी के लिए संघर्ष करती रही हैं। ऐसे में जब शहरीकरण तेज़ी से बढ़ा, तो जल संकट और भी जटिल हो गया।

शहरीकरण का प्रभाव सबसे पहले शहरों की पेयजल आपूर्ति पर दिखाई देता है। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और उदयपुर जैसे शहरों की आबादी पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ गई है। जोधपुर और बीकानेर जैसे शुष्क शहरों में पेयजल आपूर्ति के लिए नहरों और टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है। इंदिरा गांधी नहर से पानी की आपूर्ति तो होती है, परंतु उसका वितरण सीमित है और हर साल गर्मियों में हालात बिगड़ जाते हैं। कई बार तो स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि शहरों में जल वितरण को लेकर विवाद और संघर्ष तक देखने को मिलते हैं।

इसके अलावा शहरीकरण ने भूजल दोहन को भी अत्यधिक बढ़ा दिया है। नई कॉलोनियों, मल्टीस्टोरी इमारतों और औद्योगिक इकाइयों को चलाने के लिए भूजल का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। परिणामस्वरूप राजस्थान के अनेक शहरों में भूजल का स्तर 500 फीट से भी नीचे चला गया है। जयपुर और अलवर जैसे क्षेत्रों में स्थिति बेहद गंभीर है। भूजल स्तर में लगातार गिरावट ने न केवल पेयजल संकट को गहराया है, बल्कि कृषि और पर्यावरणीय संतुलन को भी खतरे में डाल दिया है।

औद्योगिकीकरण भी जल संकट को बढ़ाने वाला एक बड़ा कारक है। शहरीकरण के साथ ही राजस्थान के अनेक शहरों में सीमेंट, वस्त्र, रसायन और खनन आधारित उद्योग स्थापित हुए हैं। इन उद्योगों को बड़े पैमाने पर पानी की आवश्यकता होती है। कई बार उद्योग बिना अनुमति के भूमिगत जल का दोहन करते हैं, जिससे आम जनता के लिए पानी की उपलब्धता प्रभावित होती है। इसके साथ ही औद्योगिक अपशिष्ट जल का प्रदूषण जल स्त्रोतों को भी असुरक्षित बना देता है।

जल संकट केवल एक पर्यावरणीय या आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ है। जब शहरों में पानी की कमी होती है, तो गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। टैंकरों और बोतलबंद पानी पर निर्भरता बढ़ने से आर्थिक असमानता भी गहराती है। ऐसे में सरकार और समाज दोनों को मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

शहरीकरण ने जल संकट को केवल मात्रा के स्तर पर ही नहीं, बल्कि गुणवत्ता के स्तर पर भी बढ़ाया है। बढ़ती आबादी और औद्योगिक गतिविधियों ने नालों और जलाशयों को प्रदूषित कर दिया है। अजमेर और उदयपुर जैसे शहरों में झीलें गंदगी और सीवेज की वजह से अपनी स्वच्छता खो चुकी हैं। यही स्थिति जयपुर में मानसागर झील की भी रही है, जिसे समय-समय पर पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जाते हैं। प्रदूषित जल न केवल मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि पर्यटन और पर्यावरण को भी क्षति पहुँचाता है।

जल संकट से निपटने के लिए राजस्थान सरकार ने अनेक योजनाएं शुरू की हैं। इंदिरा गांधी नहर परियोजना ने पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों की प्यास बुझाई है। इसी प्रकार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को भी महत्वाकांक्षी योजना माना जा रहा है। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल की योजना को लागू किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन, तालाबों और बावड़ियों का पुनरुद्धार तथा वाटर हार्वेस्टिंग को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। परंतु बढ़ते शहरीकरण की गति इतनी तीव्र है कि ये प्रयास अक्सर अपर्याप्त साबित होते हैं।

वास्तविक समाधान समाज की भागीदारी में निहित है। यदि शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया जाए, तो बहुत हद तक भूजल पर दबाव कम किया जा सकता है। इसी तरह जल पुनर्चक्रण और अपशिष्ट जल के शोधन को अपनाना समय की मांग है। उद्योगों को भी जल संरक्षण की जिम्मेदारी उठानी होगी और उन्हें अपशिष्ट जल प्रबंधन की तकनीकें अपनानी होंगी। आम नागरिकों को भी जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा, तभी इस संकट पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

राजस्थान का इतिहास हमें बताता है कि यहां के पूर्वजों ने जल संरक्षण के अनूठे पारंपरिक तरीके अपनाए थे। स्टेपवेल्स (बावड़ियां), जोहड़, तालाब और टांके इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ये संरचनाएं न केवल वर्षा जल का संचयन करती थीं, बल्कि भूजल पुनर्भरण में भी सहायक होती थीं। आज जरूरत है कि इन पारंपरिक तकनीकों को आधुनिक शहरी नियोजन से जोड़ा जाए। यदि हर नई कॉलोनी, अपार्टमेंट और औद्योगिक क्षेत्र में ऐसे जल संरचनाओं को अनिवार्य किया जाए, तो राजस्थान जैसे शुष्क प्रदेश में भी जल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

जल संकट केवल एक पर्यावरणीय या आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ है। जब शहरों में पानी की कमी होती है, तो गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। टैंकरों और बोतलबंद पानी पर निर्भरता बढ़ने से आर्थिक असमानता भी गहराती है। ऐसे में सरकार और समाज दोनों को मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

अंततः कहा जा सकता है कि राजस्थान में शहरीकरण और जल संकट का संबंध सीधा और गहरा है। जिस तेजी से शहरीकरण हो रहा है, उसी तेजी से जल संसाधनों का क्षरण हो रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में राजस्थान के शहरों को भयंकर जल आपदा का सामना करना पड़ सकता है। इस संकट से निपटने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों, सरकारी योजनाओं और समाज की जागरूकता को एक साथ मिलाना होगा। तभी राजस्थान अपने शहरीकरण की राह पर आगे बढ़ते हुए जल संकट से उबर पाएगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकेगा।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल गुरूवार 25 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र सायं 7:09 तक, वैधृति योग रात्रि 9:53 तक, गर करण प्रातः 7:06 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सायं 7:09 तक है। आज भद्रा रात्रि 8:14 से आरम्भ होगी। आज विनायक चतुर्थी, भाना चतुर्थी, वैधृति पुण्य है। आज तृतीया तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:50 तक, चर 10:44 से 12:19 तक, लाभ-अमृत 12:19 से 3:18 तक, शुभ 4:47 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:17

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

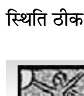

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

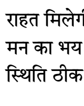

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

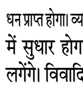

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

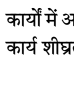

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी और कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

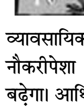

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

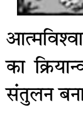

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

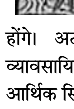

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

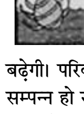

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

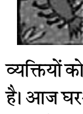

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

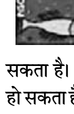

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय: एकात्म मानववाद, अंत्योदय और स्वदेशी विचारों के आदर्श प्रतीक

''अंत्योदय दिवस'' 25 सितम्बर पर विशेष.........

वासुदेव देवनानी

भारत के राजनीतिक और वैचारिक इतिहास में जिन महान विभूतियों ने अपने जीवन, चिंतन और कर्म से समाज को नई दिशा दी, उनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वे भारतीय राजनीति और चिंतन के शाश्वत मार्गदर्शक थे। उनका जन्म 25 सितंबर 1916 को उत्तरप्रदेश के मथुरा जनपद के नगला चंद्रभान (वर्तमान में पंडित दीनदयाल धाम) नामक छोटे से गाँव में हुआ। पंडित दीनदयालजी के पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय रेलवे में स्टेशन मास्टर थे और माता रामप्यारी धार्मिक प्रवृत्ति की घरेलू महिला थीं। माता-पिता के निधन के बाद उनका पालन-पोषण नाना-नानी और बाद में चाचा-चाची ने किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। प्रारंभिक शिक्षा गाँव के स्कूल में, फिर गवर्नमेंट हाईस्कूल, सीकर (राजस्थान) में और आगे की शिक्षा उन्होंने पिलानी (राजस्थान), कानपुर और आगरा विश्वविद्यालय में प्राप्त की। वे अपने छात्र जीवन में मेधावी और गोल्ड मेडलिस्ट रहे, साथ ही नैतिकता, अनुशासन और संगठनात्मक क्षमता में भी सबसे आगे थे। साधारण किसान परिवार में जन्म लेने के बावजूद वे असाधारण व्यक्तित्व और अद्भुत विचारशक्ति के धनी बने। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अर्पित कर दिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन और विचारधारा में भारतीय संस्कृति और परंपरा गहराई से रची-बसी थी। वे मानते थे कि भारत एक राजनीतिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी आत्मा सनातन धर्म के मूल्यों में निहित है। उनका जीवन हमेशा सादगीपूर्ण और एक तपस्वी जैसा था। उनका जीवन त्याग और समर्पण की प्रतिमूर्ति रहा। वे जीवन पर्यन्त अविवाहित रहे और अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया। जीवन के इन्हीं आदर्शों से वे एक महान व्यक्तित्व के धनी और प्रेरणादायी पुरुष बने। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े। आरएसएस के प्रचारक के रूप में उनकी संगठन क्षमता को देखकर उन्हें भारतीय जनसंघ की स्थापना (1951) के समय महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ दी गईं। 1951 से 1968 तक उन्होंने पार्टी संगठन को ग्राम स्तर तक खड़ा किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सबसे बड़ा बौद्धिक योगदान एकात्म मानववाद का सिद्धांत है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश को अंत्योदय की अवधारणा दी जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास को पहुँचाना था। यह केवल एक आर्थिक नारा नहीं था, बल्कि समाज के कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों के लिए उनकी सच्ची समर्पित जिम्मेदारी की भावना थी। आज भारत सरकार और राज्य सरकारों की योजनाओं में अंत्योदय शब्द और भावना सीधे-सीधे उनके चिंतन की ही देन है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का 11 फरवरी 1968 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय स्टेशन (अब पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन) पर रहस्यमय परिस्थितियों में निधन हुआ। यह घटना भारतीय राजनीति और विशेषकर जनसंघ के लिए अपूरणीय क्षति थी। मात्र 52 वर्ष की आयु में यह दिव्य पुरुष दुनिया छोड़ गया, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित और प्रासंगिक हैं। आज जब भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का नारा पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय के स्वदेशी दृष्टिकोण से मेल खाता है। उनकी अंत्योदय की नीति आज कारगर हो रही है। उन्होंने हमें यह सिखाया कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का मार्ग है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का राजस्थान से गहरा सम्बन्ध रहा है। उन्होंने राजस्थान के सीमांत, ग्रामीण और पिछड़े वर्गों को विकास की मुख्यधारा में लाने का जो दृष्टिकोण दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। वर्ष 1951 में जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई तब पंडित दीनदयाल उपाध्याय को अखिल भारतीय स्तर पर संगठन की जिम्मेदारी मिली। उस समय अन्य प्रदेशों के समान राजस्थान में भी जनसंघ की पकड़ बहुत कमजोर थी।

उन्होंने जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर जैसे प्रमुख शहरों में जनसंघ की इकाइयाँ स्थापित करवाईं। ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचने के लिए उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। दीनदयालजी ने अपने भाषणों में राजस्थान के संदर्भ में यह कहा था कि यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम है इसलिए प्रदेश के रेगिस्तानी इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी और पिछड़े अंचलों के विकास के लिए अंत्योदय का विचार ही सबसे उपयुक्त मार्ग है। उनके यह विचार कालान्तर में 1977 में राजस्थान में भैरोंसिंह शेखावत के नेतृत्व में बनी जनता पार्टी की सरकार के समय सर्वप्रथम देश में लागू की गई योजना अंत्योदय में साकार हुए जिसे बाद में केंद्र और राज्यों की अन्य सरकारों ने भी लागू किया। राजस्थान में आदिवासी और पिछड़े इलाकों (उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, सिरोही आदि पिछड़े जनजाति उपयोजना क्षेत्रों) के लिए अंत्योदय की अवधारणा विशेष रूप से सार्थक रही।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के धानक्या गाँव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक बना है, जहाँ उनके जीवन और विचारों को प्रदर्शित किया गया है। उनके नाम पर न केवल कई योजनाएँ चल रही हैं बल्कि शिक्षा, कौशल और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से कई परियोजनाएँ क्रियान्वित हो रही हैं। ये सब उनकी अंत्योदय और स्वावलंबन की सोच को आगे बढ़ा रहे हैं। मैने शिक्षा मंत्री रहते हुए राजस्थान सरकार के स्कूली पाठ्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी सहित करीब 200 ऐतिहासिक हस्तियों और राज्य के महापुरुषों के जीवन और कृतित्व पर नए अध्याय स्कूल की किताबों में जुड़वाएं थे। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी के युवाओं को इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने की सीख देना रहा था। साथ ही मैं अपने सार्वजनिक दृष्टांतों में भी हमेशा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन को युवा, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं राजनीतिज्ञों के लिए प्रेरणादायक बताता हूँ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके एकात्म मानववाद, अंत्योदय और स्वदेशी के आदर्शों को अपने व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन में अपनाएंगे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष,
राजस्थान विधानसभा।

पधारो म्हारे देश : पीएम नरेंद्र मोदी आज परमाणु ऊर्जा परियोजना व विकास कार्यों की सौगात देंगे

बाल मुकुन्द ओझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री अपनी जीवन यात्रा के 75 साल पूरा करने के बाद पहली बार वीरों की धरती राजस्थान आ रहे है। राजस्थान अपनी आन, बान, शान, शौर्य, साहस, कुर्बानी, त्याग, बलिदान तथा वीरता के लिए सम्पूर्ण विश्व में ख्यात है। मोदी की यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री गुरुवार, 25 सितम्बर को भाजपा के वैचारिक मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर केन्द्र व राज्य सरकार की लगभग 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की बांसवाड़ा से सौगात देंगे। इस अवसर पर 15 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित करने के साथ जोधपुर, बीकानेर एवं उदयपुर से नई रेल गाड़ियों की शुरुआत भी करेंगे। कार्यक्रम स्थल बांसवाड़ा के नापला, छोटी सरवन में रखा गया है जहां मोदी एक लक्खी सभा को भी सम्बोधित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोदी आजकल देश के विभिन्न राज्यों का सघन दौरा कर रहे है। इसी क्रम में उनका बांसवाड़ा दौरा, राजस्थान के ऊर्जा, जल संसाधन, परिवहन और रोजगार जैसे अहम क्षेत्रों में नई दिशा देने वाला साबित होगा। इसे राज्य की आधारभूत संरचना को मजबूत करने और सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

राजस्थान राज्य के सूदूर दक्षिण में स्थित आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिला वागड़ या वागवर के नाम से जाना जाने वाला क्षेत्र है। यहाँ के जंगलों में बांस के वृक्षों की प्रचुरता के कारण भी इस भूभाग को बांसवाड़ा के नाम से जाना जाता है। आरावली पर्वत श्रृंखलाओं में बसा बांसवाड़ा अपनी प्राचीनता, सांस्कृतिक धरोहर और विविधता के लिए प्रसिद्ध है। आदिवासी समुदाय को प्रकृति का सबसे करीबी माना जाता है। इस समुदाय ने संसाधनों के आभाव में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। इस क्षेत्र की आदिवासी संस्कृति की अपनी विशिष्ट पहचान है। यह जनजाति लोगों का एक ऐसा समूह है, जिनकी भाषा, संस्कृति, जीवनशैली और सामाजिक-आर्थिक स्थिति भिन्न है। मगर देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी है। मोदी आदिवासियों की इसी धरा पर विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल, मोदी की यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के प्रयासों में जी जान से जुटे है। ये मोदी ही है जो पहली बार के विधायक भजन लाल को राजस्थान की बागडोर सौंप कर मोदी है तो मुमकिन है को सफलीभूत बनाया। मुख्यमंत्री ने प्रधान मंत्री की बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों का जायजा लेते हुए साफ कहा ये हमारी ही पार्टी है जिसका कार्यकर्त्ता बूथ अध्यक्ष से मुख्यमंत्री के पद तक पहुँच सकता है और ये मोदी जी के कारण ही संभव हुआ है।

उन्होंने सभा स्थल का अवलोकन करते हुए आम जनों को कोई भी परेशानी नहीं हो इसका ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री, मोदी की मंशा और भावना के अनुरूप आम नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए समर्पित भाव से प्रयास कर रहे हैं। भजन लाल जनसेवा की अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के आर्थिक विकास और आधारभूत ढांचे को जन आंकाक्षाओं के अनुरूप मजबूत बनाने में जुटे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री भजनलाल, प्रधानमंत्री मोदी को अपने शासन के विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट कार्ड में गांव, गरीब और किसान की विभिन्न समस्याओं के समाधान सहित जन कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी होंगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का कहना है, बांसवाड़ा में देश का सबसे बड़ा आणविक शक्ति केंद्र बनने जा रहा है। कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा के साथ मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव और उनकी कैबिनेट के कई मंत्री भी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की वागड़ - मालवा - गुजराती संस्कृति के संगम स्थल बांसवाड़ा की पावन धरती से सौगात देने के साथ 2,800 मेगावॉट के माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे, जो प्रदेश की ऊर्जा क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा। भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम के इस प्रोजेक्ट में 700-700 मेगावाट की चार इकाइयां शामिल होंगी।

इसे बांसवाड़ा जिले की छोटी सरवन तहसील के आड़ीभीत, बारी, कटुम्बी, सजवानिया और रेल गांवों में स्थापित किया जाएगा। पहली यूनिट 2031 तक चालू होगी, पूरी परियोजना 2036 तक पूरी होगी। इससे 5900 मेगावाट बिजली उत्पादन और 5000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। सभी यूनिट शुरू होने के बाद राजस्थान में न्यूक्लियर बिजली उत्पादन 5900 मेगावाट हो सकेगा। भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड की ओर से बांसवाड़ा में यह प्रोजेक्ट लगाया जा रहा है। राजस्थान में न्यूक्लियर पावर का पहला संयंत्र रावतभाटा में लगा हुआ है। अब बांसवाड़ा में दूसरा संयंत्र लगेगा।

इस अवसर पर मोदी राजस्थान सहित कई राज्यों की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं भी देशवासियों को समर्पित करेंगे। ये परियोजनाएं राजस्थान-मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक राज्यों की हैं। प्रधानमंत्री बीकानेर-दिल्ली कैन्टवन्दे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर-दिल्ली कैन्टवन्दे भारत एक्सप्रेस एवं उदयपुर सिटी-चण्डीगढ़ एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करेंगे। प्रधानमंत्री बांसवाड़ा दौरे में जल संसाधन क्षेत्र को भी नई सौगात देंगे। वे 12 जिलों में 15 पेयजल परियोजनाओं की नींव रखेंगे, जिनकी कुल लागत 5,884 करोड़ रूपये है। इन योजनाओं से लाखों लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। इसके साथ ही, ईसरदा बांध और धौलपुर लिफ्ट व सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा।

इन योजनाओं से किसानों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। जल संसाधन विभाग की 20,833 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे। मोदी कुसुम योजना के लाभार्थियों से भी रूबरू होंगे। प्रधानमंत्री के मुख्य कार्यक्रम के लाइव प्रसारण से सभी जिला मुख्यालयों, नगर निकायों एवं ठााम पंचायतों को जोड़ा गया है ताकि आम जनता कार्यक्रम के दिग्दर्शन के साथ अपने प्रिय प्रधान मंत्री के भाषण को सुन सके। सभा स्थल पर आमजन के लिए पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है।

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

लोगों के बरसों से अटके काम शहरी सेवा शिविर-2025 में पूरे हो रहे हैं

अलवर, धौलपुर से लेकर सलूम्बर, राजसमंद तक, शहरी हो या ग्रामीण, हर कोई शिविर से खुश होकर लौट रहा है। बरसों से अटके काम शहरी सेवा शिविर-2025 के माध्यम से साकार हो रहे हैं।

नुसरत बानू के आवास का सपना पूरा हुआ :- सलूम्बर शहर निवासी नुसरत बानू अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रहती थी। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, जिससे पूरे परिवार को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए मुमकिन नहीं था। कुछ दिनों पहले नगर परिषद के कार्मिकों ने सर्वे के दौरान नुसरत बानू को शहरी सेवा शिविर-2025 की जानकारी दी और बताया कि आपका परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का पात्र है। उससे इस योजना में आवेदन करवाया गया तथा शिविर में स्वीकृति प्रमाण पत्र सौंपा गया। उसे विभिन्न किश्तों में 1.5 लाख रुपये का अनुदान मिलेगा। नुसरत ने अपने सपनों का मकान बनवाना शुरू कर दिया है।

अब नसरत बानू अपने परिवार के साथ अधिक सुरक्षित और सम्मान जनक जीवन व्यतीत कर पाएगी। उसने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में सुना था कि वे देश के प्रत्येक गरीब परिवार को सरकार की ओर से मकान बनाकर देते हैं। प्रधानमंत्रीजी ने उन्हें पहले से ही उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में निःशुल्क राशन दे रहे हैं। राजस्थान के संवेदनशील मुख्यमंत्रा भजनलाल शर्मा भी उन्हें 450 रूपए में गैस सिलेंडर दे रहे हैं, जिससे हम जैसे लोगों का जीवन बड़ा आसान हो गया है। नुसरत बानू को मिली यह वित्तीय सहायता प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की प्रभावशीलता और सरकार की संवेदनशीलता का सशक्त प्रमाण है।

शहरी सेवा शिविर बना सहारा, विमला को मिली पेंशन की राहत :- अलवर जिले में स्थित बहादुरपुर निवासी विमला ने वर्ष 2018 में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए आवेदन करवाया था परंतु उसके बाद उसका लंबे समय तक वार्षिक सत्यापन नहीं हो पाने के कारण पेंशन नहीं मिल पा रही थी और परिवार के दैनिक खर्च पूरे करने में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। आर्थिक परेशानियों से जूझ रही विमला की समस्या का समाधान तब हुआ, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी पहल पर शहरी सेवा शिविर अभियान-2025 चलाया गया। बहादुरपुर नगर पालिका द्वारा लगाए गए शिविर में विमला ने अपनी समस्या दर्ज करवाई। अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत उनकी पेंशन से जुड़ी समस्या का समाधान किया। इस समाधान से विमला को न केवल आर्थिक राहत मिली बल्कि उसे रोज सरकारी कार्यालयों, बैंकों में चक्कर काटने से भी मुक्ति मिली।

मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना बनी आमिर के लिए सहारा :- धौलपुर जिले की नगर पालिका बाड़ी में शहरी सेवा शिविर में एक साधारण ठेले वाले की जिंदगी बदल गई। लोहार बाजार निवासी मोहम्मद आमिर लंबे समय से अपने ठेले पर रोज़मर्रा का सामान बेचकर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। कम आय और बढ़ते खर्चों के बीच उनका व्यापार ठहराव पर था। शहरी सेवा शिविर पहुँचने पर वहां मौजूद अधिकारियों ने उन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। योजना की प्रक्रिया पूरी होते ही उन्हें ब्याजमुक्त ऋण सुविधा मिल गई। शिविर में मिली सहायता से आमिर ने ठेले पर ज्यादा किस्म के सामान रखना शुरू किया। अब उनके पास ग्राहकों की पसंद का अच्छा-खासा स्टॉक रहता है। बिक्री में इजाफा हुआ और आमदनी भी बढ़ गई। खुशी का इजहार करते हुए आमिर बोले कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना ने मेरे लिए नई राह खोल दी। अब कारोबार बढ़ने के साथ ही परिवार की ज़रूरतें पूरी हो रही हैं और बच्चों की पढ़ाई भी अच्छे से करवा पा रहा हूँ।

विरासत का नामांतरण खुला तो शांति देवी की खुशी का नहीं रहा ठिकाना :- राजसमंद स्थित कुम्भलगढ़ के ग्राम पंचायत धानीन की निवासी शांति देवी के जीवन में वर्ष 2017 एक अंधकारमय मोड़ लेकर आया, जब उनके पति बाबूलाल का निधन हो गया। पति की मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारियाँ उनके कंधों पर आ गई परंतु राजस्व रेकार्ड की एक त्रुटि ने उन्हें वर्षों तक बड़ी कठिनाइयों में डाल दिया। राजस्व अभिलेखों में बाबूलाल की जगह बालूलाद दर्ज था, जिसके कारण विरासत का नामांतरण खुल नहीं पा रहा था। इस त्रुटि के चलते शांति देवी राज्य और केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभों से वंचित रही। 8 वर्षों तक भटकने के बाद भी समाधान न मिलने से वे टूट-सी गई थी और अपने आप को असहाय महसूस कर रही थीं लेकिन राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर ने उनके जीवन में आशा की नई किरण जगाई। 18 सितम्बर को ग्राम पंचायत धानीन में आयोजित शिविर के दौरान उन्होंने अपनी उपखंड अधिकारी को बताई। संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए उपखंड अधिकारी ने उसी समय राजस्व विभाग को शुद्धि के आदेश पारित किए। आदेश मिलते ही तहसीलदार ने मौके पर ही विरासत का नामांतरण दर्ज करवाया और उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि शांति देवी को सौंपी। प्रतिलिपि पाकर शांति देवी की आंखों से वर्षों के दुख और संघर्ष से उपजे आंसू छलक पड़े, लेकिन इस बार ये आंसू राहत और खुशी के थे। उन्होंने भावुक स्वर में कहा आज मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरे पति की आत्मा को भी शांति मिली होगी। आठ साल की पीड़ा आज खत्म हो गई है। अब मुझे लगता है कि सरकार सचमुच हमारे लिए है।

सहायक निदेशक राजकुमार मीणा, पीआरओ प्रवेश परदेशी, एपीआरओ कुणाल वशिष्ठ, सविता सिंह और ईशा सैनी

''राष्ट्र प्रथम'' केवल नारा नहीं, देशभक्ति की भावना है : बागड़े

''राष्ट्र प्रथम'' अंतर्राष्ट्रीय विचार गोष्ठी में राज्यपाल का संबोधन

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और स्पीकर वासुदेव देवनानी ने बुधवार को ''कर्म गाथा'' पुस्तक का लोकार्पण किया।

■ विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया

जयपुर (कासं)। ''राष्ट्र प्रथम'' अंतर्राष्ट्रीय विचार गोष्ठी का आयोजन बुधवार को जयपुर में ''विकसित भारत संकल्प सम्मेलन'' के तहत किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने विचार रखते हुए राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को जीवन में आत्मसात करने का आव्हान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि ''राष्ट्र प्रथम'' कोई मात्र नारा नहीं, बल्कि गहरी देशभक्ति और विचारों से जुड़ी भावना है। उन्होंने अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा कि वह भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है, लेकिन उसकी प्रतिभा भारत से ही जाती है – अमेरिका में कार्यरत 70 से 80 प्रतिशत प्रतिभाशाली लोग भारतीय हैं।

राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में किए गए परमाणु परीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान ने धमकी दी थी, तो अटल ने स्पष्ट कहा कि अगर पाकिस्तान ने देश को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, तो उसे दूसरा सूरज देखने नहीं मिलेगा। यही ''राष्ट्र प्रथम'' की सोच है।

राज्यपाल ने देश के हालिया विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना के तहत 25 करोड़ बैंक खाते खोले गए। कश्मीर के लाल चौक पर वर्षों बाद तिरंगा फहराया गया, भारत दुग्ध उत्पादन में पहले स्थान पर है और अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर आ पहुंची है। यही ''राष्ट्र प्रथम'' का जमीनी रूप है।

उन्होंने ''कर्म गाथा'' नामक पुस्तक का लोकार्पण भी किया, जो लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समर्पित है।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राष्ट्र केवल एक भू-भाग नहीं बल्कि एक जीवंत विचार और दर्शन है। उन्होंने सभी नागरिकों से भारतीय उत्पादों का उपयोग करने और ''राष्ट्र प्रथम'' की भावना से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय चेतना विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विद्यालयों में पाठ्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना और सांस्कृतिक संस्कारों का विकास किया जाना चाहिए। देवनानी ने कहा कि भारत तेजी से विकास कर रहा है, जिसे विकसित राष्ट्र रोकना चाहते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से मिलकर भारत के सर्वांगीण विकास में भागीदार बनने का आव्हान करते हुए कहा कि भारत ''विश्वगुरु था, है और रहेगा। इस गोष्ठी में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज के संस्थापक डॉ. एम.एल. स्वर्णकार, किशोर रुंगटा और डॉ. महेश शर्मा ने भी अपने विचार रखे और ''राष्ट्र प्रथम'' के सिद्धांत को आत्मसात करने की आवश्यकता बताई।

उत्तराखंड आपदा पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

जयपुर। उत्तराखंड में हाल ही में आई आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान ने राहत सामग्री से भरा ट्रक जयपुर से रवाना किया। बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय से इस ट्रक को प्रदेश महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, अजीत मांडण, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, व उप महापौर पुनीत कर्णावत ने भाजपा ध्वज दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा, ''भाजपा की नीति सेवा और सहयोग पर आधारित है। उत्तराखंड में आए संकट की घड़ी में हम अपने नागरिकों के साथ हैं। व्यापार संघों के सहयोग से राहत सामग्री भेजी जा रही है, जिसमें खाद्य सामग्री प्रमुख है।'' उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भी मुख्यमंत्री आवास से राहत सामग्री के ट्रक रवाना किए जा चुके हैं। गोठवाल ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी को इस आपदा में एकजुट होकर पीड़ितों की सहायता करनी चाहिए। उप महापौर पुनीत कर्णावट ने बताया कि प्रारंभिक चरण में दाल, तेल, कंबल तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं भेजी जा रही हैं। अगले 10 दिनों में लगभग 200 टन राहत सामग्री उत्तराखंड के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना की जाएगी।भाजपा ने स्पष्ट किया है कि वह इस संकट के समय में पीड़ितों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है।

कानोता थाने का ए.एस.आई. 30 हजार रु. की रिश्वत लेते गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी बने सिंह

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) मुख्यालय की जयपुर नगर प्रथम टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए जयपुर पुलिस के कमिश्नरेट के पूर्व जिले के पुलिस थाना कानोता के सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) बने सिंह को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी जयपुर नगर प्रथम जयपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि जयपुर पुलिस के कमिश्नरेट के पूर्व जिले के पुलिस थाना कानोता का सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) बने सिंह ने परिवादी द्वारा पुलिस थाना कानोता में दर्ज कराये गये परिवाद पर विपक्षी पार्टी को पाबन्द कराने के लिए तथा विपक्षी पार्टी द्वारा परिवादी के खिलाफ दिये गये परिवाद को फाईल कराने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी जयपुर नगर-प्रथम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र के नेतृत्व में ट्रेप टीम की ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) बने सिंह को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर जेल में फिर मिले 6 मोबाइल

■ तीन अलग-अलग वार्डो से जब्त किए मोबाइल फोन

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके के घाटगेट स्थित जयपुर केंद्रीय कारागार (जेल) में आकस्मिक तलाशी अभियान में एक बार फिर मोबाइल मिलने से हड़कंप मच गया है। जेल प्रशासन की ओर से चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान तीन अलग-अलग वार्डों में छह मोबाइल लावारिस हालात में मिले हैं। इस संबंध में जेल प्रशासन की ओर से थाने में तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज करवाए गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

थानाधिकारी प्रकाश राम ने बताया कि जयपुर केंद्रीय कारागार (जेल) प्रहरी सुमेर सिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि कारापाल नवल किशोर शर्मा के नेतृत्व में ऑन ड्युटी स्टाफ और आरएसी स्टाफ की मदद से वार्ड नंबर 4 और 9 में आकस्मिक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान वार्ड 4 और 9 में दो मोबाइल लावारिस मिले। वहीं जेल प्रहरी संतोष कुमार की ओर से मामला दर्ज करवाया है कि वार्ड नंबर 4 और 9 में आकस्मिक तलाशी अभियान में वार्ड नंबर 4 और 9 में लावारिस हालात में मोबाइल मिले और तीसरा मामला जेल प्रहरी राजेश कुमार ने दर्ज करवाया है कि कारापाल राजेश डूकिया के नेतृत्व में स्टाफ की मदद से जेल के वार्ड नंबर 3 में आकस्मिक तलाशी अभियान चला कर वार्ड 3 में दो मोबाइल मिले। इस प्रकार से जेल प्रशासन की ओर से चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान तीन अलग-अलग वार्डों में छह मोबाइल लावारिस हालात में मिले हैं। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये मोबाइल फोन जेल के अंदर कैसे पहुंचे और उन्हें कौन इस्तेमाल कर रहा था।

मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ में जयपुर फुट का 44 दिवसीय शिविर शुरू हुआ

■ 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस निःशुल्क शिविर में निकारागुआ के 500 विकलांग लाभान्वित होंगे

जयपुर (कासं)। मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ की राजधानी मानागुआ में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और विश्व प्रसिद्व जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संय ुक्त तत्वावधान में विकलांगों के पुनर्वास के लिए 44 दिवसीय शिविर का आरम्भ हुआ।

निकारागुआ के उप स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कार्लोस साइन्स ने निकारागुआ स्थित भारतीय राजदूत डॉ. सुमित सेठ और बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दोनों देशों की राष्ट्रीय धुन बजाई गई। उद्घाटन समारोह में बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता ने कहा कि 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस निःशुल्क शिविर में निकारागुआ के 500 विकलांग लाभान्वित होंगे। कृत्रिम पैर और हाथ के अलावा अन्य उपकरण भी निःशु ल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। सतीश मेहता ने कहा बी.एम.वी.एस.एस. विश्व में विकलांगों के कल्याणार्थ कार्य करने वाली विश्व की सबसे बड़ी संस्था है।

सतीश मेहता ने उद्घाटन समारोह म ें बताया कि बी.एम.वी.एस.एस. ने 47 देशों में 118 शिविरों का आयोजन कर हजारों विकलांगों को चलने-फिरने लायक बनाया हैं। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय के आथि ंक सहायता से निकारागुआ में पुर्नवास शिविर का आयोजन किया गया हैं, जो दोनों देशों की मित्रता की प्रतीक है।

राजदूत डॉ. सुमित सेठ ने कहा कि वह वर्ष 2018 से जब म्यानमार (बर्मा) में इसी तरह का शिविर लगा था, तब से जयपुर फुट से जुड़े हुए है।। उन्होंने कहा कि निकारागुआ का शिविर मध्य अमेरिका में लगने वाला ऐसा पहला शिविर हैं। उप स्वास्थ्य मंत्री डॉ. साइन्स ने भारत सरकार और बी.एम.वी.एस.एस. के सौजन्य से लगे इस शिविर के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की।

''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' राष्ट्रव्यापी श्रमदान

जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बुधवार को आयोजित ऑनलाइन में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर ने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जुईकर ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत गुरुवार, दिनांक 25 सितम्बर को प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक देशभर में ''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जयपुर में इसका आयोजन अल्बर्ट हॉल के नजदीक रामनिवास गार्डन में किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक नगरीय निकाय द्वारा चयनित स्वच्छता लक्षित इकाइयों पर आयोजित होगा, जहां नागरिकों के सहयोग से श्रमदान व प्लॉगिंग गतिविधियां होंगी।

आसलपुर-जोबनेर स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से लोगों मे आक्रोश

जयपुर। राजधानी जयपुर से सटे आसलपुर-जोबनेर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने के कारण लोगों मे आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने कहा कि स्थानीय लोग पिछले कई वर्षों से निरंतर यहां ट्रेनों के ठहराव की मांग उठा रहे है। यहां तक कि रेलवे प्रशासन को भी कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है, परंतु प्रशासन इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दे रहा है।

स्थानीय लोगों को कहना है कि जोबनेर शहर लगभग 40 गांवों का केन्द्र बिंदु है, जिसके नजदीकी रेलवे स्टेशन आसलपुर-जोबनेर है। परंतु यहां रेल गाड़ियों का ठहराव नहीं होने के कारण क्षेत्र की जनता को मजबूरन या तो बसों से यात्रा करनी पड़ती है अथवा फुलेरा जंक्शन या जयपुर जंक्शन जाना पड़ता है। इस कारण अतिरिक्त धन और समय की बर्बादी होती है। आसलपुर-जोबनेर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग पिछले कई सालों से उठायी जा रही है। यहां अगर ट्रेने रूकती है तो विद्यार्थियों, युवाओं, वृद्धजनों और दैनिक मजदूर व व्यापारियों को काफी राहत मिलेगा। क्योंकि नजदीक ही श्री नरेन्द्र कर्ण कृषि विश्वविद्यालय और ज्योति विद्यापीठ महिला महाविद्यालय स्थित है। नजदीक ही ज्वाला माता का मंदिर है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते है।

सार-समाचार

राजू मंगोड़ीवाला बने प्रवासी समन्वयक

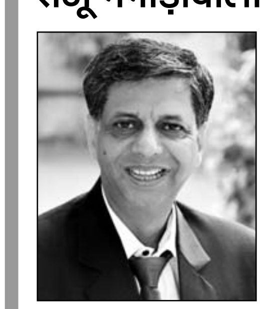

जयपुर। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा प्रदेश के जाने-माने व्यवसायी एवं सक्रिय समाजसेवी राजू मंगोड़ीवाला को तेलंगाना और ओडिशा राज्यों का प्रवासी समन्वयक मनोनीत किया गया है। राजू मंगोड़ीवाला को प्रवासी समन्वयक का प्रभार मिलने के बाद हैदराबाद में प्रवासी सम्मेलन की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। 26 सितंबर को हैदराबाद में होने वाले इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शिरकत करेंगे। राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि दिसंबर में जयपुर में राज्य सरकार की ओर से प्रवासी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश- विदेश से राजस्थानी मूल के उद्योगपतियों आमंत्रित किया गया है। हैदराबाद में सम्मेलन के माध्यम से दक्षिण के राज्यों में निवास करने वाले राजस्थानी मूल के उद्यिमयों को दिसम्बर में होने वाले प्रवासी सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान के आर्थिक और सामाजिक विकास में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा।

'दीपोत्सव पर लाइटिंग की व्यवस्था हो'

जयपुर। दीपोत्सव के अवसर पर प्रदेश भर में जारी आवासन मंडल की समस्त परियोजनाओं में स्ट्रीट लाइटिंग, पानी व अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह कहना है आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा का। डॉ. रश्मि शर्मा ने यह निर्देश बुधवार को आवासन मंडल मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए दिये। उन्होंने कहा है कि परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरु होने से पहले ही सड़क, पानी, बिजली सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने की प्रभावी कार्य योजना बनाई जायें। उन्होनें सख्त निर्देश दिये कि अधिकारी/अभियन्ता विकास कार्यो में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करें। साथ ही टेस्टिंग लैब में खुद अपने समक्ष सेम्पलस की जांच करवाये। उन्होनें कहा कि निर्माण से आवंटन होने तक प्रत्येक प्रोजेक्ट में संवेदनशीलता से कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि अभियंता पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ आवासों का निर्माण करें। वे निर्मित आवासों के विक्रय का लक्ष्य अविलम्ब प्राप्त कर आमजन को गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराएं। डॉ. शर्मा ने मण्डल की आवासीय योजनाओं का प्रदेशभर में विस्तार करने के उद्देश्य से जिलों में भूमि चिन्हित एवं अवाप्त करने के प्रस्ताव मुख्यालय प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड में जाकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों के प्रस्ताव तैयार करें। साथ ही, प्रीमियम प्रॉपर्टी और बुधवार नीलामी के प्रस्ताव भी अविलम्ब तैयार किए जाए। उन्होंने खाली मकानों के शीघ्र ऑक्शन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नवीन आवासीय योजनाओं के संबध में विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि अभियंता जमीन को अवाप्त करने से पहले कोस्ट बेनेफिट अध्ययन सुनिश्चित करें। बैठक में सचिव गोपाल सिंह, उप सचिव अशोक कुमार,मुख्य अभियंता-प्रथम अमित अग्रवाल, मुख्य अभियंता मुख्यालय टी .एस. मीना, मुख्य अभियंता प्रतीक श्रीवास्तव, वित्तीय सलाहकार रोहताश यादव , सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे।

'संस्कृत को बाहर रखना नीतिविरूद्ध'

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय ( ) के लिए जारी भर्ती अधिसूचना में संस्कृत विषय को शामिल न करने पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को पत्र लिखकर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने 19 सितम्बर 2025 को जारी अधिसूचना में संस्कृत अध्यापकों के पदों का उल्लेख न होने को अत्यंत चिंताजनक बताया। प्रो. दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी द्वारा जारी 7267 पदों की भर्ती अधिसूचना में विभिन्न भाषाओं के अध्यापकों को स्थान दिया गया है, पर संस्कृत विषय को पूरी तरह नज़रअंदाज़ किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व वर्षों में संस्कृत विषय के पद नियमित रूप से अधिसूचित होते रहे हैं। संस्कृत की उपेक्षा भारतीय ज्ञान-परम्परा और शिक्षा की जड़ों को काटने जैसा है। प्रो. दुबे ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, साहित्य, विज्ञान और ज्ञान-परंपरा की मूलाधार है। संस्कृत अध्यापक बहुभाषिक क्षमता से संपन्न होते हैं और वे हिन्दी, स्थानीय भाषाओं तथा सामान्य विषयों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली के गहन जानकार होते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकात्मता का भाव जाग्रत करने में सक्षम होते हैं। संस्कृत को भर्ती से बाहर रखना न केवल उनकी दूरदृष्टि बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के भी प्रतिकूल है। इस निर्णय से देशभर के संस्कृत शिक्षक और संस्कृत प्रेमी गहरी निराशा और आक्रोश में हैं।

पल्स पोलियो अभियान 12 अक्टूबर को

जयपुर। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की स्टेट टॉस्क फोर्स की बैठक बुधवार को मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में आगामी 12 अक्टूबर पोलियो रविवार को प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित होने वाले उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गए। मिशन निदेशक ने कहा कि सभी संबंधित विभाग पूर्ण समन्वय के साथ तैयारी करते हुए अभियान को सफल बनाएं। जन्म से 5 साल तक के बच्चों को आवश्यक रूप से पोलियो की खुराक पिलाए जाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाए एवं व्यापक आईईसी गतिविधियां की जाएं। एक भी लक्षित बच्चा पोलियो की खुराक पीने से नहीं छूटे। निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में 5 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। उन्होंने बताया प्रदेश में नियमित टीकाकरण का कुल प्रतिशत 93.5 है और विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित कर लक्षित बच्चों को आवश्यक टीके लगाए जा रहे हैं।

'बकाया रिबेट राशि नहीं मिली तो बहिष्कार करेगा खादी संघ'

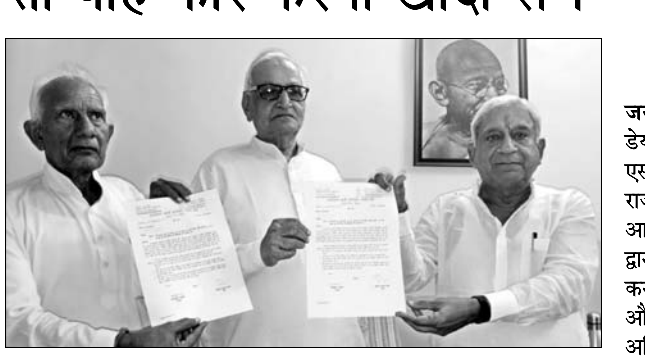

जयपुर (कासं)। राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ ने पिछले 3 वर्षों से रिबेट राशि का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जतायी है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर 2 अक्टूबर से पहले बकाया रिबेट राशि का भुगतान नहीं हुआ तो वर्ष 2025-26 की रिबेट का बहिष्कार किया जायेगा। ज्ञात रहे कि राज्य सरकार 2 अक्टूबर से 30 जनवरी 2026 तक प्रातीय खादी वस्त्रों के उत्पादन पर 35 प्रतिशत रिबेट (छूट) दी जायेगी। इस सबंध में बुधवार को राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के अध्यक्ष इंदुभूषण गाईल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सदस्यों ने कहा कि वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 की बकाया रिबेट राशि का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है, ऐसे में यह राशि तुरंत जारी की जाए। वर्ष 2024-25 की रिबेट ऑडिट होने तक संस्थाओं को 80 प्रतिशत राशि का अग्रिम भुगतान किया जाए। अगर बकाया राशि का भुगतान नहीं होता है तो 2 अक्टूबर से प्रांतीय उत्पादों पर 35 प्रतिशत छूट ग्राहकों को नहीं देंगे।

डेयरी विकास के क्षेत्र में राजस्थान स्थापित कर रहा नये आयाम : बघेल

केन्द्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने जयपुर डेयरी परिसर में जी.एस.टी. बचत उत्सव का पोस्टर जारी किया।

जयपुर। केन्द्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायतीराज राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने कहा है कि राजस्थान ने डेयरी विकास के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये है। आरसीडीएफ द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में 10 हजार करोड रूपये से अधिक का टर्नओवर और 400 करोड रु. से अधिक का लाभ अर्जित करने पर बधाई देते हुए उन्होने कहा कि आरसीडीएफ देश के सफलतम स्टेट डेयरी फैडरेशन में से एक है।

जयपुर डेयरी द्वारा लगाये गये ''जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्लान्ट'' की प्रशंसा करते हुए कहा कि, यह यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सही समय पर उठाया गया सराहनीय कदम है। बघेल जयपुर डेयरी प्लान्ट का निरीक्षण करने के बाद कहा कि यह जेडएलडी प्लान्ट देशभर की डेयरियों के लिए एक आदर्श मॉडल है।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्धाज ने केन्द्रीय डेयरी राज्यमंत्री बघेल का स्वागत करते हुए उन्हें राजस्थान में डेयरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। जयपुर डेयरी के चेयरमेन ओम प्रकाश पूनिया ने जिले के दुग्ध उत्पादकों की ओर से डेयरी राज्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें जयपुर डेयरी द्वारा चलाई जा रही मायरा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पूनिया ने बताया कि मायरा योजना के अन्तर्गत डेयरी से जुड़े प्रत्येक दुग्ध उत्पादक को अधिकतम दो बेटियों की शादी में सरस डेयरी की ओर से 21 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। बघेल ने जयपुर डेयरी की इस अनूठी पहल पर खुशी जताई।

जयपुर डेयरी के प्रबन्ध संचालक मनीष फोजदार ने बघेल को बताया कि जयपुर डेयरी ने इसी वर्ष अपनी स्थापना के 50 स्वर्णिम वर्ष पूरे किये है और जयपुर एवं दौसा जिले के लाखों दुग्ध उत्पादको के लिए एक मजबूत आर्थिक स्तम्भ के रूप मे कार्य कर रही है। उन्होने बताया कि जयपुर डेयरी सम्पूर्ण उत्तरी भारत में एक आदर्श सहकारी डेयरी का रूप ले चुकी है। इस अवसर पर केन्द्रीय डेयरी राज्यमंत्री बघेल ने जयपुर डेयरी द्वारा भारत सरकार की घोषणा के अनुरूप सरस डेयरी उत्पादों पर जीएसटी कम करने और जीएसटी पर उपभोक्ताओं को जागरूक करने से संबंधित पोस्टर का भी विमोचन किया। उन्होने कहा कि जीएसटी कम करने से उपभोक्ताओं में सरस डेयरी पर विश्वास बढ़ेगा।

फर्जी एस्कॉर्ट गैंग के 2 बदमाश दबोचे

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर लोगों से मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग के दो सदस्यों को पकड़ा है और शेष वांछित आरोपितों की तलाश की जा रही है।

डी.सी.पी. संजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर लोगों से मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग के शातिर सदस्य सुमित बसवाल निवासी सवाईमाधोपुर हाल करणी विहार और आकाश निवासी प्रताप नगर हाल करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित गूगल सर्च पर अपने विज्ञापन दर्शाने के लिए गूगल ऐड का उपयोग करते है। जिससे ग्राहक एस्कॉर्ट सर्विस जयपुर सर्च करता है, तो आरोपितों की वेबसाइट टॉप पर दिखाई देती है। आरोपित का एक गिरोह सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता है। जैसे ही कोई ग्राहक गूगल से प्राप्त नम्बरों सम्पर्क करता है तो उससे होटल की कन्फर्मेशन लेकर कुछ राशि एडवांस के तौर पर ले लेते हैं। उसके बाद गिरोह के सदस्य होटल के आस पास बिना नम्बरी कार लेकर पहुंचकर ग्राहक को बाहर बुलाते हैं तथा बंधक बनाकर लूटते हैं।

राज्य कर्मचारियों ने किया विरोध-प्रदर्शन

जल्द होगी वित्त एवं कार्मिक विभाग से वार्ता : गजेन्द्र सिंह राठौड़

बजट घोषणाओं की पूर्ति की मांग को लेकर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों ने बुधवार को एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर धरना दिया।

जयपुर। बजट घोषणाओं के पूरा नहीं होने व लंबित मांगों के अनदेखी के विरोध में प्रदेश के हजारों राज्य कर्मचारियों ने अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के आव्हान पर बुधवार को शहीद स्मारक पर धरना दिया और मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के सचिव शिखर अग्रवाल को ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसमें सभी जिलों के हजारों कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान जयपुर जिले के विभागों के कर्मचारी जुलूस के रूप में भी धरना स्थल पर पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

धरना स्थल पर सभा को संबोधित करते हुए महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने सरकार को आगाह किया कि सरकार कर्मचारियों के सब्र की परीक्षा नहीं ले और बजट घोषणाओं की शीघ्र क्रियान्विति करे साथ ही महासंघ के लंबित मांग पत्र 19 मई 2025 की न्यायोचित मांगों का भी द्विपक्षीय वार्ता के जरिए शीघ्र निराकरण करें, अन्यथा इसके गंभीर परिणाम होंगे।

राठौड़ ने कहा कि सरकार ने जो बजट घोषणाएं पूरी नहीं की है उनमें विशेष है कि प्लेसमेंट एजेंसीज के माध्यम से कार्मिकों को संविदा पर नियोजित किए जाने की व्यवस्था को चरणबद्ध रुप से समाप्त कर कार्मिक विभाग के अधीन राजकीय संस्था का गठन करना। कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स के अंतर्गत नियोजित कार्मिकों को पदोन्नित में दो वर्ष की छूट प्रदान करना। मंत्रालयिक कार्मिक, जेल प्रहरी, स्कूल व्याख्याता एवं प्रबोधक आदि कैडरों का पुनर्गठन कर उनके पदोन्नित के अवसरों में वृद्धि करना। समस्त मानदेय कर्मियों यथा मिनी आंगनबाड़ी /आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिड डे मील, कुक कम हेल्पर, लाँगरी, होमगार्ड एवं रेक्सको एवं शिशु पालन गृह कार्यकर्ताओं इत्यादि को सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त ग्रेच्युटी प्रदान करना। जनता जल योजना कर्मी, एम एन डी वाई , एम एन जे वाई, रसोईए, चौकीदारों को संविदा हायरिंग रूल्स- 2022 में शामिल करना आदि शामिल हैं।

इस धरने में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि यदि सरकार इन मांगों पर वार्ता के बाद भी गंभीर नहीं होती है तो राज्य स्तर पर उग्र आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा।

डी.आर.आई. ने जब्त किया 10 करोड़ रु.का गांजा

जयपुर। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ (गांजा) वीड तस्कर को गिरफ्तार कर उसके सूटकेस से 10 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया। जिसकी बाजार कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। डीआरआई ने तस्कर को कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट ने तस्कर को जेल भेज दिया है। पूछताछ में तस्कर से खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

डीआरआई के अनुसार मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को बैंकॉक से आई फ्लाइट में एक यात्री पर डीआरआई की टीम को शक हुआ। टीम ने उसे एयरपोर्ट पर रोका और फिर उसके सामान की जांच की। जांच के दौरान यात्री ने पहले तो खुद के पास कोई मादक पदार्थ नहीं होने की बात कही। जिसके बाद डीआरआई की टीम ने यात्री का सूटकेस चेक किया तो उसके अलग-अलग 10 पैकेट में 10 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा मिला। इस गांजे की बाजार कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

UN's Sustainable Development Goals Anniversary

September 25 marks the anniversary of the United Nations' 2030 Agenda for Sustainable Development, adopted in 2015 by all member states. The agenda introduced 17 Sustainable Development Goals (SDGs), a universal call to action to end poverty, protect the aplanet, and ensure peace and prosperity for all. This day serves as a reminder for nations to assess their progress, renew commitments, and accelerate actions toward achieving these goals. From climate action and quality education to gender equality and economic growth, the SDGs represent a shared blueprint for a more inclusive, sustainable, and resilient future for the global community.

#MAGGI

We Love Maggi!

"Hum Maggi, NAHI KHAYENGE!" It was like watching your favourite celebrity getting hate for something they did not (and at the same time kind of did) do

Maggi is one of those things that make every Indian's mouth water. It's a part of pretty much everyone's diet and the national unofficially-adopted instant noodles. If you can't decide what to eat for dinner, if routine food is starting to get boring, if you live in the mountains and are sick of canned food, or if you just want a nice snack that's quick and easy to make, Maggi is your way to go. It's a part of our culture by now.

I've known about and absolutely loved Maggi ever since I can remember. I literally had a dog named after the instant noodles. There was this one day of the week, this one day of the week (dang, I don't even remember it) when we were allowed to eat Maggi for dinner. I remember desperately waiting for that day, every other day of every week, and regularly asking my mom why we couldn't eat it every day or, say, for breakfast. Not only was Maggi my favourite food, but it was probably the only food I actually liked. I was extraordinarily fond of Maggi, because my love for it seems to be the only thing my really old friends remember me by.

Then, that fateful day came when Maggi was banned across the entire nation, on the grounds that it had an unhealthy amount of lead in it. There was this news I saw with people burning mounds of Maggi in a bonfire and making kids chant: "Hum Maggi, NAHI KHAYENGE!" (We will, NOT EAT MAGGI!). It was like watching your favourite celebrity getting hate for something they did not (and at the same time kind of did) do.

I'm not gonna talk about if the claims it was banned on were right, but those were some dark days. Of course, we tried replacing it with other instant noodles, like Yippie or Top Ramen. I'll be honest

here, the substitutes were equally great, sometimes even yummier, than Maggi, but it's just... not the same. In conclusion, the whole 'Maggi dinner one day a week' rule gradually dissolved. We just left Maggi and Maggi alts out of our weekly diet altogether during the NoMag Era.

When the product was remade, re-tested and finally reintroduced to the market, I was hyped. The only thing I remotely feared was whether or not its taste had changed. And at least according to what I remembered at that time, it hadn't. Therefore, Maggi once again became a normal part of our life. We still buy it every month and eat Maggi every Wednesday. Nothing has changed from when I was four, apart from the number of packets we devour. We even made Maggi 'cupcakes,' by putting Maggi in little cups, waiting for it to solidify and then turning it out. That's a very fond Maggi memory I have.

So, despite the tough times it has had to go through, Maggi is still going strong. Some people are still understandably untrustworthy of it, but for most of us, Maggi is back and we still love our adopted instant noodles. It shall remain in our hearts for a long time to come.

Throwing Up The Sleepy Bomb And Gold And A Future For Living

The Bisalpur Lake is being silted up at the rate of around 21MM per year. Every year, we rejoice that the Bisalpur Lake is filled to the top and water is overflowing. The fact is that with each passing year, its capacity to hold water is getting reduced, even though it is full to the brim. If we do not start regular dredging and desilting operations in Bisalpur, then in a few decades, its water storage capacity will be drastically reduced. While the Green Tribunal and Supreme court have banned the illegal sand mining in the lake, the Rajasthan Government must take action for legal dredging and de-silting operations not only in Bisalpur but also in all the water bodies that supply drinking water to our parched state.

Commander Madan Lal Sharma *(Retd)*
Indian Navy, under the guidance of Chief of Naval staff, Madhvendra Singh

The is celebrated each year on the fourth Thursday of September, as decided by the International Maritime Organisation (IMO) to which 176 countries are signatories. This year, it will be celebrated on 25 Sep and the theme for the year is "OUR OCEAN, OUR OBLIGATION, OUR OPPORTUNITY." The theme highlights the essential role the ocean plays in sustaining life, livelihoods and the global economy. The Ocean provides much of the oxygen we breathe, feeds millions of people, regulates the climate and enables more than 80% of global trade through maritime transport. For India, the oceans are vital. They not only enable worldwide trade but more important, give us our monsoon rains, without which we would die of hunger due to famines or die of thirst due to shortage of water.

As the largest sector operating in the ocean space, the shipping industry plays a crucial role in facilitating global commerce and Maritime Enforcement and Protection organisations like the Indian Navy and Coast Guard keep the shipping lanes safe and unpolluted. Any disruption in shipping routes adversely affects both energy and food security of nations as oil, coal and bulk food supplies are transported by sea.

Modern India's maritime journey with large mechanized ships began on 5 April 1919 when 'S.S. Loyalty,' a steam-propelled vessel of the Scindia Steam Navigation Company Ltd., set sail from Mumbai to London, marking modern India's entry into global maritime trade. Over a century later, it is a reminder of the critical role shipping plays in the global, as well as the Indian, economy. To keep pace with the demands of global commerce, the Indian merchant fleet has since then grown to about 1500 vessels, of which around 490 are large foreign going vessels engaged in overseas trade.

Why Maritime Transport Matters

More than 80% of global trade by volume is carried by maritime transport which continues to be the backbone of international commerce. These goods have to be loaded and unloaded in ports. But what keeps these ports open, particularly as ships grow larger and port infrastructure ages? The answer lies in a little-known, but indispensable, activity called dredging.

Dredging : Creating Safe Paths beneath the Water

Dredging is the process of removing sediment and debris from the sea or river bed to ensure that ships can safely enter and exit ports. With time, natural processes like siltation cause sediment to accumulate, reducing water depth in crucial channels.

Older ports were often built where natural depths sufficed for vessels of their time. However, with the advent of larger cargo ships, deeper approaches and berths became essential. Ports like Mumbai, Kolkata, and Kochi, now require frequent dredging to maintain navigability, while newer ports like JNPT, Ennore (Tamil Nadu), Vizhinjam (Kerala), and the upcoming Wadhawan Port (Maharashtra) benefit from naturally deeper waters, needing only maintenance dredging. Dredgers are used for:-

- Deepening ports and harbours so that bigger ships can enter.
- Keeping river mouths open for navigation.
- Creating new land from the sea.
- Restoring beaches after erosion.

India had launched an ambitious 'Sethu Samudram' dredging project (similar to Suez Canal), to connect Palk Straits on Eastern coast with Gulf of Mannar on the western coast of the Southern tip of Indian mainland. This would have reduced the distance between East and West coast ports by between 250 to 450 miles, but this project was shelved due to various reasons.

Types of Dredgers

Depending on a variety of factors such as the depth of water, nature of the bottom soil, area to be dredged, where the dredged material is to be dumped etc., there are different types of dredgers that can be used, such as Mechanical dredgers, bucket dredgers, cutter suction dredgers, trailer Hopper Suction dredgers etc. Since I was the Captain of the last one, I will describe, for the layman, how it works.

Trailer Hopper Suction Dredger. This is a special type of ship that sucks up sand, mud, silt, or gravel from the bottom of the sea, river, or harbour to make the water deeper for ships to pass safely. The dredger looks like a regular cargo ship, but instead of carrying goods, it carries the material it digs up (from underwater) in a big 'hopper' (a large storage tank inside the ship). There are 'Vacuum Cleaner type' (dredging) pipes on each side of the ship. These are long pipes with a special nozzle at the end. This nozzle is lowered to the seabed while the ship slowly moves along.

"Vacuum Cleaning" the Seabed. Powerful dredging pumps on the ship suck up a mixture of water and sand/mud through the pipe. This mixture flows into the hopper. The sand and mud, being heavier, settle at the bottom, and extra water drains out through the top. All these activities are monitored through modern electronic systems and provide real-time data on the Dredging consoles.

Carrying Away the Material. Once the hopper is full, the ship sails to a disposal site, which could be out at sea, onshore for land reclamation, or at a construction site and empties its load.

How the Hopper Empties. The dredger has two main ways of emptying the dredged material: Bottom doors in the ship open so that the material falls straight down into the sea. Or it can pump the dredged material ashore through long pipelines for projects like making new beaches, reclaiming land, or building artificial islands.

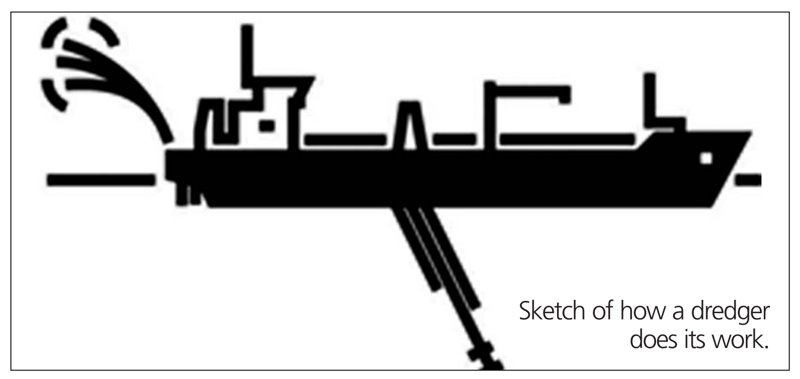

Sketch of how a dredger does its work.

#DREDGING

The Author briefing project officials about progress of dredging.

The Palm Jumeirah in Dubai - built with Dredged Material.

Dredging and Hydrography: Twin Pillars of Port

Dredging is deeply interlinked with hydrography (the science of surveying and charting water bodies) about which I wrote in the Arbit issue 04 Dec 2024. Every dredging operation begins with a pre-dredging survey to assess the required depth. Monitoring surveys are conducted during operations to track progress, and final surveys confirm whether desired depths have been achieved, impacting both ship safety and contractor payments.

Dredging and Inland Waterways: A New Era for India

India's vast network of rivers offers immense potential for inland dredging. With the declaration of over 110 National Waterways, including the 1,620 km stretch from Prayagraj to Haldia (NW-1), the role of dredging has expanded inland. Regrettably, Rajasthan is not doing enough to capitalise on the potential of inland waterways in rivers such as the Chambal. These waterways promise cost-effective cargo transport, improved connectivity, and will boost tourism, opening a new frontier for India's 'inland maritime' sector.

The 'Sleepy Bomb' at Marmugao Port

I recall a dramatic incident at Marmugao Port, Goa, where a dredger undergoing dry-dock repairs was rocked by a massive explosion. The blast was so powerful that it rattled buildings and homes in the vicinity of the port. One of the workers in the area suffered grievous injuries.

An investigation by naval explosive experts revealed the cause, an unexploded bomb dating back to the Second World War. Further inspection uncovered a second bomb lodged inside the dredger's pipeline. The dredger's records indicated that it had previously been deployed on a dredging project inside a naval harbour. Experts believe that the suction during dredging operations in shallow waters likely drew in the bomb from the seabed. Such objects usually pass unnoticed through the pumps and into the hopper, where they are later dumped with dredged material. In this rare case, however, the bomb had remained lodged within the dredging pipeline, until the explosion.

Gold Dredged in Bombay harbour. Then, there is the interesting tale of Gold bars being brought up by dredgers in Bombay in 2011. Apparently, these were scattered all over Bombay when the SS Fort Stikine exploded while docked in Victoria Dock on 14 April 1944. She was carrying a large cargo of explosives, cotton and 31 crates of gold bullion worth around a million GBP in 1944. Perhaps, there might be a few gold bars still lying around in the un-dredged portions of Mumbai harbour!

Turning Waste into Resource: Reusing Dredged Material

Modern dredging doesn't just deepen waterways; it unlocks new land. Millions of tons of dredged material (sand, silt, gravel, and clay) are now being reused for land reclamation, road construction, and beach nourishment. In several coastal infrastructure projects, especially in the UAE, dredged material has been used to build entire artificial islands like the Palm Jumeirah in Dubai, which is amongst the most expensive real estate in the world.

Some countries even use such islands for strategic military outposts, such as the Fiery Cross Reef and Subi Reef in the South China Sea, allegedly to support their claims of extended maritime boundaries by asserting sovereignty over new artificially created 'land.'

Flooding Emergency in Haldia Channel

In another incident, a relatively new dredger (where, I was the Captain), operating in the Haldia channel, faced a sudden mechanical failure that could have ended in disaster. During active dredging, the 800-mm diameter pipeline on the vessel's portside gave way inside the pump room (a very large machinery space in the forward section of the ship). Within moments, the pump room was flooded with dredged material. "It happened so quickly that there was hardly any time to react. Many critical machinery and equipment got submerged. One of the ship's main engines also became non-operational, adding to the crisis. With the vessel still in the busy navigation channel we, with the help of Port pilot onboard, carefully manoeuvred the dredger out from Navigational channel to anchor in a safe position."

Supporting National Port Initiatives

India's ambitious port-led development programs, 'Sagarmala' and 'Bharatmala,' aim to transform port infrastructure, improve hinterland connectivity, and foster coastal shipping. Dredging is central to their success. Whether it is capital or maintenance dredging for new ports or for older ones, this often-overlooked operation ensures that India's ports remain globally competitive.

Silent Hazards of the Deep: Explosives and Emergencies on Board Dredgers

Life at sea often conjures images of sunsets and calm waters, but for those working on dredgers, danger can come from unexpected places, sometimes from the seabed itself. Two separate incidents, one in Goa and another in Haldia, highlight the hidden perils faced by dredging crews.

A Constant Battle Beneath the Waves

These incidents serve as reminders that dredging is more than just moving silt; it is a constant battle against hidden dangers, from wartime relics resting on the seabed to sudden equipment failures. As India's ports expand and deepen, the men and women aboard dredgers face risks few outside the maritime industry ever see, to ensure that shipping lanes remain safe and navigable.

Honouring Our Maritime Heritage and Looking Forward

On this World Maritime Day, it is important to not only look at the glamour of international shipping but also recognise the engineering grit beneath the surface. Dredging vessels, Hydrographers, and port engineers together form the silent workforce, keeping India's maritime arteries open. As India pushes forward with new port projects and expands its inland waterways, dredging will remain a cornerstone of coastal and inland economic development, powering trade, protecting infrastructure, and unlocking new opportunities beneath the waves.

Lessons for Rajasthan

Unfortunately, no one in positions of power in Rajasthan appears to realise how important 'Dredging' is for our thirsty state. In days gone by, our forefathers stored water in 'Baoris' (stepwells) so that after the monsoons are over, we have enough water for the rest of the year. These 'Baoris' should be kept clean and their sludge and sediment removed from the bottom during the dry season, so that when the rains arrives, the baori could store enough water for the next year. This was done by each village / community as they had a sense of community and civic sense. Because our forefathers had civic sense, in spite of very harsh conditions, they had enough water to survive.

In modern times, we started building dams and canals and water pipes to distribute the water. The responsibility shifted from the community to the government. It appears that the Government does not fully realise the importance of regular maintenance dredging of water bodies. Therefore, we have lakes like Ramgarh Lake drying up. Readers will recall that this lake supplied water to the city of Jaipur for almost a century, and as late as 1982, we hosted the Asian Games Rowing Championships in Ramgarh. While much blame is being directed towards encroachers, the fact is that while encroachers may be the primary cause of Ramgarh silting up, the secondary cause is the fact that it was never methodically dredged and de-silted. Therefore, with each passing year, the water area receded, and more and more land along its shores became available for unlawful occupation. If the lake had been regularly dredged, the area under water (i.e. the spread of the water) would be such that encroachments around the periphery of the lake would

have been reduced. A Study carried out between 2007 and 2017 concluded that the Bisalpur Lake is being silted up at the rate of around 21MM per year. Every year, we rejoice that the Bisalpur Lake is filled to the top and water is overflowing. The fact is that with each passing year, its capacity to hold water is getting reduced, even though it is full to the brim.

If we do not start regular dredging and desilting operations in Bisalpur, then in a few decades, its water storage capacity will be drastically reduced. While the Green Tribunal and Supreme court have banned the illegal sand mining in the lake, the Rajasthan Government must take action for legal dredging and de-silting operations not only in Bisalpur but also in all the water bodies that supply drinking water to our parched state. If we do not take action now, there will be many more Ramgarhs in the future. Imaginative dredging can not only protect the environment but also create new land areas and even resorts/ new townships along water bodies.

Unlike many other states which are fortunate to have rivers, Rajasthan has always depended on storage of water in reservoirs. These must be regularly dredged. Therefore, there is a very strong case for the Government of Rajasthan to:-

(A) Either have its own mini dredging Fleet and an organisation like the 'Jammu-Kashmir Lake Conservation and Management Authority (JKLCMA),' which is undertaking dredging in Dal lake and other water bodies in J&K.

Or

(B) have a long term contract with the Dredging Corporation of India to dredge and de-silt our water bodies on a regular basis.

PHED and the Government of Rajasthan should take immediate action, otherwise many of our water bodies will dry up, like Ramgarh did.

rajeshsharma1049@gmail.com

A Dredger creating an island from dredged material.

THE WALL

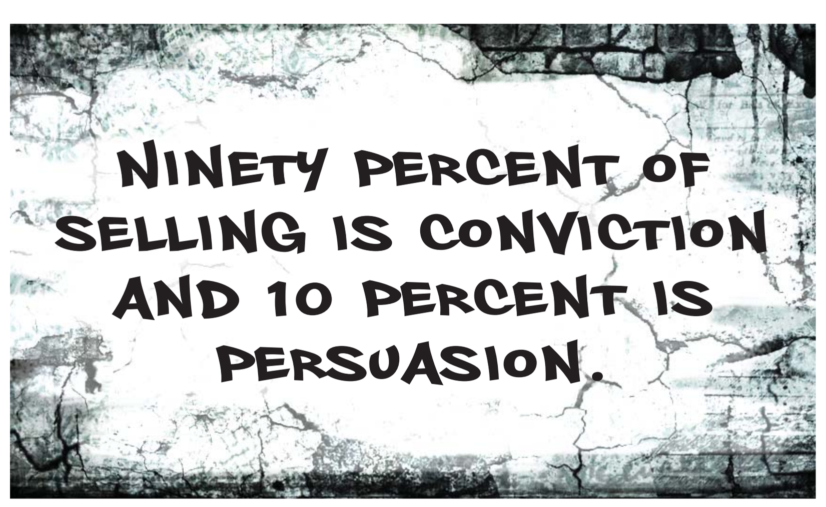

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

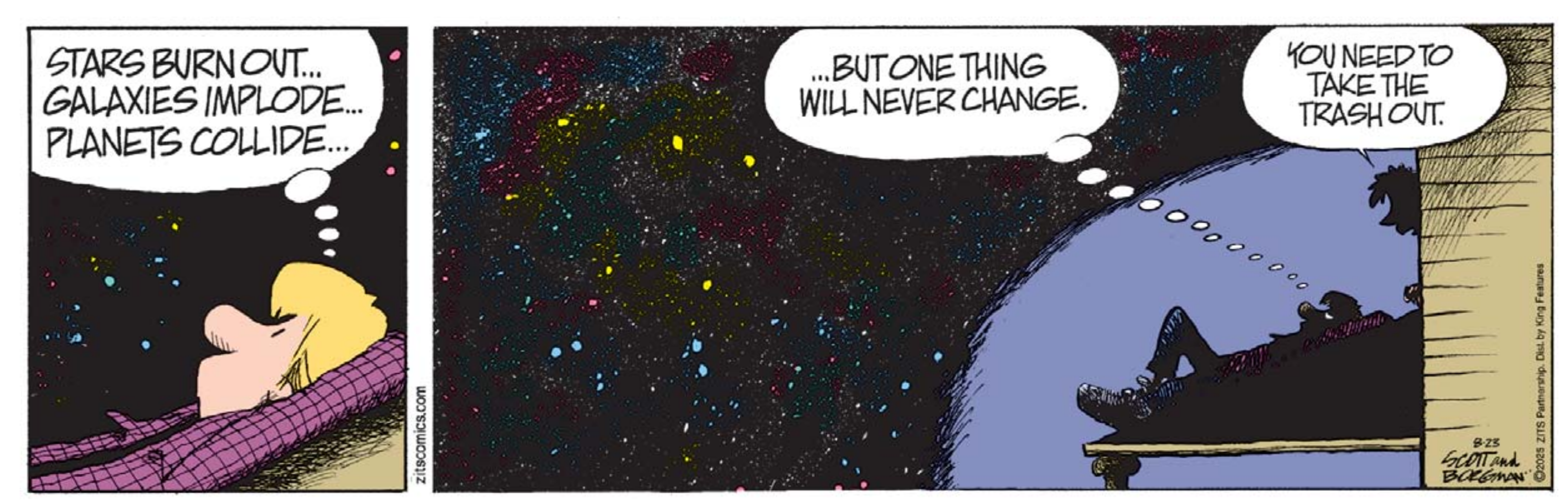

रायथल के निजी अस्पताल में प्रसूता व शिशु की मौत मामले में अस्पताल सीज़

चिकित्सा विभाग ने कालाडेरा थाने में संचालक व चिकित्सक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई

जयपुर, (निसं)। रायथल के निजी अस्पताल की लापरवाही के कारण प्रसूता एवं गर्भस्थ शिशु की मौत मामले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई करते हुए कालाडेरा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है एवं अस्पताल को सीज़ कर दिया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मामला संज्ञान में आते ही गहन जांच करने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विभाग द्वारा जांच कमेटी गठित कर संपूर्ण तथ्यात्मक जानकारी एकत्र की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर सुनीता महिला एवं जनरल हॉस्पिटल, रायथल को सीज करने के साथ ही संचालक सुरेश कुमार एवं चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि मृतका मोनिका कंवर (25) पत्नी दीपक सिंह मूल निवासी बड़ी खाटू (जिला नागौर) थीं। उनका पीहर ग्राम रोजदा, खंड जालसू (जयपुर) में है। मोनिका पिछले दो माह से यहीं रह रही थी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मामले में निजी अस्पताल में जांच की।

- **हालत बिगड़ने पर प्रसुता को अगले दिन चौमूं के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया**

20 सितम्बर की रात को प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें रायथल स्थित सुनीता महिला एवं जनरल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहाँ परिजनों के अनुसार प्रसव संबंधी उपचार दिया गया। हालत बिगड़ने पर अगले दिन चौमूं के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने इस संबंध में थाना कालाडेरा को शिकायत दर्ज कराई। इस पर अप्राकृतिक मृत्यु का प्रकरण दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक, जयपुर के निर्देश पर मेडिकल बोर्ड गठित कर उप जिला चिकित्सालय चौमू में पोस्टमार्टम करवाया गया। विभागीय टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में अस्पताल में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के दौरान एक महिला चिकित्सक मिली। अस्पताल प्रशासन, स्टाफ एवं पंजीकरण संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई। सोनोग्राफी मशीन में अनियमितता पाए जाने पर उसे तत्काल सीज़ कर दिया गया। साथ ही उपखंड अधिकारी द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल को भी सीज़ कर दिया गया है।

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने कहा है कि प्रकरण में निष्पक्ष जांच, दस्तावेज़ सत्यापन एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बीकानेर से दिल्ली कैंट वंदेभारत ट्रेन की ऑनलाइन बुकिंग शुरू

ट्रेन का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बांसवाड़ा से करेंगे

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर से दिल्ली कैंट तक वंदेभारत ट्रेन की ऑनलाइन बुकिंग बुधवार सुबह से शुरू हो गई है। आईआरसीटीसी के जरिए इस ट्रेन में यात्रा के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। वहीं रेलवे ने किराया लिस्ट भी जारी कर दी है। इसमें सामान्य चेयर कार के लिए दिल्ली कैंट तक के 1125 रुपए देने होंगे। वहीं एक्जीक्यूटिव चेयर के लिए 2140 रुपए किराया होगा। इस ट्रेन का वर्चुअल उद्घाटन पीएम मोदी गुरुवार को बांसवाड़ा से करेंगे। इसे लेकर बीकानेर रेलवे स्टेशन पर भी एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बीकानेर से दिल्ली कैंट वंदेभारत ट्रेन की शुरुआत 28 सितंबर से होगी। बीकानेर से ये ट्रेन सुबह 5:40 पर बीकानेर से रवाना होकर दोपहर 11.55 बजे दिल्ली केंट स्टेशन पर पहुंचेगी, जबकि दिल्ली कैंट से ये ट्रेन शाम 16:45 पर रवाना होकर रात 23:05 पर बीकानेर पहुंचेगी। बीकानेर से दिल्ली कैंट के लिए इस ट्रेन में सामान्य कार चेयर की चार सौ सीट्स उपलब्ध है। वहीं एक्जीक्यूटिव चेयर की संख्या महज 40 है। बीकानेर से दिल्ली जाने के लिए रात दस बजकर बीस मिनट पर दिल्ली-बीकानेर एक्सप्रेस रेल है। इसमें स्लीपर का किराया 310 रुपए, थर्ड एसी का 800 रुपए, सेकंड एसी का 1110 रुपए और फर्स्ट एसी का 1850 रुपए है। वंदेभारत में एक्जीक्यूटिव का किराया फर्स्ट एसी से भी ज्यादा है। किराया ज्यादा होने का एक कारण इसका प्रीमियम रेल होना है, वहीं चाय-नाश्ता भी इसमें उपलब्ध कराया जाएगा। बीकानेर से यह ट्रेन केसरिया की बजाय सफेद रंग में दौड़ेगी। बीकानेर की केसरिया वंदेभारत को अब जोधपुर भेज दिया गया है, जबकि जोधपुर से सफेद रैक बीकानेर भेजी गई है।

घूसखोर दो इंजीनियरों को 50 हजार रु. लेते दबोचा

एसीबी ने दो घूसखोर इंजीनियरों को पकड़ा।

भीलवाड़ा, (निसं)। भ्रष्टाचारियों पर एसीबी का शिकंजा कसता जा रहा है। बुधवार को एसीबी ने दो घूसखोर इंजीनियरों को 50 हजार रुपए लेते दबोचने में सफलता हासिल की है।

जानकारी के अनुसार परिवादी सुवालाल ठेकेदार है, जिसने समसा (समग्र शिक्षा अभियान) के लिए निर्माण कार्य किया था। इसके बिल पास करने के लिए सहायक अभियंता राजकुमार मूंदड़ा, कनिष्ट अभियंता भारत भूषण रिश्वत का दबाव बना रहे थे। परिवाद सुवालाल ने आखिरकार एसीबी में इसकी शिकायत कर दी। इसके चलते बुधवार को भीलवाड़ा एसीबी ने सुवालाल को शास्त्री नगर स्थित समसा के ऑफिस में परिवादी को रुपए लेकर भेजा। मूंदड़ा और भूषण की ओर से रिश्वत लेते ही एसीबी ने धरदबोचा। इस तरह से घूसखोर इंजीनियरों का भंडाफोड़ हो गया। एसीबी गहनता से जांच कर रही है।

ढाणा गांव के खेतों के पास सैकड़ों मृत पक्षी मिले

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत चैनपुरा छोटा के ढाणा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब बुधवार सुबह ग्रामीणों ने खेतों के पास सैकड़ों मृत पक्षी देखे।

गांव के हेमंत शर्मा और चंदन पूनिया ने बताया कि गांव का गंदा पानी एक नाले के जरिए बाहर खेतों की ओर निकलता है। ग्रामीणों को आशंका है कि मंगलवार रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने इस नाले में जहर मिला दिया, जिससे यह घटना हुई। बुधवार सुबह जब लोग खेतों की ओर गए तो नाले के पास और आस-पास की जमीन पर दर्जनों पक्षी मृत अवस्था में मिले, वहीं कई पक्षी अजीब और बीमार जैसी हरकतें करते नजर आए। मृत पक्षियों में मोर (मोडी), तीतर, बटेर, कौआ, चिडिया, टिटहरी सहित कई प्रजातियां शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह जहरीला पानी पीने से ही इन पक्षियों की मौत हुई है। कुछ पक्षी अभी भी बीमार अवस्था में जमीन पर पडे हैं, जिनमें तडपने के लक्षण देखे जा रहे हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और वे इस घटना की जांच एवं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। प्रशासन से अपील की गई है कि पानी के सैंपल लेकर जांच की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

- **ग्रामीणों का कहना है कि गंदा पानी के नाले का जहरीला पानी पीने से पक्षियों की मौत हुई है**
- **मृत पक्षियों में मोर (मोडी), तीतर, बटेर, कौआ, चिडिया, टिटहरी सहित कई प्रजातियां शामिल हैं**

सादुलपुर क्षेत्र के ढाणा गांव में खेतों के पास पड़े मृत पक्षी।

एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का हंगामा

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में सिंडिकेट की बैठक से पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने स्टूडेंट की कॉपी जांच, डिग्री समय पर नहीं मिलने और स्टूडेंट के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन का रवैया सही नहीं रहने को लेकर सवाल उठाए। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने कुलगुरु अजीत कुमार कर्नाटक को कहा कि वह तीन महीने बाद विश्वविद्यालय में आए हैं, इसलिए उन्हें यहां की समस्याओं की जानकारी नहीं है। वह विश्वविद्यालय के सभी कैंपस का दौरा कर समस्याएं जाने तो हकीकत पता चलेगी। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं के हंगामा के बाद कुलगुरु अजीत कुमार कर्नाटक ने कार्रवाई का आश्वासन दिया तो कार्यकर्ता तुरंत ऑर्डर जारी करने की मांग अड़ गए। इसके बाद नवनियुक्त रजिस्ट्रार को चार्ज दिलाकर परीक्षा गोपनीय शाखा में लगे असिस्टेंट रजिस्ट्रार राजेश सांखला और परीक्षा शाखा में लगी असिस्टेंट रजिस्ट्रार संतोष आसेरी को तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया गया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बाहर निकलते ही एनएसयूआई के कार्यकर्ता प्रदर्शन करने वाइस चांसलर के कार्यालय पहुंच गए। इस दौरान वाइस चांसलर दूसरे कमरे में सिंडिकेट मेंबर्स के साथ बैठे हुए थे। कार्यकर्ता वहां जाने पर अड़ गए तो उनकी पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई।

कानों में इयर फोन लगा रखी महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। दो लापरवाही के चलते एक इंसानी जिंदगी खत्म हो गई। एक महिला बायोस्कोप के सामने रेलवे लाइन को पार करते हुए ट्रेन की चपेट में आ गई। इसके चलते मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे लोगों ने इसकी पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई की। मृतक महिला का नाम पटरी पार मालोला चौराहा क्षेत्र निवासी मंजू बताया जा रहा है। घटना के दिन किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पटरी पार कर रही थी। इस दौरान उसने कानों में इयर फोन लगा रखे थे। वहीं, अंडरपास में पानी भरा होने के कारण मंजू सीधे पटरी को क्रॉस करने लगी। इस दौरान गुजर रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

स्थानीय लोगों में इस बात का आक्रोश बना हुआ है कि जब नगर निगम में इतनी बार सूचित करने के बावजूद अंडरपास को खाली नहीं कराते हैं। इस कारण पैदल जाने वाले खतरा मोल लेते हुए लोगों को ट्रेन की पटरी सीधे पार करनी पड़ती है, लेकिन नगर निगम वालों की इस बात की चिंता नहीं है।

जंगल में मिले नवजात की हालत स्थिर

भीलवाड़ा, (निसं)। बिजौलिया के सीता माता कुंड के जंगलों में मिले मासूम की हालत स्थिर है। अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर उसकी देखरेख में लगे हैं। बाल कल्याण समिति ने भी रिपोर्ट ली है। इधर बिजौलिया पुलिस का दावा है कि आरोपी महिला जिसने अपने नवजात के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी, उसे जल्द गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस के हाथ कुछ अहम सबूत लगे हैं जिसके जरिए कलयुगी मां तक जल्द पहुंच सकती है। बताया जा रहा है कि ये घटना किसी कुंवारी महिला ने ही अंजाम दी है और अवैध संबंधों की वजह से नवजात को मारने के मकसद से जंगल में फेंका गया है, क्योंकि वह लड़की नहीं होकर लड़का है।

नामी घी कंपनी के नाम से फर्जी लेबल के कट्टे जोधपुर भेजे

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक नामी घी कंपनी के नाम से फर्जी लेबल के कट्टे अहमदाबाद से जोधपुर पहुंचे। लेबल फर्जी प्रतीत होने पर कंपनी के ऑफिसर की तरफ से महामंदिर थाने में इस बाबत अज्ञात शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। तीन कट्टे लेबल भेजे गए हैं। एक कट्टे में हजार लेबल बताए जाते हैं। पुलिस ने कॉपीराइट में केस दर्ज किया है।

एएसआई मेहराज राम ने बातया कि चांदणा भाखर निवासी चंद्रप्रकाश की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि वह एक नामी घी कंपनी में मार्केटिंग इंटेलीजेंस में ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। दो दिन पहले मानजी का हत्था स्थित एक कार्गो कंपनी पर पार्सल पहुंचा था। पार्सल तीन कट्टों के रूप में थे, जिसमें उसकी नामी घी कंपनी के लेबल भरे हुए थे, जोकि प्रथमदृष्टया फर्जी प्रतीत हुए हैं। एक कट्टे में हजार लेबल भरे हैं। यह लेबल उसकी कंपनी के नहीं है। एएसआई मेहराज राम ने बताया कि पार्सल अहमदाबाद से आना पता लगा है, मगर वह किसको कब कहां देना है इसका उल्लेख नहीं है, केवल एक नाम लिखा है। फिलहाल कॉपीराइट में केस दर्ज किया गया है। पड़ताल की जा रही है।

- **एक कट्टे में हजार लेबल बताए जा रहे हैं, पुलिस ने कॉपीराइट में केस दर्ज किया**

पिंकी सैनी ऑनर किलिंग प्रकरण में पिता को बरी किया

दौसा, (निसं)। अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश रविकांत सोनी ने शहर के बहुचर्चित ऑनर किलिंग पिंकी सैनी हत्याकांड में हत्या के आरोपित पिता शंकरलाल सैनी को बरी कर दिया है।

आरोपित के अधिवक्ता रमेश सैनी ने बताया कि महिला थाना दौसा तत्कालीन एएसआई पुखराज मीणा ने कोतवाली पुलिस थाना दौसा में एक रिपोर्ट दर्ज कराई कि 3 मार्च 2021 को वह महिला थाना दौसा पर 24 घंटे की ड्यूटी अधिकारी के रुप में कार्यरत था, मध्यरात्रि करीब तीन बजे मुकदमा नंबर 42/21 की अपहर्ता पिंकी सैनी निवासी राजेश पायलट स्टेडियम के पिछे रामकुंड की ढाणी दौसा का पिता शंकर लाल सैनी थाने पर आया और बताया कि मेरी पुत्री पिंकी सैनी को 1 मार्च 2021 को रोशन लाल महावर निवासी गौशाला के सामने, झालरा का बास दौसा के मकान से जबरदस्ती ले गया था। फिर 3 मार्च को रात्रि 10-11 बजे पुत्री को रोशन लाल महावर के साथ नहीं जाने के लिए बहुत समझाया, पर वह नहीं मानी। उसकी मार पिटाई की फिर भी वह नहीं मानी तो उसका गला दबाकर मार दिया। इस रिपोर्ट पर पुलिस थाना कोतवाली ने मुकदमा दर्ज कर, पिंकी सैनी के पिता शंकर लाल सैनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में 302 आईपीसी में चालान पेश किया।

बुधवार को न्यायालय ने शंकरलाल सैनी को अपनी पुत्री पिंकी सैनी के हत्या के आरोप से बरी कर दिया। अधिवक्ता रमेश सैनी ने बताया कि शंकर लाल सैनी ने अपनी दो पुत्रियों की शादी 16 फरवरी 2021 को लालसोट में की थी, 21 फरवरी 2021 सुबह 10 बजे करीब पिंकी सैनी अपने मकान के बाहर हैंडपंप पर पानी लेने आई थी, तब ही अचानक रोशन लाल महावर पुत्र रामजीलाल महावर व उसके तीन चार साथी दो मोटरसाइकिल पर आए और शंकर लाल की पुत्री पिंकी का अपहरण कर ले गए, जिसकी रिपोर्ट 22 फरवरी 2021 को पिंकी सैनी के परिवारजनों द्वारा महिला थाना दौसा में दर्ज कराई थी। उस रिपोर्ट पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि रोशन महावर की एक झूठी रिपोर्ट 1 मार्च 2021 को यह कहते हुए दर्ज की, कि पिंकी और रोशनलाल महावर लिव-इन में रह रहे और वो अपने घर दौसा आए थे तो पिंकी के घरवाले करीब पचास साठ जने रोशन लाल व उसकी मां बुद्धि देवी के साथ मारपीट कर पिंकी को उठा ले गए। उन्होंने बताया कि पिंकी 3 मार्च 2021 की रात्रि 10-11 बजे रोशन लाल महावर व उनके साथियों के चंगुल से छूटकर अपने घर रामकुंड की ढाणी दौसा पर आई और घरवालों को बताया कि रोशन लाल महावर और उसके साथियों ने उसका अपहरण कर उसको गुप्त स्थान पर रखा और सभी ने मिलकर कई दिनों तक उसके साथ गलत काम किया है, जिसके कारण पिंकी सैनी ने अपने आप को कमरे में बंद कर फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि पिंकी सैनी का अपहरण रोशन लाल महावर व उसके साथियों द्वारा किए जाने पर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया जाता व पिंकी सैनी को पुलिस द्वारा बरामद कर लिया जाता तो पिंकी सैनी की मृत्यु नहीं होती।

सांवलिया सेठ के भंडार से तीसरे चरण में 1.65 करोड़ रु. निकले

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 20 सितंबर को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती बुधवार को तीसरे चरण में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में हुई। भंडार के तीसरे चरण से 1 करोड़ 65 लाख 70 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पहले दो चरण में 16 करोड़ 95 लाख 50 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे। इन तीनों को मिलाकर भंडार से अबतक 18 करोड़ 31 लाख 20 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशनलाल अहीर, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा व मंदिर प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, बालभोग प्रभारी भैरूलाल गुर्जर, सहायक सुरक्षा प्रभारी बिहारी लाल गुर्जर, स्टोर प्रभारी मनोहर चौबीसा, दीपक तिवारी, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर व बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

भंडार गिनती में उपस्थित मंदिर अध्यक्ष वैष्णव एवं पदाधिकारी।

संस्था प्रधान के तबादले का विरोध, विद्यार्थी और ग्रामीणों ने स्कूल में तालाबंदी की

सादुलपुर, (निसं)। पीएमश्री शहीद हरि सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हमीरवास में संस्था प्रधान का तबादला होने के कारण बुधवार को विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने स्कूल को तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार विद्यार्थियों की मांग को ग्रामीणों ने भी समर्थन दिया। वहीं सुबह-सुबह स्कूल आते ही विद्यार्थियों ने विद्यालय को तालाबंदी कर दी तथा संस्था प्रधान के तबादलों को निरस्त करने की मांग को लेकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। थोड़ी देर बाद ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए तथा मांग को जायज बताते हुए कहा कि जब तक संस्था प्रधान का तबादला निरस्त नहीं होगा तो धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। मामले में ग्रामसभा एवं स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, एसडीएमसी सदस्य, ग्रामीण, छात्र-छात्राएँ एवं उनके अभिभावक पीएमश्री शहीद हरि सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हमीरवास के प्रधानाचार्य नरेश कुमार विशु का हाल ही में किया गया तबादला तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि नरेश कुमार विशु एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ एवं दूरदर्शी प्रधानाचार्य हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय की छात्र संख्या बढ़कर वर्तमान में 307 विद्यार्थियों तक पहुँच चुकी है। विद्यालय में शिक्षा का स्तर लगातार बेहतर हुआ है और विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व खेलकूद गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानाचार्य के तबादले के विरोध में ग्रामीण और विद्यार्थियों ने कहा कि यदि प्रधानाचार्य की पुनः नियुक्ति हमीरवास विद्यालय में नहीं की गई तो वे पढ़ाई का बहिष्कार करने को मजबूर होंगे। वहीं अभिभावकों और ग्रामीणों ने भी छात्रों का पूरा समर्थन किया और चेतावनी दी कि जब तक तबादला निरस्त नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

- **नारेबाजी कर विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया, मांग पूरी नहीं होने तक धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी**

पीएमश्री शहीद हरि सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हमीरवास में संस्था प्रधान का तबादला होने पर विद्यालय की तालाबंदी कर विद्यार्थी व ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

अवैध खनन के दौड़ते डम्पर ने एक ही परिवार के चार लोगों की जान ली

हादसे के तुरंत बाद ग्रामीण उग्र हो गए और रोड जाम कर दिया

अलवर, (निसं)। अलवर के प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र के झिरी गांव में अवैध खनन कि दौड़ते एक डंपर ने एक परिवार के पांच लोगों को कुचल दिया, जिनमें एक पांच साल का बच्चा भी शामिल है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीण उग्र हो गए और रोड जाम कर दिया, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ग्रामीणों ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि लगातार पुलिस को इन अवैध खनन के डंपर को बंद करने की मांग की गई थी, लेकिन मोटी मंथली के चलते पुलिस ने इन पर कार्यवाही नहीं की, आज इसी का नतीजा है कि चार लोगों की मौत हो गई। फिलहाल मौके पर हालात तनावपूर्ण हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं जाम के बीच

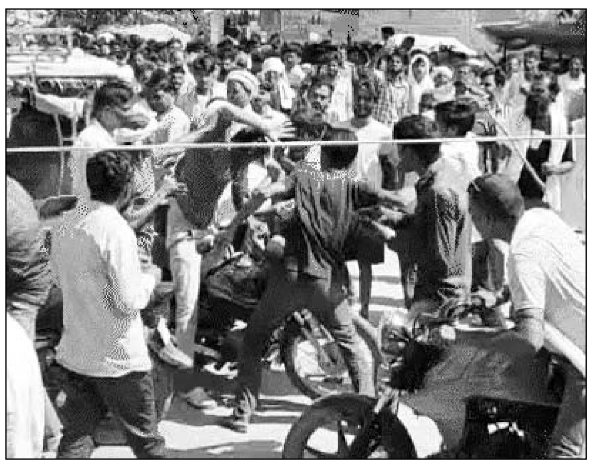

जाम लगा रहे लोगों ने राहगीर से मारपीट कर दी।

से जबरदस्ती निकलने वाले लोगों से प्रदर्शनकारियों की कहासुनी भी हो गई। इस दौरान भीड़ ने एक राहगीर को जमकर पीट दिया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे की है। डंपर प्रतापगढ़ से झिरी की तरफ जा रहा था। बाइक सवार झिरी की ओर से प्रतापगढ़ की ओर आ रहे थे। बाइक

- ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन अवैध रूप से खनन माफियाओं के डंपरों को नहीं रोक पाया
- बाइक सवार चारों लोग थानागाजी के में जोड़ गांव के रहने वाले थे

सवार चारों लोग थानागाजी के में जोड़ गांव के रहने वाले थे। इनके साथ एक बच्चा भी था। यह गांव घटनास्थल से 20 किलोमीटर दूर है। एक ही बाइक पर चारों जा रहे थे। मृतकों में बाबूलाल (40), मोनू (5), अशोक (22) और नरसी (25) शामिल हैं। बाबूलाल, मोनू और अशोक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नरसी ने जयपुर ले जाते समय दम तोड़ दिया। बाबूलाल, मोनू के ताऊ थे। ये लोग मोनू को उसके बड़े भाई से मिलवाने जा रहे थे। मोनू का बड़ा भाई जयपुर के जमवारामगढ़ के निकट दंताला स्कूल के हॉस्टल में रहता है। शवों को प्रतापगढ़ सीएचसी में रखवाया गया है।

प्रतापगढ़ (अलवर) कस्बे के थानागाजी इलाके में अलवर-जयपुर रोड जाम के दौरान एक राहगीर जबरदस्ती निकलने का प्रयास कर रहा था। इस दौरान भीड़ से उसका विवाद हो गया। अवैध रूप से चल रहे ओवरलोड डंपरों को बंद करने की मांग को लेकर ग्रामीण सड़क जाम किए हुए हैं। आरोप है कि अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। ये डंपर रात को भी तेज रफ्तार में निकलते हैं।

महिला ने आत्महत्या की

पाटन, (निसं)। डाबला रेलवे स्टेशन से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित जिलो रेलवे स्टेशन के पास एक महिला ने ट्रेन से कट कर जान दे दी। डाबला पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर महिला के शव को कब्जे में लिया। महिला के बारे में कोई खास सबूत नहीं मिलने के कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

लोको पायलट मुकेश कुमार मीणा के अनुसार दोपहर के लगभग 11:50 बजे एक महिला स्टेशन से कुछ दूरी पर रेवाड़ी जा रही मालगाड़ी के सामने अचानक से आ गई, लोको पायलट ने बार-बार हॉर्न बजाया एवं इमरजेंसी ब्रेक भी लगाए। इसके पश्चात भी महिला पटरी से नहीं हटी, और अपने दोनों हाथ फैला कर खड़ी रही। ट्रेन की रफ्तार तेज होने के कारण महिला की मौत हो गई। सूचना पर डाबला पुलिस घटनास्थल पहुंची एवं घटनास्थल का जायजा लिया और महिला के शव को कब्जे में लिया। मृतक महिला की लाश को नीमकाथाना के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। डाबला थाना प्रभारी राजवीर सिंह ने बताया कि महिला की उम्र 30-35 साल के बीच है। महिला ने बूटेदार कुर्ता एवं सादा सलवार पहन रखी थी, कानों में रेडिमेंट झुमके और दाहिने हाथ की अंगुली में रेडिमेंट अंगूठी पहनी हुई है। गुलाबी रंग की चप्पल उसके पास मिली है। फिलहाल पुलिस महिला की पहचान करने में जुटी हुई है।

डम्पर ने बाइक सवार ठेकेदार और दो मजदूरों को कुचला

बीकानेर, (निसं)। यहां जयपुर-जोधपुर बाइपास पर एक डंपर ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया। डंपर का टायर तीनों के ऊपर से गुजरा, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई और शव क्षत-विक्षत हो गए। हादसा बाइपास पर जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र में विजयवर्गीय ढाणी के पास मंगलवार रात करीब नौ बजे हुआ। मृतकों में एक ठेकेदार और दो मजदूर थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सीओ सदर विशाल जांगिड़ ने बताया कि मृतकों में दमाराम पुत्र कानाराम मेघवाल है, जो ठेकेदारी का काम करता है। उसके साथ दो मजदूर राजू पुत्र भोजाराम मेघवाल निवासी चाखू फलोदी और महेश पुत्र मोटाराम मेघवाल निवासी चाखू फलोदी है। तीनों फलौदी निवासी है और काम के लिए ठेकेदार दोनों को अपने साथ बीकानेर लाया था।

सीओ ने बताया कि रात करीब नौ बजे डंपर ने बाइक सवार तीनों युवकों को टक्कर मार दी। इसके बाद डंपर तीनों को कुचलते हुए गुजरा, जिससे शव भी क्षत-विक्षत हो गए। राहगीरों

- डंपर का टायर तीनों के ऊपर से गुजरा, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई और शव क्षत-विक्षत हो गए
- तीनों फलौदी निवासी है और काम के लिए ठेकेदार दोनों को अपने साथ बीकानेर लाया था

की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है, जबकि बाइक को व्यास कॉलोनी थाने लाया गया है। मृतकों की उम्र 20 से 30 साल के बीच है। बाइक नंबर के आधार पर तीनों की शिनाख्त की गई। तीनों फलोदी से बीकानेर आए हुए थे और काम के सिलसिले में ठेकेदार ही इन्हें लेकर जा रहा था। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/राजकाज 17892831 दिनांक :- 20/09/2025

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 16/2025-26

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर में सक्षम पंजीकृत अनुभवी फर्म से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिये निविदादाता (http://eproc.rajasthan.gov.in, https:/sppp.raj.nic.in) पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। UBN No. WAQ2526SLOB00207

सचिव
भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

राज.संवाद/सी/25/10738

सायबर ठगी मामले में आरोपी गिरफ्तार

आर्मी ऑफिसर की पत्नी से एक लाख रुपए की ठगी हुई थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। साइबर ठगी के करीब डेढ़ साल पुराने मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी की पहचान मुरादलीन अली (22) निवासी दक्षिण दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल के तौर पर हुई है।

जानकारी के अनुसार आरोपी बैंक के फर्जी नंबर को ऑनलाइन दिखाकर ठगी करने वाले गिरोह से जुड़ा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 16 मई 2023 को श्रीगंगानगर में नियुक्त एक आर्मी ऑफिसर की पत्नी ने साइबर ठगों द्वारा खाते में से 99,999 रुपए निकालने का मुकदमा दर्ज करवाया था। परिवादिया की ओर से बताया गया कि वो अपने खाते से जुड़ी किसी समस्या के समाधान के लिए इंटरनेट के माध्यम से बैंक का हेल्पलाइन नंबर ढूंढ रही थी। सर्च इंजन की ओर से दर्शाए गए एक मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो पांच रुपए जमा करवाने के लिए कहा गया। इसके बाद खाते से करीब एक लाख रुपए निकल गए।

पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया था। मामले की जांच सीओ रमेश माचरा को दी गई। जानकारी के अनुसार करीब एक लाख रुपए की ठगी के इस मामले में पहली गिरफ्तारी हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी मुरादलीन अली के खाते में ही साइबर फ्रॉड की रकम ट्रांसफर हुई थी। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

गैंगरेप के मामले में सहयोगी पड़ोसन को बीस साल की सजा सुनाई

कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में नरमी बरती गई तो पड़ोसियों पर भी विश्वास नहीं कर पाएंगे

अलवर, (निसं)। अलवर के पॉक्सो कोर्ट नंबर-4 ने एक गैंगरेप मामले में एक महिला को 20 साल की सजा सुनाई है। जज हिंमाकनी गौड़ ने 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसे मामलों में नरमी बरती गई तो समाज में गलत संदेश जाएगा और लोग अपने पड़ोसियों पर भी भरोसा नहीं कर पाएंगे।

जानकारी के अनुसार मामला 25 मई 2024 की रात का है। गांव के एक युवक ने नाबालिग लड़की को धमकी देकर घर की छत पर बुलाया था। वहां पहले से ही उसका एक साथी और पड़ोसन महिला मौजूद थे। महिला ने दोनों युवकों से कहा, 'जो करना है कर

- जज ने 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया, पड़ोसन ने आरोपियों का सहयोग किया था

लो, मैं देखती हूं।' इसके बाद दोनों युवकों ने नाबालिग लडक़ी के साथ जबरन रेप किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक (सरकारी वकील) प्रशांत यादव ने बताया कि मामला बानसूर थाना क्षेत्र का है। युवक नाबालिग लडक़ी को धमकी देकर घर की छत पर बुला लाया। वहां उसका साथी और पड़ोसन महिला पहले से मौजूद थे। दोनों ने लड़की से जबरन गैंगरेप किया था।

मामले की जांच बानसूर के वृत्ताधिकारी सत्यप्रकाश ने की। जांच में पड़ोसन का अपराध साबित होने पर उसके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। वहीं, 2 अन्य आरोपियों में से एक की मौत हो चुकी है और दूसरा गिरफ्तार होकर अब कोर्ट में पेश है।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि महिला पीड़िता के घर की पड़ोसन थी और उसका पीड़िता के घर में अक्सर आना-जाना था। पीड़िता के परिवार ने उस पर भरोसा किया, लेकिन उसने उस भरोसे को तोड़कर घिनौना अपराध किया। कोर्ट ने आगे कहा कि एक महिला होते हुए भी उसने नाबालिग पीड़िता के साथ यौन हिंसा करवाने में सक्रिय रूप से सहयोग दिया, जो कि बेहद निंदनीय है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कानून ने भी ऐसे अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया है। सजा देना जरूरी, न्याय का उद्देश्य पूरा हो सके। इसलिए आरोपी को कड़ी सजा देना जरूरी है ताकि न्याय का उद्देश्य पूरा हो सके, समाज में इस तरह के अपराधों को रोका जा सके। कोर्ट ने यह भी साफ़ किया कि ऐसे मामलों में नरमी बरती गई तो समाज में गलत संदेश जाएगा और लोग अपने पड़ोसियों पर भी भरोसा नहीं कर पाएंगे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. SHAHABAD

File No. 942 Date:-12-09-2025

Notice Inviting Bid

Bid for "विधानसभा क्षेत्र किशनगंज में नॉन पेचेबल/मिसिंग लिंक सडकों का निर्माण कार्य" NIT No. 18/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 01.10.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 447.86 lacs.

UBN No.- 1. PWD2526WSOR12231, 2. PWD2526WSOB12232
3. PWD2526 WSOB 12233, 4. PWD2526 WSOB 12234, 5. PWD2526 WSOB 12235

(Basant Kumar Gupta)
Executive Engineer
PWD Division Shahabad

DIPR/C/13779/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन 0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/1871 दिनांक-12/9/25

ई- टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्याः- 38/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर श्रीगंगानगर में कुल रू. 226.60 लाख के 07 कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग /रेल्वे /एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.- 1. NRH2526WSOB01090, 2. NRH2526WSOB01091, 3. NRH2526WSOB01092
4. NRH2526WSOB01093, 5. NRH2526WSOB01094,
6. NRH2526WSOB01095, 7. NRH2526WSOB01096

(शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीकानेर

DIPR/C/13790/2025

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या 21/2025-26

निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for development works, beautification and develop public facilities at Meera Bai Mandir, Merta, Nagaur Rajasthan. UBN is: HPP2526SLOB00027	20.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/10781 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

रेप के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर हमला

सीकर, (निसं)। जिले के धोद एक कस्बे में नाबालिग से रेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पकड़ने आई मौलासर पुलिस के साथ मारपीट की गई। आरोपी के परिवार के लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। परिवार की महिलाओं ने पुलिसकर्मियों के बाल नोंचे और थप्पड़ भी जड़े। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। मौलासर पुलिस के कांस्टेबल ने धोद पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुसार डीडवाना-कुचामन के मौलासर एरिया की रहने वाली 16 साल की नाबालिग लड़की को धोद कस्बे की अनोखू रोड का रहने वाला गौतम अपने साथ बहला-फुसलाकर ले गया था। इस संबंध में नाबालिग के परिजनों के मौलासर पुलिस थाने में मामला भी दर्ज करवाया। नाबालिग को दस्तयाब करने के बाद जब उसके बयान हुए तो सामने आया कि आरोपी गौतम ने उसके साथ रेप भी

- परिवार की महिलाओं ने पुलिसकर्मियों के बाल नोंचे और थप्पड़ भी जड़े
- घटना का वीडियो सामने आया, मौलासर पुलिस के कांस्टेबल ने धोद पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया

किया। ऐसे में पुलिस ने मुकदमे में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं को जोड़ते हुए इन्वेस्टिगेशन किया। बीती शाम को 5:30 बजे के करीब मौलासर पुलिस के दो कांस्टेबल मुकेश और विजेंद्र आरोपी गौतम को पकड़ने के लिए उसके घर पहुंचे। दोनों आरोपी को अपने साथ बड़ी मुश्किल से घर के बाहर लेकर आ गए, लेकिन यहां एक बिजली के पोल के पास गौतम के परिवार के लोगों ने दोनों पुलिसकर्मियों को रोक लिया। जिन्होंने कभी पुलिसकर्मियों के बाल नोंचे तो कभी थप्पड़ जड़े। आरोपी गौतम ने भी कई बार भागने की कोशिश की, लेकिन दोनों पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़े रखा। इसके बाद स्थानीय धोद पुलिस को इस पूरे मामले के बारे में सूचना दी गई। यहां मौके पर धोद पुलिस पहुंची, जिन्होंने आरोपी गौतम सहित अन्य लोगों को पकड़ लिया। मौलासर पुलिस के दोनों कांस्टेबल मुकेश और विजेंद्र की रिपोर्ट पर राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दिया गया।

मामले में सीओ धोद सुरेश कुमार शर्मा का कहना है कि पोक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे आरोपी की तलाश में मौलासर पुलिस के दो कांस्टेबल के साथ मारपीट की गई है। राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दिया गया है।

26 कार्टन अवैध शराब बरामद, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। आबकारी निरोधक टीम वृत गोगुन्दा क्षेत्र ने गोगरूद, क्यारी में गश्त व दबिश कार्रवाई करते हुए सेई बांध, बेकरिया, खेराड़िया, घणावल में मय जाप्ता आवासीय मकानों में दबिश देकर अवैध भण्डारण की गई 26 कार्टन मदिरा बरामद की है। मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नियमानुसार अभियोग दर्ज किया गया।

जानकारी के अनुसार आबकारी वृत निरीक्षक गोगुन्दा शम्भू सिंह राठौड़ ने मय जाप्ता कार्रवाई करते हुए गोगुन्दा वृत के पडत मदिरा दुकान क्षेत्र गोगरूद, क्यारी में बड़ी पुलिया, सेई बांध, बेकरिया एवं सायरा क्षेत्र के खेराडिया, घणावल में आवासीय मकानों में दबिश देकर तलाशी ली। कार्रवाई में दो स्थानों पर 26 कार्टन अवैध भण्डारण की गई मदिरा, बीयर बरामद की गई। मौके से 2 अभियुक्तों लक्ष्मण गरासिया, मोहन सिंह को गिरफ्तार कर अभियोग दर्ज किया गया। मामले में आगे कार्रवाई जारी है।

जंगल में फंदे पर लटका मिला युवक का शव

चार दिन से लापता था, 10 दिन पहले ही अहमदाबाद से आया था

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल मनात फला में 4 दिन से लापता युवक का शव घर से 3 किलोमीटर दूर गरदूना गांव के जंगल में पेड़ से लटका हुआ मिला है। घटना के बाद सनसनी फैल गई और लोग इकट्ठे हो गए। शव से बदबू आ रही थी।

सदर थाने के एएसआई ने बताया कि देवल मनात फला निवासी लक्ष्मी चंद की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इसमें बताया कि उसका छोटा भाई संजय पुत्र तेजा मनात अहमदाबाद में कारीगरी का काम करता है। 10 दिन पहले ही वह अहमदाबाद से घर आया था। रविवार के दिन से वह घर से लापता था और उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई पता नहीं लग पा रहा था। बुधवार को लोगों ने बताया कि शिशोद पंचायत के

- पेड़ से शर्ट का फंदा लगाकर शव लटका हुआ मिला, सड़ा-गला होने से बदबू आ रही थी

गरदूना के जंगल में एक युवक शव पेड़ से लटका हुआ है, जिस पर परिवार के लोग गरदूना के जंगल पहुंचे, जहां पेड से शर्ट का फंदा लगाकर शव लटका हुआ मिला। शव पूरी तरह से सड़ा-गला होने से बदबू आ रही थी। घटना की सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। शव को फंदे से नीचे उतारा और डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी लेकर आए, जहां पुलिस की ओर से पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही की गई।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड खानपुर

क्रमांक :- 754 दिनांक : 11.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क /पुलिया/भवन मरम्मत कार्यों के लिये, उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", एवं "ए", "बी", सी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सेसम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.diproline.org", "www.eproc.rajasthan.gov.in" तथा "www.pwd.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

UBN No. (1) PWD2526WSOB12064, (2) PWD2526WSOB12071, (3) PWD2526WSOB12072
(4) PWD2526WSOB12073, (5) PWD2526WSOB12074, (6) PWD2526WSOB12075
(7) PWD2526WSOB12076, (8) PWD2526WSOB12077, (9) PWD2526WSOB12078
(10) PWD2526WSOB12079, (11) PWD2526WSOB12081, (12) PWD2526WSOB12082
(13) PWD2526WSOB12085, (14) PWD2526WSOB12087

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड खानपुर

DIPR/C/13673/2025

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शहरी सेवा शिविर में लाभार्थियों को पट्टे दिये

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नगर परिषद में सभापति दिनेश सिंह राठौड़ के साथ सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर लाभार्थियों को पट्टे वितरण किये।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सरकार द्वारा शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण इलाकों में आमजन को राहत देने के लिये शिविर लगाये हैं, ताकि लोग अपनी जायज व आवश्यक समस्याओं का समाधान करवा सके। शिविर में प्रत्येक लाभार्थियों के त्वरित गति से काम हो रहे हैं, किसी को भी वंचित नहीं किया जा रहा है। उन्होंने शिविर में राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का महिलाओं के साथ बेटियों को विशेष फायदा होने पर शिविर की सार्थकता को लेकर फीडबैक लेकर संतोष जताया। उपमुख्यमंत्री ने जीएसटी बजट उत्सव के तहत पुरानी मिल चौराहे से मुख्य चौराहे तक पैदल चलकर दुकानदारों से रूबरू बात की और कहा कि जीएसटी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर लाभार्थियों को पट्टे वितरण किये।

कम होने से महंगाई से बड़ी राहत मिल रही है, त्यौहारी सीजन में लोग टैक्स कम होने से आसानी से खरीददारी कर सकेंगे। जीएसटी में बदलाव से हर व्यक्ति को लाभ होगा। दुकानदारों ने जीएसटी कम किये जाने पर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे व्यापार गति पकड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिये गये बयान को लेकर कहा कि जीएसटी में बड़े पैमाने पर बदलाव किये जाने के बावजूद विपक्ष खुश नहीं है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पहाड़िया स्वीट्स पर जाकर जीएसटी में कमी को लेकर चर्चा की। पहाड़िया परिवार के

- उपमुख्यमंत्री ने जीएसटी बजट उत्सव के तहत पैदल चलकर दुकानदारों से बात की
- दुकानदारों ने जीएसटी कम किये जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे व्यापार गति पकड़ेगा

राकेश पहाड़िया, पूनम पहाड़िया, गणेश पहाड़िया, प्रशांत पहाड़िया, मेघू पहाड़िया व महेंद्र पाटनी ने उप मुख्यमंत्री का परम्परागत रूप से स्वागत किया। इस दौरान कलेक्टर लोकबंधु, आयुक्त सीता वर्मा, उपखण्ड अधिकारी रजत यादव सहित वाणिज्य विभाग अधिकारी, संबंधित विभाग अधिकारी व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सोनी मौजूद रहे।

बस की टक्कर से छात्र की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के जालोरी गेट सर्किल पर मंगलवार की सुबह एक सिटी बस के चालक ने पैदल जा रहे छात्र को चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल छात्र को अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र बीए फाइनल कर चुका था और बीएसटीसी की तैयारी कर रहा था। उसके मामा की तरफ से सरदारपुरा थाने में सिटी बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

सरदारपुरा थाने के हैड कांस्टेबल मनफूल ने बताया कि सालवों की ढाणी मथानिया का रहने वाला 21 वर्षीय महेंद्र जाट बीए फाइनल कर चुका था और बीएसटीसी की तैयारी कर रहा था। मंगलवार की सुबह के समय वह पैदल जालोरी गेट सर्किल के पास से निकल रहा था। वह बुक डिपो के सामने पहुंचा तब जालोरी गेट की तरफ से आई एक सिटी बस के चालक ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में महेंद्र बुरी तरह घायल हो गया, जिस पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। सिटीबस का चालक मंडोर निवासी सलीम बताया जाता है। मृतक महेंद्र के मामा श्यामलाल की तरफ से सिटी बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है।

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम)
रणथम्भौर बाघ परियोजना सवाई माधोपुर

क्रमांक : एफ () स्टोर / उवसं/प्रथम / 2025-26/4664 दिनांकः 15-09-2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 30/2025-26

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर की ओर से राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से अभयारण्य क्षेत्र (रणथम्भौर बाघ परियोजना, प्रथम सवाई माधोपुर) रेंज फलौदी, तालडा, बालेर, कुण्डेरा, सवाई माधोपुर एवं खण्डार के अन्तर्गत wire mesh fencing fitted with 2.1 mt. high prestressed cement concrete post कार्य (अनुमानित लागत 123.56 लाख रू.) हेतु वर्ष 2025-26 टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदायें दिनांक 16.09.2025 प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 25.09.2025 को सायं 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। जिन्हें दिनांक 26.09.2025 को नियमानुसार खोला जावेगा।

बोली की अन्य शर्तें / दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल "http://sppp.rajasthan.gov.in" एवं "http://eproc.rajasthan.gov.in" देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।

NIB No.- FOR2526 A1617 UBN No.- FOR 2526WSOB02107
NIB No. FOR 2526 A1617 UBN No.- FOR 2526 WSOBO 2112
NIB No.- FOR 2526A1617 UBN No.- FOR 2526 WSOBO 2113
NIB No.- FOR 2526A1 817 UBN No.- FOR 2526WSOB02114

उप वन संरक्षक एवं
उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम)
बाघ परियोजना
रणथम्भौर सवाई माधोपुर

DIPR/C/13987/2025

COLLEGE OF AGRICULTURE
KISHANGARH BAS, KHAIRTHAL-TIJARA 301405, E-mail: dean.coakishangarhbas@sknau.ac.in

No. : F. ( )/Store /COAKGB/2024-25/435 Dated :- 20/09/2025

Open Tender Information

Sealed tenders are invited for "Underground PVC Pipeline and Mini Sprinkler System Installation at Nanglia Farm" for College of Agriculture, Kishangarhbas, Distt. Khairthal-Tijara (Rajasthan). Tender formats can be downloaded from **www.sknau.ac.in** or are available at our office from day of publishing to 11:00 AM of 27.09.2025. Form fee will be Rs. 500/- which can be paid in the form of DD in favour of the Dean, College of Agriculture, Kishangarhbas. Along with tender documents, the bidder also has to submit bid security money (EMD) of Rs. 10000/- (@ 2% of the bidding amount) in the form of DD favouring the Dean, College of Agriculture, Kishangarhbas up to 01:00 PM on 27.09.2025. The tender will be opened on the same day at 02.00 P.M. before the purchase committee by an officer duly authorised by the Dean, College of Agriculture, Kishangarhbas in the presence of any intending tenderer or their authorised representative who may be present. Detailed information regarding above mentioned tender is available at our office, university website **www.sknau.ac.in** and **https://sppp.rajasthan.gov.in.** The undersigned reserves the right to reject the tender without assigning any reason thereof. **UBN No. SKN2526GSOB00221**

Raj.Samwad/C/25/10746 DEAN

संक्षिप्त

राम ने किया ताड़का का वध

दौसा। आध्यात्मिक आदर्श रामलीला समिति दौसा के तत्वाधान स्थानीय बजरंग मैदान में आयोजित रामलीला का मंचन बुधवार को पार्षद इंदू कुमार मीणा एवं अशोक झालानी ने पूजा अर्चना के साथ शुरु किया। रामलीला में बुधवार को राजा दशरथ द्वारा पुत्रेष्ट यज्ञ उसके उपरांत राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न का जन्म गुरु वशिष्ठ के आश्रम में विद्या के लिए जाना इसके बाद मुनि विश्वामित्र के असुर यज्ञ करने में बाधा डालते हैं तब विश्वामित्र राजा दशरथ से आकर यज्ञ की रक्षा के लिए राम और लक्ष्मण को मांगते हैं। विश्वामित्र के साथ राम लक्ष्मण जब मुनि के आश्रम पर जा रहे है तो राक्षसी तड़का क्रोध करके मुनि को मारने दौड़ती है तो भगवान राम के द्वारा ताड़का का वध किया गया। उसके उपरांत मरीच और सुबाहु से भगवान का युद्ध दिखाया गया। मुनि के यज्ञ की रक्षा पत्थर की शिला बनी गौतम ऋषि की पत्नी का उद्धार करना, अहिल्या उद्धार, मां भागीरथी गंगा के पृथ्वी पर अवतार की कथा आदि की सुंदर ही लीलाओं का मंचन किया गया। रामलीला देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। निर्देशक राकेश शर्मा ने बताया कल 25 अक्टूबर को जनकपुरी में राम लक्ष्मण और मुनि विश्वामित्र का प्रवेश, मां सीता का गौरी पूजन, धनुष यज्ञ की रंगभूमि में रावण और बाणासुर संवाद, जनक और लक्ष्मण का संवाद, लक्ष्मण क्रोध की लीला दिखाई जाएगी।

ब्लू पौटरी निर्माण के गुर बताए

दूदू । निकटवर्ती कोट जेवर गांव में दुर्गा राजिविका महिला विकास सहकारी समिति बिचून के तत्वाधान में ब्लू पौटरी निर्माण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाकर महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया राजिविका प्रभारी कोट जेवर श्री परणा लक्ष्मी ने बताया कि शिविर में 20 महिला संभागियों ने भाग लेकर ब्लू पॉटरी निर्माण में अनुभव साझा किया । यह काम महिलाएं घर बैठकर अपना परिवार पालन कर सकते हैं ।

वार्षिक अधिवेशन आयोजित

दूदू । पंचायत समिति सभागार में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ के तत्वाधान में वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया । अधिवेशन का शुभारंभ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरक्षा प्रजापत एवं संघ के प्रधान विनोद पारीक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया । पश्चात सचिव हरफूल सिंह ने 2024 25 का आय व्यय विवरण प्रस्तुत कर 25-26 का संभावित बजट पेश किया । प्रजापत ने कहा कि स्काउट की गतिविधियों का संचालन सरकारी एवं निजी विद्यालय में अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए।

सार्वजनिक सूचना **कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज**
क्र.- एफ-6( ) उपा.लेण्ड/ननिज(हैरिटेज)/2025/654 दिनांक-24.09.25
श्री संजय कुमार पुत्र श्री वासुदेव पंजवानी द्वारा आवेदन पेश कर भूखण्ड संख्या ए-7(1) नाहरी का नाका (पूर्व) जयपुर क्षेत्रफल 333.33 वर्गगज का नाम हस्तांतरण चाहा गया है। जिसमें नगर विकास न्यास के द्वारा सेन्ट्री स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया एम्पलाईज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी को 12573 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया। जिसमें से सोसायटी द्वारा कुल 333.39 वर्गगज का आवंटन परमानन्द भंभानी को किया गया। आवेदक द्वारा अपंजीकृत वसीयतनामा रजिस्टर्ड उपहार पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है। इस हेतु वचनबद्धता (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत किया गया है। इस बाबत किसी व्यक्ति, संस्था फर्म कम्पनी को कोई आपत्ति /सुझाव हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय उपायुक्त(लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज के कार्यालय में अपनी आपत्तिमय कारणों सहित पेश करे अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तांतरण दिये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जायेगी।
(तनुजा सोलंकी),
उपायुक्त, नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सुचित किया जाता है कि हमारी प्रिय **शांती देवी अग्रवाल** धर्मपत्नी शंकरलाल अग्रवाल, अचरोल का आकस्मिक स्वर्गवास 23/9/025 को हो गया है। तीये की बैठक गुरुवार 25/09/2025 को सायं 4 से 5 बजे तक निजनिवास स्थान के सामने भगवती मार्केट, डिस्पेन्सरी रोड, अचरोल पर होगी।
शोकाकुल- शंकरलाल (पति), पुरणमल, जगदीश नारायण, नरेन्द्र कुमार, सांवरमल (देवर), जितेन्द्र कुमार, बजरंगलाल, गिरिराज (पुत्र) स्व.यश (पोत्र), विवेक, चिराग (पोत्र), खुशी, सोनाक्षी (पोत्री) एवं समस्त जिन्दल (हलवाई) परिवार अचरोल।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कोरोना के बाद ओर अधिक मजबूत हुआ आयुर्वेद : डॉ. विमला गौड

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. विमला ने किया।

- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर खैरथल जिला मुख्यालय पर हुआ कार्यक्रम आयोजित
- डॉ. विमला गौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित करते हुए कहा आयुर्वेद चिकित्सा में आमजन का काफी विश्वास है , जो कोरोना महामारी के बाद ज्यादा बढ़ गया है

खैरथल। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर खैरथल जिला मुख्यालय पर आयोजित किया गया। रिटायर्ड वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमला गौड ने मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित करते हुए कहा आयुर्वेद चिकित्सा में आमजन का काफी विश्वास है , जो कोरोना महामारी के बाद ज्यादा बढ गया है। कार्यक्रम खैरथल जिला मुख्यालय पर जाट भवन में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान धनवंतरि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना के साथ किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अजीत बाल्यान ने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आयुर्वेद को जन - जन तक पहुंचाया जाएं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. युधिष्ठिर पमनानी व डॉ. जगमोहन कौशिक ने आयुर्वेद के महत्व के बारे में बताया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण मुदगल ने किया । डॉ. उमा दत्त शर्मा ने इस अवसर पर धनवंतरी वंदना का पाठ किया । इस अवसर पर जिला खैरथल तिजारा के श्रेष्ठ कार्मिकों का एवं वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं वरिष्ठ कार्मिकों का सम्मान किया गया । इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी सोनी, डॉ. अमित चावला, डॉ. सुमन चाहर, डॉ. श्रुति शर्मा, डॉ. पवन यादव, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. राधेश्याम प्रजापत, डॉ. सोमपाल चौधरी, डॉ. रामनिवास यादव, डॉ. अजीत गौतम, डॉ. सुशील सैनी, डॉ. साक्षी नगर व डॉ. अंजना नरूला सहित जिले के आयुर्वेदिक कार्मिक मौजूद रहे।

हादसे में दो सवारियां घायल

कोटपूतली । दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बानसूर कट होटल सावरियां के सामने एक बडा हादसा होते-होते टल गया। यहां तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने हरियाणा रोडवेज की बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार एक महिला सहित दो यात्री घायल हो गये। घायलों को मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने 108 एंबुलेंस की सहायता से राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। गनीमत यह रही कि बड़ा हादसा टल गया, वरना स्थिति और गंभीर हो सकती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थान पर आये दिन दुर्घटनायें होती हैं। अब तक यहां दर्जन भर से अधिक हादसे हो चुके हैं,।

महाराज अग्रसेन की जयन्ती हर्षोल्लास से मनाई

पावटा । अग्रवाल महासभा पावटा द्वारा सोमवार को अग्रसेन महाराज जयंती पर अग्रवाल समाज के कुलप्रवर्तक समाजवाद के प्रणेता महाराज अठासेन की 5149वीं जयंती धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान सुबह 5 बजे प्रभात फेरी ज्यों कि कस्बे के मुख्य मार्गो से होती हुई घंटाघर चौक पर विसर्जित हुई। वही दोपहर 3 बजे शोभायात्रा में घोडा बग्गी सहित शाही लवाजमे के साथ गणेश जी, लक्ष्मी जी, अग्रसेन महाराज व राम दरबार सहित अन्य देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां सजाई गई ज्यों कि आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल आदर्श विद्या मंदिर पावटा पर जाकर विसर्जित हुई। इस दौरान आतिशबाजी का भव्य प्रदर्शन भी किया गया। वहीं झाकियों के आगे बैंड की धुन पर अग्र बन्धु व घोड़ों पर गुडसवार चल रहे थे। जगह जगह तोरण द्वार लगाये गये व पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। वही विधायक कुलदीप धनकड सहित भाजपाइयों व तहसील व नगर ब्राह्मण महासभा पावटा तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा, पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश नयाबासी, ब्राह्मण महासभा नगर महामंत्री दीपक पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, गजानंद टीलावत, विष्णु पटेल, दीपक भारद्वाज सहित समाज के लोगों द्वारा शोभायात्रा में शामिल अठा बंधुओं पर पुष्प वर्षा कर व जलपान करवाकर भव्य स्वागत किया गया। वही शाम को कार्यक्रम स्थल आदर्श विद्या मंदिर पावटा में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतिभा सम्मान समारोह व वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

सतीश गर्ग आईएएएस के मुख्य आतिथ्य व संरक्षक वीरेंद्र बंसल, अठावाल महासभा पावटा अध्यक्ष बलदेव गोयल द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद जयपुर से आई तिलकधारी एंड पार्टी द्वारा गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए रंगारंग राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम व कृष्ण भगवान के भजनों के साथ सजीव झांकियों की प्रस्तुतियां भी दी गई। वही विशेष आकर्षण में जादूगर गजानंद सम्राट द्वारा मैजिक शो की प्रस्तुति दी गई।

मनरेगा में फर्जीवाड़ा कर लाखों का भुगतान उठाने का लगाया आरोप

ग्रामीणों ने ग्रेवल सडक के मस्टररोल की निष्पक्ष जांच करवाकर उक्त रास्ते को अतिशीघ्र बनवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

- ग्राम पंचायत गावड़ी के ग्रामीणों का आरोप है कि फर्जी मस्टरोल से 14 लाख रुपए का भुगतान उठाया लिया गया है
- ग्राम पंचायत गावड़ी के मनरेगा के विकास कार्यों में चल रहा है भ्रष्टाचार

देवली । ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रही मनरेगा कार्यों में यहां सरपंच और कार्य से संबंधित अधिकारी पर फर्जीवाड़े के आरोप लग रहे हैं । यहां मनरेगा के ग्रामीण विकास कार्य भ्रष्टाचार से अछूते नही है। देवली उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गावड़ी में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रही मनरेगा मैं होने वाले कार्य फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ रहे हैं । ऐसा ही मामला सामने आया है ।इस मामले में ग्राम पंचायत गावड़ी के ग्रामीणों ने पूर्व में भी कई शिकायतें उपखंड अधिकारी देवली को दी गई। लेकिन अधिकारी इसमें कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इसलिए कि ग्रामीणों द्वारा दी गई शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई इसकी कोई पारदर्शिता ग्रामीणों के बीच नहीं आई है। शायद इसी सुस्त रवैया के कारण मनरेगा में फर्जीवाड़ा भी कम नहीं हो रहा है। ऐसी ही एक शिकायत ग्राम पंचायत गावड़ी के ग्रामीणों ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी को लिखित में देते हुए लाखों रुपए का फर्जी भुगतान उठाने के मामले की जांच की मांग की है। मामला यह है की गाड़ी ग्राम पंचायत में ग्रेवल सड़क में फर्जी मस्टररोल भरकर राशि उठाने का आरोप ग्रामीणों ने सरपंच और कार्य से संबंधित अधिकारियों पर लगाया है।

आरोप लगाते हुए ग्रामीण ने देवली उपखण्ड अधिकारी को लिखित शिकायत दी है। जिसमें ग्रामीणों ने,उपखंड अधिकारी को बताया कि देवली उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गांवड़ी में मनरेगा योजनान्तर्गत स्वीकृत ग्रेवल सड़क में फर्जी मस्टररोल भरकर लाखों रुपए की राशि फर्जीवाड़ा कर उठा ली गई है। इस पर उपखंड अधिकारी ने उक्त मामले की जांच को लेकर पंचायत समिति विकास अधिकारी को निर्देश दिए है। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को जानकारी में बताया कि गांवड़ी पंचायत अंतर्गत ग्राम सीतारामपुरा में बाबा रामदेवजी के मंदिर से ग्राम भीवड़ावास तक ग्रेवल सड़क का कार्य मनरेगा योजना से स्वीकृत हुआ है। उक्त कार्य में सरपंच और कार्य से संबंधित अधिकारी ने आपसी मिलीभगत से फर्जी मस्टररोल भरकर लगभग 14 लख रुपए भुगतान प्राप्त कर लिया गया है। जबकि उक्त ग्रेवल सड़क मौके पर बनाई ही नहीं गई है।

ग्रामीणों का आरोप है की ना ही किसी सक्षम अधिकारी ने कार्य का भौतिक सत्यापन किया गया है। विशेष कर बारिश के समय उक्त रास्ता पूर्ण रूप से बंद हो जाता है। वर्तमान में उक्त रास्ता ग्राम पंचायत मुख्यालय से पूर्ण रूप से कटा हुआ है।

ऐसी स्थिति में रास्ते को अविलंब बनवाया जाना न्यायोचित है। ग्रामीणों ने बताया इस संबंध में कई बार पंचायत प्रशासन से संपर्क कर रास्ता बनाने की गुहार लगा चुके है। लेकिन ग्राम पंचायत प्रशासन ने उक्त रास्ता बनाने से मना कर दिया गया है। ग्रामीणों ने उक्त स्वीकृत ग्रेवल सडक के मस्टररोल की निष्पक्ष जांच करवाकर उक्त रास्ते को अतिशीघ्र बनवाने की मांग की है। ज्ञापन देने में सुरेश मीणा, विक्रम मीणा, बाबू लाल, लालाराम, मेवाराम, रविंद्र मीणा रमेश मीणा सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे है।

फुलेरा की ऐतिहासिक रामलीला में श्रीराम-केवट सवांद दशरथ मरण का मंचन

कलाकारों ने दशरथ कैकयी संवाद का मंचन किया।

- श्रीराम-भरत मिलन का मार्मिक चित्रण आज
- भरत शत्रुधन का आगमन, कैकयी-भरत संवाद तथा कौशल्या भरत संवाद का प्रभावी मंचन किया

फुलेरा । श्री रेलवे रामलीला एवं सांस्कृतिक कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला के दौरान रामलीला रंगमंच पर बुधवार को निषाद भेंट, सुमंत को विदा करना, केवट-राम संवाद, दशरथ मरण, भरत शत्रुधन का आगमन, कैकयी-भरत संवाद तथा कौशल्या भरत संवाद का प्रभावी मंचन किया गया। जिसमें श्रीराम के वन-गमन का मार्मिक सवांद के मंचन से उपस्थित दर्शक भाव-विभोर हो गये। रामलीला के सह निदेशक मुकेश पारीक ने बताया कि रामलीला मंचन के साथ-साथ नवरात्र के दौरान प्रतिदिन माताजी की विशेष झांकी भी सजाई जाती है।

फुलेरा की ऐतिहासिक रामलीला मंचन में उडान निर्देशक मदनमोहन बब्बू के सानिध्य में उडान कलाकार अदम्य साहस दिखाते हुए 50 फुट उंचे बिजली के तारो पर उडान का प्रदर्शन करते है, जो कि कौतूहल पैदा करती है। वहीं रुप सज्जा का कार्य बाबूलाल कुमावत, रुप कुमावत, रतनलाल, गोवर्धन व आशिष सैन के द्वारा किया जाता है।

श्री रेलवे रामलीला रंगमंच पर गुरुवार को वशिष्ठ भरत वार्ता, श्रीराम भरत मिलन, काग जयंता को अभयदान सहित अन्य प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। रामलीला को सफल व सुचारु संचालन में समिति के सचिव देवकीनंदन जांगिड़, कोषाध्यक्ष रामावतार स्वामी, सहसचिव आलोक तिवारी, प्रवक्ता शैलेंद्र शर्मा विशेष कार्य समिति के मनोज आहुजा, जसवंत सिंह सहित प्रेमचन्द वर्मा, गिरधारीसिंह शेखावत, जुगल कुमावत, दामोदर कुमावत, सीएल गोठवाल, श्यामलाल सैनी व उद्घोषक राजेंद्र शर्मा, संतोष स्वामी प्रतिदिन रामलीला मंचन के दौरान सहयोग प्रदान कर रहे हैं। रामलीला मैदान पर निःशुल्क जल व्यवस्था बजरंग दल फुलेरा की ओर से की जा रही है।

सहप्रभारी राव का स्वागत

कोटपूतली। बुधवार को कस्बे में कांग्रेस पार्टी के "वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान को लेकर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आये प्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी चिरंजीवी राव का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजमार्ग पर युवा कांग्रेस नेता राकेश रावत के नेतृत्व में स्वागत किया। उनके साथ आये मुण्डावर विधायक ललित यादव व बहरोड़ से कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव का भी स्वागत किया गया। इस दौरान छीतर रावत, हरदान जेलदार, राजीव माठ, विकास भरगड आदि का स्वागत भी किया गया।

भरत मिलाप की लीला का मंचन

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा में राम वन गमन के बाद सुमंत विलाप व दशरथ मरण व भरत का अपने भाई श्री राम को मनाने जाना जैसे मार्मिक दृश्यों व संवादो से दर्शकों की आँखों से अश्रुधारा बह निकली।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर की प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में प्लाट नम्बर 185/56 का अलॉटमेंट लैटर/पजेशन लैटर संख्या 875 दिनांक 20.04.2005 को श्रीमती पाती पत्नि श्री भोली प्रसाद ... गुम हो गया जिसकी रिपोर्ट नम्बर 1834341/2023 दर्ज करा दी गई है। उक्त प्लाट को अब राहुल दीक्षित पुत्र दीनदयाल दीक्षित ने खरीद लिया है। उक्त सम्पत्ति के संबंध में राहुल दीक्षित पुत्र दीनदयाल दीक्षित ने एन.डी.आई. में लोन हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिवस में सम्पर्क करें।
राहुल दीक्षित पुत्र दीनदयाल दीक्षित
निवेदक 20.09.2025 (आर.के. जैन) एडवोकेट, मो. 9414311850

कार्यालय उपायुक्त मानसरोवर जोन, नगर निगम जयपुर ग्रेटर
सेक्टर-9 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ पोस्ट मानसरोवर जयपुर
क्रमांक एफ 58/डी.सी./एम.एस. जोन/2025/2072 दिनांक- 18.09.2025
आपत्ति आमंत्रण सूचना
नगर निगम ग्रेटर जयपुर के मानसरोवर जोन में निम्नलिखित आवेदक द्वारा नाम हस्तांतरण हेतु पत्रावली दर्ज कराई है जिसके अनुसार विवरण निम्न प्रकार है।
क्र.सं.-1, नाम आवेदक एवं पिता / पति का नाम एवं पता-श्रीमती सुनिता खण्डेलवाल पत्नि श्री निरंजन लाल खण्डेलवाल प्लाट नं.52, उदय नगर बी गोपालपुरा बाई पास जयपुर, **नया वार्ड-68, भवन साईज वर्ग.मी.-213.33** वर्गमीटर, **नाम हस्तातरण**-नगर निगम का पट्टा श्रीमती पार्वती पत्नि श्री आर.एस. गुप्ता के नाम जारी, वारिसान द्वारा हकत्याग पश्चात वारिसों के द्वारा बेचान प्रकरण
उक्त आवेदक को नाम हस्तातरण जारी करने में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो जोन कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस मे सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर पेश करे। वाद मियाद गुजरने के किसी प्रकार की आपति पर विचार नही किया जावेगा तथा पत्रावली पर अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।
उपायुक्त, मानसरोवर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक: जविप्रा/उपा. जोन-8/2025 **विज्ञप्ति** दिनांक: 17/09/2025
आवेदक श्री जयप्रकाश शर्मा पुत्र श्री हजारीलाल शर्मा एवं देवेन्द्र शर्मा द्वारा निजी खातेदारी की आवासीय योजना नारायण विहार पी के आवासीय भूखण्ड संख्या 152 क्षेत्रफल 305.73 वर्ग गज का नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड संख्या 152 क्षेत्रफल 305.73 वर्ग गज की लीजडीड श्रीमती मुकेश यादव पत्नी श्री सत्यपाल यादव के नाम से दिनांक 01.02.2010 को जारी की गई थी। तत्पश्चात इनके द्वारा उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्री जगमोहन विजय पुत्र श्री रामनाथ विजय को बेचान कर दिया गया। तत्पश्चात इनके द्वारा उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्री हजारीलाल शर्मा पुत्र श्री भौरया लाल शर्मा को बेचान कर दिया गया, जिसका नाम हस्तान्तरण जविप्रा द्वारा क्रमांक-537 दिनांक 28.02.2022 को किया गया। तत्पश्चात दिनांक 22.04.2025 को श्री हजारीराल शर्मा की मुत्यु होने के उपरान्त उनके वारिसों पुत्र श्री जयप्रकाश शर्मा एवं देवेन्द्र शर्मा को उनकी माता श्रीमती उर्मिला देवी, बहन श्रीमती दर्शना शर्मा एवं श्रीमती अर्चना शर्मा ने दिनांक 08.05.2025 रजिस्टर्ड हक त्याग के माध्यम से हकत्याग किया गया। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था/ हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा बाद मियाद आवेदक के पक्ष में लीजडीड/नाम हस्तान्तरण पत्र जारी कर दिया जावेगा। बाद मियाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
उपायुक्त जोन-8 जविप्रा, जयपुर

आम-सूचना "सतपाल सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह, निवासी- गोरीबारा कलां, झुन्झुनू-333705 ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की योजना वनस्थली सिटी, कालवाड, जयपुर के भूखण्ड सं. 76 क्षेत्रफल 100 वर्गगज को स्वयं के नाम हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत किया। साथ ही मूल आवंटी उमराव सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारिसान का सहमति पत्र, शपथ पत्र तथा भूखण्ड के मूल आवंटन पत्र प्रस्तुत किये। यदि उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण जारी करने मे किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय मे या मेरे कार्यालय मे उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि मे सम्पर्क करे, अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण सतपाल सिंह के नाम जारी कर दिये जायेगे, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नही होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

आम-सूचना सर्वसाधारण को मेरे अभिभाष्यगण रामप्रकाश पचेरवाल पुत्र स्व. श्री आनीलाल एवं श्रीमती मधु देवी पत्नी श्री रामप्रकाश पचेरवाल, निवासीगण-21, गली नं.-1, अशोकपुरा, सोडाला, जयपुर की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण का पुत्र तरूण पचेरवाल एवं पुत्रवधु श्रीमती शीतल धानका पिछले कई वर्षो से उनके कहने व सुनने मे नही है, इस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र तरूण पचेरवाल, पुत्रवधु श्रीमती शीतल धानका एवं उनकी सन्तान को अपनी निजी जिन्दगी, जायदाद एवं समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य मे तरूण पचेरवाल, पुत्रवधु श्रीमती शीतल धानका एवं उनकी सन्तान का मेरे अभिभाष्यगण की चल व अचल सम्पत्ति व निजी जिन्दगी से कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहेगा। तरूण पचेरवाल, पुत्रवधु श्रीमती शीतल धानका एवं उनकी सन्तान के किसी भी संव्यवहार के लिये मेरे अभिभाष्यगण कतई जिम्मेदार नही होंगे। सूचित रहे।
(मोहम्मद इस्लाम खान) एडवोकेट, मोबाईल : 9414345730

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 92/137, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर के मूल Handing Over Taken Over, Possession Letter, Allotment Letter, No Dues Certificate (Adhey Praman Patra), रसीदें व अन्य कागजात कही खो गये है। मिलने पर सूचित करें- हिमांशु गुलाटी 8058293901

मेरे फ्लैट संख्या 31/03/04 स्वर्ण पथ मानसरोवर, जयपुर के मूल अलोटमेन्ट लैटर No Dues Letter, पजेशन लैटर एवं अन्य कागजात कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें- किशन कुमार गुर्जर- 9929577766

श्री मान जी मेरे भूखण्ड सं-91 माधव नगर गृह निर्माण सरकारी समिति लिमिटेड योजना-मोती नगर शिव कॉलोनी जयपुर सोसाइटी की मूल राशि की रसीद कही गुम हो गये है किशन कुमार सिंह -9571110005

कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पास)
क्रमांक: - एफ 13 ( ) उपा. लैण्ड / ननिज. / 2025 /633 दिनांक:- 23/09/25
सार्वजनिक सूचना
मूल भूखण्ड सं. बी- 92 सेठी कॉलोनी, आदर्श नगर, जयपुर का पट्टा श्री मालूम सिंह मेहता पुत्र छितरमल को दिनांक 08.10.76 को 400.00 वर्गगज का जारी किया गया था। श्रीमती मन्जू खण्डेलवाल पत्नि श्री बनवारी लाल गुप्ता एवं श्रीमती नेहा गुप्ता पत्नि श्री मनीष गुप्ता द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, सर्वाधिकार पत्र, एवं अंपजीकृत प्रतिज्ञा पत्र की प्रति एवं अण्डरटेकिंग के आधार पर एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

In The Court Of VIII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: अंकिता शाही
RCS B/0000063/2023)
मेसर्स बून लीगल प्लेटस... वादी
Vs
मेसर्स गोदावरी टेक्नो साल्यूसन प्राईवेट लिमि... प्रतिवादी
Process Id-/2025 पेशी दिनांक: 14/10/2025
प्रेषिती- **(1) मेसर्स गोदावरी टेक्नो साल्यूसन प्राईवेट लिमिटेड- पता सी 2 सेकेण्ड फ्लोर वैशाली मार्ग वैशाली नगर जयपुर 302021**
(2) शरवान जांगीड मैनेजर आथोराईजड सिगनाटरी- पता सी 2 सेकेण्ड फोर वैशाली मार्ग वैशाली नगर जयपुर 302021
यह कि प्रार्थी मेसर्स बून लीगल प्लेट्स ने आपके विरूद्ध आरसीएस बी वाद वास्ते राशि **635496** रूपये की वसूली हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के **30** दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख **25 August 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायाधीश (श्रीमती अंकिता शाही)
(मुहर) **अष्टम सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड), जबलपुर (म.प्र.)**

कार्यालय पंचायत राज विभाग,जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक:- दिनांक 18/09/2025
ई-निविदा सूचना संख्या -05,06,07/2025-26
पंचायत समिति, सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत श्यामपुरा, भूरी पहाडी, पचीपल्या, चकेरी व खिलचीपुर में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
श्यामपुरा NIB No.ZSM2526A0581 UBN No. ZSM2526WSOB00654
भूरी पहाडी NIB No.ZSM2526A0582 UBN No. ZSM2526WSOB00653
पचीपल्या NIB No.ZSM2526A0585 UBN No. ZSM2526WSOB00655
चकेरी NIB No.ZSM2526A0583 UBN No. ZSM2526WSOB00652
खिलचीपुर NIB No.ZSM2526A0586 UBN No. ZSM2526WSOB00656
प्रशासक ग्राम विकास अधिकारी

राजस्थान सरकार
कार्यालय :- राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी(322201)
Email ID:-principalggp@gmail.com
क्रमांक/2025-1635 दिनांकः-17-9-2025
(E-tender NIB No. 02/2025-26)
Sealed Single Stage Two-envelopes and unconditional online Bids for Rate contract for upto 31.03.2026 provide "Un-Skilled,Semi-Skilled,Skilled And Highly skilled manpower for Government College, Gangapur City are invited from interested bidders upto 27.09.2025 at 5.00 at 5.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://spp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 25 Lakh.
UBN - ECD2526SLRC00268
Principal
Government College, Gangapur City

नाम परिवर्तन

मैं मधु देवी पत्नी सुरेश कुमार व मधु पूनिया पत्नी सुरेश कुमार दोनों मेरे ही नाम है, अतः भविष्य में मुझे मधु पूनिया के नाम से पहचान जावे। पता ग्राम-पो.- कंकड़ेऊ कलां, तहसील-मलसिसर, जिला- झुन्झुनू (राज.) पिन- 331028

मैं नरेश चन्द सैन पुत्र श्री राधेश्याम सैन 12L/TF/80, उदयगिरी अपा. इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा। घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री के शैक्षिणक व अन्य दस्तावेज में पिता-माता का नाम नरेश सैन- चिंकी अंकित है यह ग़लत है सही नाम NARESH CHAND SAIN - CHINKY SAIN है।

मैं आर्मी नं. 16029925F राइफलमैन अजय प्रताप सिंह यूनिट 17 RAJRIF SAWAIMAN है मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरे पिताजी का नाम सूरजपाल सिंह राठौड़ (Surajpal Singh Rathor) है जो कि गलत है मेरे अन्य दस्तावेज में मेरे पिताजी का नाम सूरजपाल (Surajpal) है जो की सही है।

मैं प्रवीण कुमार सिंघल पुत्र श्री नरेश कुमार सिंघल उम्र 44 वर्ष, निवासी 6/291, विद्याधर नगर, जयपुर-39 मेरे पुत्र धैर्य सिंघल के दस्तावेज में मेरा नाम प्रवीण सिंघल दर्ज है, दोनों ही नाम मेरे है, भविष्य में मुझे प्रवीण कुमार सिंघल के नाम से ही जाना जावे।

I Amit Goyal F/o Vidhan Goyal 604 Guman Heights, Mansarovar, Jaipur, Hereby like to inform that in my son's school record his mother name is Payal Goyal where as in all Govt. Documents it is Payal Agrawal, Hence in future she should be known by this name Payal Agrawal.

कार्यालय नगरपालिका मण्डल मनोहरपुर जिला जयपुर
E-mail: npmanoharpur@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- न.पा.मनो./भूमि/2025-26/1762 दिनांक :-24/9/2025
प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिये
लोक सूचना
आवेदनकर्ता श्री सुनील कुमार सिसोदिया पुत्र श्री राम सहाय सिसोदिया, जाति बलाई, निवासी-इन्दिरा कॉलोनी, मनोहरपुर, जयपुर (राज.), ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
जिला जयपुर तहसील शाहपुरा	मनोहरपुर	1822, 1688/8458	7000 वर्गमीटर	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गई है।
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मनोहरपुरा, जिला जयपुर (राज.)

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.), चौमूं जयपुर
राधाबाग कॉलोनी सीकर रोड चौमूँ
PH. NO. 01423-220047 FAX NO. 01423-223873
Email:- KUMS.CHOMUFV@rajasthan.gov.in
क्रमांक : 312-21 दिनांकः 24/9/2025
निविदा सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति के मुख्य मंडी प्रागंण (फ.स.), चौमूं में आगामी एक वर्ष की अवधि के लिये कियोस्क संख्या 01 व 02 (संयुक्त) पर ठेके पर जलपान व्यवस्था हेतु दिनांक 01.10.2025 को खुली निलामी बोली आयोजित की जावेगी। नीलामी बोली में भाग लेने हेतु इच्छुक बोलीदाता व्यक्तियों / फर्मो से दिनांक 01.10.2025 को प्रातः 11.00 बजे तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। खुली नीलामी बोली उसी दिन दोपहर 01:30 से आयोजित कि जावेगी। नीलामी बोली संबंधी समस्त शर्ते व जानकारी निर्धारित आवेदन पत्र, विभागीय वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in तथा बेवसाइट agriculture.rajasthan.gov.in/mandi/ पर और कार्यालय में व्यक्तिशः उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।
प्रशासक **सचिव**

pnb Housing Finance Limited
पंजीकृत कार्यालयः 9वाँ तल, अंतरिक्ष भवन, 22, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली-110001
शाखा कार्यालयः ब्लॉक ए.बी., ग्राउंड फ्लोर, वन विभाग कार्यालय के पास, बिजली विभाग के सामने, सवाईमाधोपुर रोड, टोंक- 304001
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 (1) के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अध्याय III की धारा 13 (2), अद्यतन संशोधित के अधीन सूचना
हम, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (इसमें आगे ''पीएनबी एचएफएल'' के रूप में वर्णित) ने कार्यालय शाखा कार्यालयः ब्लॉक ए.बी. ग्राउंड फ्लोर, वन विभाग कार्यालय के पास, बिजली विभाग के सामने, सवाईमाधोपुर रोड, टोंक- 304001, में स्थित हमारे टोंक रोड कार्यालय द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसमें आगे ''अधिनियम'' के रूप में वर्णित) के अध्याय III की धारा 13(2) अधीन माँग सूचना जारी की थी। उक्त माँग सूचना हमारे प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्न वर्णित आप सब कर्जदारों/सह-कर्जदारों/ज़मानतदारों को जारी की गई थी, क्योंकि आपका खाता, किस्तों/ब्याज का भुगतान नहीं किए जाने के कारण, भारतीय रिजर्व बैंक/ राष्ट्रीय आवास बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार अनार्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उसकी विषयवस्तु आपके द्वारा मूलधन की किस्तों, ब्याज इत्यादि के भुगतान में की गई चूकों के साथ संबंधित है। बकाया राशि नीचे दी गई है। आगे, हमें कारणों के आधार पर विश्वास है कि आप माँग सूचना प्राप्त करने से बच रहे हैं और इसीलिए यह माँग सूचना प्रकाशित की जा रही है, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन अपेक्षित भी है। एतद्द्वारा आपसे उक्त राशि, अद्यतन ब्याज तथा अन्य राशियों सहित, जो भुगतान की तिथि तक देय हो सकती है, इस माँग सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन की अवधि के भीतर पीएनबी एचएफएल को अदा करने की माँग की जाती है। जिसमें विफल रहने पर पीएनबी एचएफएल उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अधीन, किसी एक या अधिक या सभी प्रत्याभूत आस्तियों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करेगा, जिसमें कर्जदारों तथा जमानतदारों की प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा प्राप्त किया जाना शामिल है। आपका ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आमंत्रित किया जाता है, जिसके तहत अधीन आप सम्पूर्ण बकाया राशि, पीएनबी एचएफएल द्वारा वहन की गई सभी लागतों, प्रभारों तथा व्ययों सहित, का भुगतान सार्वजनिक नीलामी, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रण द्वारा अथवा गुप्त समझौते द्वारा प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री की सूचना के प्रकाशन की तिथि तक ही कर सकते हैं। कृपया यह भी नोट करें कि यदि सम्पूर्ण बकाया राशि, पीएनबी एचएफएल द्वारा वहन की गई सभी लागतों, प्रभारों तथा व्ययों सहित, का भुगतान सार्वजनिक नीलामी, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रण द्वारा अथवा गुप्त समझौते द्वारा प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री की सूचना के प्रकाशन की तिथि तक नहीं किया जाता है, तो आप उसके पश्चात प्रत्याभूत आस्ति (यों) छुड़ाने के हकदार नहीं होंगे। आगे, आप के ऊपर, उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अधीन उपरोक्त प्रत्याभूत आस्तियों का बिक्री, पट्टा या किसी अन्य प्रकार से अंतरण करने के संबंध में रोक लगी है।

ऋण खाता संख्या	कर्जदार तथा सह-कर्जदार का नाम/पता	जमानतदार(रों) का नाम/पता	बंधक संपत्ति (यों)	माँग सूचना की तिथि	माँग सूचना की तिथि तक बकाया राशि
NHL/RTNK/ 0224/1214031 बी.ओ.- टोंक रोड	(कर्जदार) श्री/सुश्री कविता कविता, सोहेला, टोंक, टोंक, टोंक, टोंक, राजस्थान, भारत- 304021, (कर्जदार) श्री/सुश्री कविता कविता वैष्णव भवन, पानी की टंकी के पास, सोहेला, टोंक, टोंक, राजस्थान, भारत- 304021, (सह-कर्जदार) श्री/सुश्री कमलेश कमलेश, सोहेला, टोंक, टोंक, टोंक, टोंक, राजस्थान, भारत- 304021, (कर्जदार) श्री/सुश्री कविता कविता, पता नंबर 1691, ग्राम सोहेला, पंचायत समिति, पीपलू, टोंक, टोंक, राजस्थान- 304021, (सह-कर्जदार) श्री/सुश्री कमलेश कमलेश, पता नंबर 1691, ग्राम सोहेला, पंचायत समिति, पीपलू, टोंक, टोंक, राजस्थान- 304021.	लागू नहीं	पट्टा संख्या 1691, ग्राम सोहेला, पंचायत समिति, पीपलू, टोंक, टोंक, राजस्थान- 304021	सितंबर 05, 2025	रु. 5,33,684.00/- (पाँच लाख तैंतीस हजार छह सौ चौरासी रुपये मात्र)

दिनांक : 25-09-2025, स्थान : टोंक हस्ता. /- प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

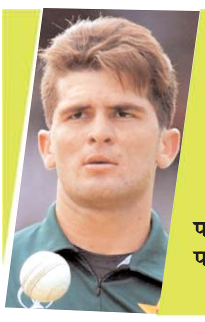

भारत के दबदबे के कारण भारत-पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए। उनकी टीम का ध्यान एशिया कप जीतने पर है।
- शाहीन अफरीदी

पाकिस्तान के गेंदबाज, भारत-पाक मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

प्रसिद्ध कृष्णा

भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को ऑस्ट्रेलिया ए के ख़िलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को भारत ए के लिए खेलते हुए सिर में चोट लग गई और उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। उन्हें भारत ए की पारी के 39वें ओवर में तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन के बाउंसर पर चोट लगी, जब वह उनके बाउंसर को पुल करने के चक्कर में अपने हेल्मेट पर गेंद खा बैठे। हालांकि तब अनिवार्य कन्कशन के बाद उन्होंने खेलना जारी रखा। भारत के इंग्लैंड दौरे पर तीन मैच खेलकर 14 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध ने पहले अनाधिकृत टेस्ट में कुल 21 ओवर किए थे।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में सबसे ज़्यादा रन श्रीलंका के महान बल्लेबाज़ सनथ जयसूर्या के नाम हैं। उन्होंने 1990 से 2008 तक खेले 25 मैचों में 24 पारियों में कुल 1220 रन बनाए।

अभिषेक ने लगाई फिफ्टी, कुलदीप ने तीन विकेट लिये, बांग्लादेश को 41 रन से हराया

टीम इंडिया एशिया कप के फाइनल में

दुबई, 24 सितंबर। भारत ने बुधवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में सुपर फोर मुकाबले में बांग्लादेश को 41 रनों से हराया। इस जीत के साथ भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने बुधवार को एशिया कप के सुपर फोर मुकाबले में बांग्लादेश को 41 रनों से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा के दमदार शतक की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए, इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 127 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए सैफ हसन ने सर्वाधिक 69 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने तीन विकेट चटकाए। इस जीत के साथ भारतीय टीम एशिया कप 2025 फाइनल में पहुंच गई है, जहां उसका सामना पाकिस्तान या बांग्लादेश से होगा।

169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश की टीम को दूसरे ओवर में पहला झटका लगा। तंजीद हसन तीन गेंद में एक रन ही बना सके। इमॉन ने 19 गेंद में 21 रन बनाए। तौहीद 10 गेंद में सात रन बनाकर आउट हुए। शमीम हुसैन खाता नहीं खोल सके, उन्हें वरुण चक्रवर्ती ने आउट किया। कप्तान जाकिर अली 5 गेंद में 4 रन ही बना सके। सूर्यकुमार यादव ने उन्हें रन आउट किया। मोहम्मद सैफुद्दीन 7 गेंद में 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सैफ ने 51 गेंद में 69 रन की पारी खेली।

भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए। बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत धीमी रही लेकिन पावरप्ले में ही दोनों बल्लेबाजों ने गियर बदले हैं और ताबड़तोड़ रन बनाए। शुभमन गिल 19 गेंद में 29 रन बनाकर आउट हुए। शिवम दो रन ही बना सके। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 75 रन का योगदान दिया। सूर्यकुमार यादव 11 गेंद में 5 रन ही बना सके। तिलक वर्मा 7 गेंद में 5 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक पांड्या 29 गेंद में 38 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 15 गेंद में 10 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने दो जबकि मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब और मोहम्मद सैफुद्दीन ने एक एक विकेट लिए।

पैरा एथलीट्स ने प्रेरणादायक कबड्डी प्रदर्शनी मैच में चमक बिखेरी

जयपुर, 24 सितम्बर। जयपुर के एसएमएस इंडोर स्टेडियम ने बुधवार को दृढ़ संकल्प के एक अनोखे उत्सव का गवाह बना, जब पद्मश्री डॉ. दीपा मलिक के नेतृत्व वाली

व्हीलिंग हैप्पीनेस फ़ाउंडेशन ने कैप्री स्पोर्ट्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से एक पैरा-एथलीट कबड्डी प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया। यह मैच दो जोशीली टीमों - पैरा धाकड़ और पैरा वॉरियरज़ - के बीच खेला गया। इसमें विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं वाले पैरा-एथलीट्स शामिल थे, जिनमें हाथ (कलाई और कोहनी के ऊपर) और पैर (घुटने के ऊपर व नीचे) के अंग-विच्छेदन वाले खिलाड़ी तथा कमजोर अंगों वाले पोलियो सर्वाइवर्स थे। प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ी थे, जिन्होंने मैट पर बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया। दिन के महत्व को और बढ़ाते हुए, प्रो कबड्डी लीग की बंगाल वॉरियरज़ टीम के खिलाड़ी भी पैरा-एथलीट्स का उत्साह बढ़ाने पहुंचे।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को किया निलंबित

दुबई, 24 सितम्बर। आईसीसी ने आखिरकार यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) को निलंबित करने का फैसला किया है। यह एक प्रमुख बाजार में खेल के नेतृत्व और संचालन ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन लाने के प्रयासों के तहत रीसेट बटन दबाने जैसा है। मंगलवार को एक वर्चुअल बैठक के बाद आईसीसी बोर्ड ने यह फैसला लिया। यूएसएसी के निलंबन का असर फरवरी में भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में यूएसए की भागीदारी पर नहीं पड़ेगा। हालांकि निलंबन का विशिष्ट कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, यह आईसीसी द्वारा जुलाई में अपनी वार्षिक आम बैठक में यूएसएसी को "स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव" कराने और "व्यापक" प्रशासनिक सुधार लागू करने के लिए तीन महीने का समय दिए जाने के लगभग दो महीने बाद आया है। उस समय, आईसीसी ने दोहराया था कि यूएसएसी जुलाई 2024 से "सूचना पर" बना रहेगा। आईसीसी बोर्ड ने यूएसएसी को यह भी चेतावनी दी थी कि वह सुधारों की प्रगति के आधार पर कोई भी उचित कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने यूएसएसी के अध्यक्ष वेणु पिसिके से टिप्पणी के लिए संपर्क किया है।

खेल मंत्रालय ने खिलाड़ियों और टीमों की भागीदारी के लिए चयन मानदंड जारी किए

नई दिल्ली, 24 सितंबर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने एशियाई खेल 2026 और अन्य बहु-खेल आयोजनों में खिलाड़ियों और टीमों की भागीदारी के लिए चयन मानदंड जारी किए हैं। इसका उद्देश्य एक पारदर्शी और न्यायसंगत ढांचा तैयार कर यह सुनिश्चित करना है कि केवल उन एथलीटों को ही बहु-विषयक खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए विचार किया जाए जिनके पास पदक जीतने का वास्तविक मौका है। चयन मानदंडों में मापनीय और गैर-मापनीय दोनों प्रकार की प्रतियोगिताओं के लिए मानक निर्धारित किए गए हैं जो एशियाई खेलों, पैरा एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई इनडोर खेलों, एशियाई समुद्र तट खेलों, युवा ओलंपिक, एशियाई युवा खेलों, राष्ट्रमंडल युवा खेलों जैसे बहु-खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी के बारे में निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे। हालांकि ओलंपिक और ऐसी अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं इसके दायरें में नहीं आएंगे जहां एथलीट या टीम की भागीदारी, संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों द्वारा निर्धारित योग्यता मानकों द्वारा निर्धारित की जाती है।

अभिषेक शर्मा ने रोहित शर्मा की महारिकॉर्ड को किया ध्वस्त

दुबई, 24 सितंबर। दुबई में भारत और बांग्लादेश के बीच एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबला खेला जा रहा है। जहां टॉस गंवाकर भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। वहीं, इस दौरान टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की शुरुआत धीमी रही लेकिन उन्होंने बाद में पारी को धार देने का काम किया। उन्होंने शुरुआती 9 गेंदों में 9 रन ही बनाए थे, लेकिन इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। उन्होंने अपनी पारी के दौरान पहला छक्का लगा कर ये कारनामा किया है।

दरअसल, अभिषेक शर्मा ने जैसे ही एक छक्का लगाया वो टी20 एशिया कप में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले टी20 एशिया कप में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्का लगाने वाले बल्लेबाज रोहित शर्मा थे जिन्होंने 9 मैचों में 12 छक्के जड़े थे, लेकिन अब अभिषेक उनसे आगे निकल गए हैं। फिलहाल, बांग्लादेश के खिलाफ इस मुकाबले में अब तक अभिषेक शर्मा ने महज 25 गेंदों में अपना अर्धशतक जड़ा है। इस टूर्नामेंट में उनका ये दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस अर्धशतकीय पारी के दौरान अभिषेक ने 5 चौके और 3 छक्के भी लगाए।

वैभव की आतिशी पारी से भारत अंडर-19 ने जीती सीरीज

ब्रिस्बेन, 24 सितम्बर। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 70 रन की आतिशी पारी से भारत अंडर 19 ने दूसरे एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 को बुधवार को 51 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने 49.4 ओवर में 300 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को 47.2 ओवर में 249 रन पर समेट दिया। सूर्यवंशी ने 68 गेंदों पर 70 रन में पांच चौके और छह छक्के लगाए। वैभव सूर्यवंशी के नाम अब यूथ वनडे में सबसे अधिक छक्कों (41) का रिकॉर्ड बन गया है, उन्होंने उन्मुक्त चंद का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने विहान मल्होत्रा के साथ दूसरे विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी की। विवान ने 74 गेंदों पर 70 रन में सात चौके और एक छक्का लगाया। अभिज्ञान कुंडु ने 71 रन का योगदान दिया। कुंडू ने अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम इसके जवाब में जेडेन ड्रेपर (107) के शतक के बावजूद 249 रन पर सिमट गयी।आयुष म्हात्रे ने 27 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिए।

राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता का कोटा में भव्य शुभारंभ

जयपुर, 24 सितम्बर। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन आज कोटा के महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम फुटबॉल ग्राउंड पर हुआ आयोजन सचिव तीरथ सांगा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान राजेश बिरला अध्यक्ष नागरिक सहकारी बैंक, अध्यक्षता लव शर्मा नेता प्रतिपक्ष विशिष्ट अतिथि भावना शर्मा कुल सचिव तकनीकी विवि. कोटा, दिलीप सिंह शेखावत सचिव राजस्थान फुटबाल वा इ बी सिंह जिला खेल अधिकारी कोटा, महेंद्र सिंह बिजानिया अध्यक्ष रेफरी बोर्ड राजस्थान रहे उद्घाटन मैच कोटा वह राजसमंद के मध्य खेला गया जिसमें कोटा ने 2-0 से जीत दर्ज की इस मैच के मैन ऑफ द मैच यश साहनी रहे उक्त प्रतियोगिता का आयोजन कोटा के तीन खेल मैदाने पर किया जा रहा है जिसमें उमेश सिंह स्टेडियम विजय वीर क्लब मैदान मल्टीपरपज स्कूल मैदान जिला फुटबाल संघ अध्यक्ष कमल गोस्वामी ने बताया कि आज प्रतियोगिता के अन्य मेंचो में अलवर ने धौलपुर को 8,-0 से हराया, उदयपुर ने चूरु को 4-0 से हराया हनुमानगढ़ ने नागौर को 3-0 से हराया ,जोधपुर ने भीलवाड़ा को 3-0 से हराया, डूंगरपुर ने बूंदी को 2-0 जीरो से हराया झुंझुनू ने सवाई माधोपुर को 6-2 से हराया इन सभी टीमों ने अपने-अपने मैच जीतते हुए अगले राउंड में प्रवेश किया कल प्रतियोगिता के अगले राउंड के मैच खेले जाएंगे इस अवसर पर इस अवसर पर जिला फुटबाल संघ के पदाधिकारी जीवन सैनी ,मधु बिश्नोई ,उमेश विजय ,आफताब अहमद ,दिनेश शर्मा, मनमीत कौर, राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रवीण विजय, फुटबॉल कोच मधु चौहान ,जगदीश चौधरी ,अजय कटवाल ,इकबाल खान धर्म प्रकाश शर्मा, जुबेर खान, आशीष मीणा, राजा खान, प्रदीप दर, आदि उपस्थित रहे।

सभी अल्पकालीन प्रशिक्षकों को अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाने के निर्देश

जयपुर, 24 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव में अधिक से अधिक खिलाडियों के भाग लेने के लक्ष्य को मध्यनजर रखते हुए क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर के मुख्य खेल अधिकारी और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित श्री वीरेन्द्र पूनिया ने बुधवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में परिषद के अल्पकालीन खेल प्रशिक्षको की बैठक ली। वीरेन्द्र पूनिया ने सवाई मानसिंह स्टेडियम, चौगान स्टेडियम और विधाधर नगर स्टेडियम में होने वाले इस आयोजन में खिलाडियों को अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रजिस्टेशन बढाने के लिए प्रशिक्षको को निर्देश दिए। सभी खेल प्रशिक्षको को खिलाडियों के साथ-साथ आस पडोस में रहने वाले लोगो को भी सांसद खेल महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए है। वीरेन्द्र पूनिया ने सांसद खेल महोत्सव को सफल बनाने के लिए प्रशिक्षको आज से ही इस कार्य में जुटने और अधिक से अधिक रजिस्टेशन करवाने की हिदायत दी।

प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ दायर याचिका खारिज

राजस्थान हाईकोर्ट ने याचिकर्ता पर 50 हजार का हर्जाना भी लगाया

-कार्यालय संवाददाता-

- **नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर अदालत में दायर की गई थी याचिका**
- **अदालत ने कहा कि "न्याय पाने के अधिकार को गलत याचिका दायर करने के लाइसेंस के रूप में इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जा सकती।"**

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के खिलाफ नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। अदालत ने प्रतिवादी बनाए गए मोदी और शाह सहित रविशंकर प्रसाद को छूट दी है कि वे चाहे तो याचिकाकर्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता पूरणचन्द्र सेन की आपराधिक याचिका को खारिज करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि न्याय पाने के अधिकार को गलत याचिका दायर करने के लाइसेंस के रूप में इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जा सकती। वहीं एक अधिवक्ता से अपेक्षा की जाती है कि वह किसी भी मुकदमे को शुरू करने से पहले जनहित में उसकी तथ्यों को सत्यापित करे। इसके साथ ही उसे सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए सनकी तरीके से कार्य नहीं करना चाहिए। इसके अलावा केवल याचिकाकर्ता की शिकायत पर यह नहीं माना जा सकता कि नागरिकता संशोधन विधेयक के पारित होने के बाद अव्यवस्था की स्थिति पैदा हुई है। याचिकाकर्ता की ओर से लगाए गए आरोप न केवल पक्षकारों की छवि को धूमिल करने वाले हैं, बल्कि सांप्रदायिक हिंसा पैदा करने का भी एक प्रयास है।

याचिका में कहा गया कि नागरिकता संशोधन कानून संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है और इसे मुस्लिम व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के लोगों पर अत्याचार करने के इरादे से लाया गया है। कानून के कारण देश में वैमनस्यता का माहौल बन गया है। इस संबंध में उसने पीएम, गृह मंत्री और तत्कालीन कानून मंत्री के खिलाफ निचली अदालत में परिवाद दिया था, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया।

इसके विरोध में केन्द्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एएसजी आरडी रस्तोगी ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून किसी भी धर्म का विरोधी नहीं है। वहीं देश में बनने वाला कोई भी कानून गृह मंत्री, कानून मंत्री या प्रधानमंत्री नहीं बनाते हैं। कानून संसद की ओर से बनाया जाता है। ऐसे में पीएम मोदी और दोनों मंत्रियों पर आरोप लगाना गलत है। याचिकाकर्ता ने कानून का दुरुपयोग किया है। ऐसे में उसकी याचिका को भारी हर्जाने के साथ खारिज किया जाना चाहिए। दूसरी ओर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जो मुद्दा उठाया है, वह संबंधित निचली अदालत के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है। इसलिए निचली अदालत ने परिवाद को खारिज कर कोई गलती नहीं की है।

मुख्यमंत्री ने जारी किया प्रवासी राजस्थानी दिवस का "लोगो"

26 सितंबर को हैदराबाद में होगी प्रवासी राजस्थानी मीट

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी दिवस के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी दिवस के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 10 दिसम्बर को जयपुर में पहली बार प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी के तहत 26 सितंबर को हैदराबाद में एक विशेष प्रवासी राजस्थानी मीट आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता स्वयं मुख्यमंत्री करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रवासी राजस्थानियों के इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए योजनाबद्ध और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह मीट प्रवासी राजस्थानियों, उद्यिमयों और सरकारी प्रतिनिधियों के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराएगी, जिससे आपसी सहयोग को बल मिलेगा और निवेश के नए अवसर खुलेंगे। शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने राज्य के बाहर रहते हुए भी सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब समय है कि वे राज्य के औद्योगिक और विकासात्मक सफर में भी साझेदार बनें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेश को बढ़ावा देने और उद्यिमता के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।हैदराबाद में होने वाली मीट में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री निवेशकों से भी सीधा संवाद करेंगे और उन्हें राज्य की निवेश नीतियों, योजनाओं और नवाचारों से अवगत कराया जाएगा।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मीट की तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रचार-प्रसार पर विशेष बल देते हुए कहा कि देश-विदेश में बसे अधिक से अधिक प्रवासी राजस्थानी इस आयोजन से जुड़ें। यह पहल प्रवासी राजस्थानियों और राज्य सरकार के बीच संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और राज्य के सर्वांगीण विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रोहित कुमार सिंह भारतीय विज्ञापन मानक परिषद के गवर्निंग बोर्ड में नियुक्त हुए

जयपुर। उपभोक्ता मामलों के पूर्व सचिव रोहित कुमार सिंह को भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) द्वारा गवर्निंग बोर्ड में प्रतिष्ठित व्यक्ति श्रेणी में नियुक्त किया गया है। सिंह, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हैं, ने भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग में सचिव के रूप में कार्य किया है। सिंह ने अपनी शिक्षा भारत और विदेश में की। उन्होंने आईआईटी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और फिर अमेरिका के क्लार्कसन विश्वविद्यालय से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में पोस्टग्रैजुएट की डिग्री पूरी की। इसके बाद, उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में मास्टर की डिग्री हासिल की।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले युवक को आजीवन कारावास

जयपुर । पॉक्सो मामलो की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त सूरज शर्मा उर्फ दुर्गेश को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने उसे उसकी अश्लील फोटो दिखाकर और धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया है। यदि अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख अपनाया गया तो इससे अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 15 जून, 2021 को कालवाड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि उसकी मार्च, 2003 में जन्म बेटी दो साल की उम्र से ही अपने नाना के घर रहती है। पिछले कुछ दिनों से उदास रहने के चलते वह उसे अपने घर ले आया था। यहां पीडिता ने उसे बताया कि नाना के घर रहने के दौरान अभियुक्त ने उससे जबरन दोस्ती कर ली थी।

वहीं घर वालों को जान से मारने की धमकी देकर अभियुक्त ने उसके साथ अलग-अलग जगह पर कई बार दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो भी खींच ली। पीडिता ने यह भी बताया कि उसके पिता लेने आए तो अभियुक्त ने बाड़े में आकर उसे जबरन साथ ले जाना चाहा, लेकिन पीड़िता के शोर मचाने पर वह मौके से भाग गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि पीडित पक्ष उससे वसूली करना चाहता है। ऐसे में उसे जबरन फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

'किसानों को उर्वरक बीज देना सरकार का प्रमुख ध्येय'

जयपुर । कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल लाल ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को उच्च क्वालिटी के उर्वरक, बीज और पेस्टिसाइड उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रयासरत है और किसानों को अन्य गुणवत्तायुक्त बीज हर हाल में उपलब्ध करवाया जायेगा।

निम्न गुणवत्ता युक्त खाद, पेस्टिसाइड और बीज उपलब्ध कराने वाली विनिर्माता और दुकानदारों पर सख्त रुख अपनाते हुए लाइसेंस निरस्तिकरण तक की कार्यवाहियां अमल में लाई जायेंगी।

इसी क्रम में मैसर्स जय शंकर सीड्स प्रा. लि. को बीज उत्पादन कार्यक्रम में पाई गई अनियमित्ताओं के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कृषि मंत्री ने शनिवार व रविवार को श्री गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले के कई इलाकों में उगाये जा रहे बीज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हनुमानगढ जिले के पीलीबंगा क्षेत्र में मैसर्स जय शंकर सीड्स प्रा.लि. द्वारा उगाये जा रहे बीज में अनियमित्ताएं मिली।

प्रदेश में 29 सितंबर तक जारी रहेगा "जीएसटी बचत उत्सव"

- **इसका उद्देश्य प्रदेशवासियों को जीएसटी दरों में हुई कटौती का लाभ दिलाना और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देना : मुख्यमंत्री**

जयपुर । राज्य सरकार द्वारा 22 से 29 सितम्बर तक "जीएसटी बचत उत्सव" का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रदेशवासियों को जीएसटी दरों में हुई कटौती का लाभ दिलाना और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों, व्यापारियों एवं दुकानदारों से विशेष अपील की है कि वे उपभोक्ताओं तक दरों में कटौती का लाभ पूरी तरह पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी स्लैब में सरलीकरण करते हुए अब मुख्य रूप से दो दरें - 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू की हैं। इस निर्णय से रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है, जिससे गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी एवं उद्योग जगत को राहत मिलेगी। शर्मा ने प्रदेशवासियों से "वोकल फॉर लोकल" के संकल्प को साकार करने की भी अपील की है। उन्होंने नवरात्रि एवं आगामी त्योहारों के दौरान देश में निर्मित वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता देने की बात कही, जिससे स्थानीय कारीगरों और उद्यिमयों को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री स्वयं भी "जीएसटी बचत उत्सव" को सफल बनाने के लिए विभिन्न शहरों में व्यापारियों से संवाद कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र और भीलवाड़ा के सदर बाजार में व्यापारियों से मुलाकात कर उन्हें उत्सव की जानकारी दी और प्रतिष्ठानों पर संबंधित स्टीकर्स भी लगाए। राज्य सरकार का यह प्रयास उपभोक्ताओं को राहत देने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

लेह में भारी हिंसा, भाजपा कार्यालय को आग लगाई, चार की मौत, कई घायल

- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर चल रहे आंदोलन के हिंसक रुप लेने के खिलाफ विख्यात एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने 15 दिन की भूख हड़ताल वापस ले ली।
- हिंसा तब भड़की जब सोनम वांगचुक के साथ भूख हड़ताल कर रहे दो लोगों की तबियत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

लेह, 24 सितंबर। लद्दाख़ को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में छात्रों ने हिंसक प्रदर्शन किया है। जानकारी के अनुसार, भाजपा दफ्तर में आगजनी की गई। हिंसक झड़प में 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि कई अन्य घायल हैं। हिंसक प्रदर्शन के बाद लेह में धारा 163 लागू कर दी गई है। एक साथ पांच या उससे ज़्यादा लोगों के जमा होने पर रोक लगा दी गई है। बिना इजाज़त के जुलूस या प्रदर्शन पर भी पाबंदी है।

वहीं, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने लेह शहर में हुई हिंसक घटना की कड़ी निंदा की है, उपराज्यपाल ने दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की।

एक अधिकारी ने बताया कि लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने हिंसा की और भाजपा कार्यालय और कई वाहनों पर हमला किया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी।

हिंसक प्रदर्शन के बाद सोनम वांगचुक ने 15 दिनों का अनशन तोड़ दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से हिंसा रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण रास्ते का प्रयास विफल हुआ है।

लद्दाख की हालात को स्थिर करने के लिए सीआरपीएफ की चार कंपनियों (कुल मिलाकर 4 सौ जवान मौजूद हैं) को कश्मीर से लद्दाख भेजा गया। इससे पहले सीआरपीएफ की सात कंपनियां लद्दाख में पहले से ही तैनात है जिसमें कुल मिलाकर 700 जवान हैं।

हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार को प्रशासन ने लद्दाख के लेह जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। निषेधाज्ञा के तहत पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लेह के जिला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने निषेधाज्ञा आदेश जारी कर कहा कि इस आदेश का कोई भी उल्लंघन होने पर बीएनएस की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी।

भारतीय आईटी प्रोफैशनल्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकर्षक है, ख़ासकर उन लोगों के लिए जो यूरोप जाने को तैयार हैं। जर्मनी के नए "ऑपर्च्युनिटी/चांसनकार्टे" कदमों का उद्देश्य कुशल पेशेवरों को, तत्काल एम्प्लॉयर स्पॉन्सरशिप के बिना भी अवसर देना है। जो तकनीकी प्रतिभाएं सामाजिक सुरक्षा, रिसर्च लिंक और यूरोपीय बाज़ारों की निकटता को महत्व देती हैं, उनके लिए जर्मनी (और पूरा यूरोपीय संघ) भरोसेमंद विकल्प है, हालाँकि गैर-अंग्रेज़ी वर्कप्लेस और कागज़ी प्रक्रिया कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकते हैं।

ब्रेक्ज़िट के बाद ब्रिटेन ने ग्लोबल टैलेंट रूट जैसे वीज़ा और विशेषज्ञों को आकर्षित करने के लिए समय-समय पर नियमों में ढील देकर प्रतिभाओं को लुभाने की कोशिश की है। लंदन के वित्तीय और तकनीकी क्षेत्र आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। लेकिन स्किल्ड वर्कर लिस्ट और वेतन सीमा में हाल के बदलावों से अनिश्चितता बढ़ी है। इसलिए ब्रिटेन वरिष्ठ विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के लिए तो आकर्षक है, पर बड़े पैमाने पर जूनियर आईटी स्टाफ़ के देश में आने के लिए उतना भरोसेमंद नहीं।

सिंगापुर ने ओवरसीज़ नेटवर्क्स एंड एक्सपर्टीज़ पास (वन पास) जैसे प्रीमियम वीज़ा शुरू किए हैं जो ऐसे वरिष्ठ नेताओं, संस्थापकों और ऊँची आय वालों के लिए आदर्श हैं, जो एक संक्षिप्त, व्यवसाय अनुकूल शहर-राज्य और फास्ट रैज़िडैंसी बैनिफिट (लाभ) पसंद करते हैं। यूएई की गोल्डन/ग्रीन वीज़ा निवेशक स्कीम, निवेशकों, उच्च आय वाले पेशेवरों और विशेष प्रतिभाओं को लंबे समय की रैज़िडैंसी देती है। यह उन लोगों के लिए आकर्षक है जो टैक्स की सुविधा, ऊँचे वेतन और भारत के नज़दीक रहने को प्राथमिकता देते हैं। ये वीज़ा शुरुआती इंजीनियरों के लिए कम उपयोगी हैं लेकिन वरिष्ठ प्रतिभा और उद्यमियों के लिए बहुत आकर्षक हैं। बड़ी टेक कंपनियाँ और धनवान बहुराष्ट्रीय निगम अब भी अमेरिका में प्रतिस्पर्धा कर पाएँगे क्योंकि वे ऊँचे वेतन स्तर की मांग पूरी कर सकते हैं। इसलिए उन्हें सबसे कम नुकसान होगा। सबसे ज़्यादा असर जूनियर पेशेवरों, छोटे-मझोले उद्यमों और स्टार्टअप्स पर पड़ेगा जो कम वेतन पर वैश्विक भर्ती करते हैं। कैनडा, यूरोप के कुछ हिस्से और खाड़ी देश शुरुआती से मिड-करियर भारतीयों को सबसे ज़्यादा आकर्षित करेंगे, जबकि सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया मिड से सीनियर प्रतिभा को अपनी तरफ खींचेंगे।

अगर दूसरे देश आसान या त्वरित रैज़िडैंसी की पेशकश करते हैं तो भारत से युवा कोडरों और मिड-करियर विशेषज्ञों का पलायन हो सकता है। एच-1 बी पर निर्भर एम्प्लॉयरों को या तो वेतन में बड़ा इज़ाफ़ा करना होगा, भर्ती रणनीतियाँ बदलनी होंगी (जैसे अमेरिका में स्थानीय टीम बनाना) या भर्ती के भौगोलिक विकल्प बढ़ाने होंगे। उम्मीदवारों के लिए अब वेतन और दीर्घकालिक सुरक्षा के बीच संतुलन महत्वपूर्ण होगा: कैनडा और ऑस्ट्रेलिया स्थायी निवास का साफ रास्ता देते हैं, यूरोप जीवनशैली और सामाजिक लाभ देता है, जबकि सिंगापुर और यूएई ऊँची आय और भारत की नज़दीकी का फायदा देते हैं।

'बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि जीएसटी में सुधार लाने में आठ साल लग गए, और अब सरकार अपनी पीठ खुद थपथपा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हर आर्थिक सुधार पर भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए जो रुख अपनाया, सत्ता में आने पर उसका उल्टा रुख लिया। पायलट ने कहा कि बिहार में हाल ही में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा को अभूतपूर्व समर्थन मिला है और राज्य में बदलाव का स्पष्ट माहौल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और महागठबंधन की सभी पार्टियाँ एकजुट होकर एनडीए के खिलाफ मजबूती से लड़ रही हैं। पायलट ने कहा, अमेरिका भारत पर आर्थिक हमला कर रहा है और हम उसका जवाब तक नहीं दे पा रहे हैं।"

उन्होंने यह भी जोड़ा कि पीएम मोदी और ट्रंप की मित्रता देश के लिए बहुत भारी पड़ रही है। सचिन पायलट ने जाति जनगणना पर कहा कि सरकार को जातिगत जनगणना को महज औपचारिकता न बनाकर उसे इस तरह कराना चाहिए जिससे वास्तविक सामाजिक भागीदारी का चित्र सामने आए। सिर्फ जनगणना के कॉलम में जाति जोड़ने से काम नहीं चलेगा। पायलटन ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाया और कहा कि राहुल गांधी द्वारा उठाए गए "वोट चोरी" के मुद्दों पर जाँच शुरु करने के बजाय आयोग उनसे शपथ पत्र माँग रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया, जब सवाल चुनाव आयोग से पूछे जाते हैं, तो जवाब भाजपा की तरफ से आता है। उन्होंने दोहराया कि बिहार चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराना चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। जब पायलट से पूछा गया कि कांग्रेस अभी तक राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित क्यों नहीं कर रही, तो उन्होंने कहा, सभी निर्णय सही समय पर लिए जाएंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे दो साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी जाती है, न कि पूर्णकालिक महासचिव की। एक बार सीडब्ल्युसी में शामिल होने के बाद वे आधिकारिक महासचिव के रूप में कार्य कर सकते हैं। एके एंटनी और अंबिका सोनी को हटाने की कोशिश मुख्यत: उम्र कारक से प्रेरित मानी जा रही है। एंटनी (84 वर्ष) 2022 से ही राजनीति से दूर हैं, जबकि 82 वर्षीय अंबिका सोनी अब भी सक्रिय हैं। एंटनी को अपने बेटे अनिल के भाजपा में शामिल होने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से शर्मिंदगी उठानी पड़ी। अंबिका सोनी का प्रभाव सोनिया गांधी की कृपा से लंबे समय तक रहा है। उनके दौर (1998-2022) में कई नेता उन्हें 'सोनिया माइनस ए' कहा करते थे। उनके कई समर्थक भी थे जैसे कमलनाथ, सलमान खुर्शीद, कुमारी शैलजा और पवन बंसल आदि।

चुनावी राज्य बिहार कांग्रेस के लिए चुनौती बना हुआ है, जहाँ राहुल गांधी ने 1300 किलोमीटर लंबी 'वोट अधिकार यात्रा' निकाली। इस यात्रा में तेजस्वी यादव, दीपंकर भट्टाचार्य, एमके स्टालिन, अखिलेश यादव जैसे महागठबंधन और इंडिया गठबंधन के नेता शामिल हुए। राहुल गांधी ने बड़ी भीड़ खींची और अच्छी भाषण शैली से अपने विरोधियों को भी प्रभावित किया।

हालांकि, कांग्रेस के आंतरिक मूल्यांकन से पता चलता है कि यह यात्रा वोटों में तब्दील नहीं हो पाएगी। कांग्रेस के सूत्र मानते हैं कि यह अभियान दिखावे में तो जोरदार था, लेकिन मुद्दों पर कमजोर रहा। वोटिंग अधिकार का मुद्दा भी विरोधाभासी रहा – जिनका नाम वोटर लिस्ट में है वे संतुष्ट हैं, और जिनका नाम गायब है, वे वोट नहीं डाल पाएंगे, इसलिए चुनाव में उनका असर सीमित रहेगा। जमीनी स्तर पर कांग्रेस का संगठन बेहद कमजोर और असंगठित है, जिससे प्रभावी जनसंपर्क मुश्किल है। इसके अलावा, कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित न करने से और भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। तेजस्वी मानते हैं कि वे महागठबंधन के स्वाभाविक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। उनके करीबी सूत्रों के अनुसार, उन्हें उम्मीद थी कि राहुल गांधी 'वोट अधिकार यात्रा' के दौरान उन्हें औपचारिक रूप से सीएम उम्मीदवार घोषित करेंगे।

केरल में भी कलह बड़ी समस्या है। यहां 'वोट वाइब' एजेंसी के अनुसार, शशि थरूर पिनराई विजयन के उत्तराधिकारी के रूप में सबसे लोकप्रिय विकल्प हैं। थरूर की लोकप्रियता 28.4 प्रतिशत है, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस नेता काफी पीछे हैं। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल 4.2 प्रतिशत, वी.डी. सतीशन 15 प्रतिशत, सनी जोसेफ 2 प्रतिशत, रमेश चेन्निथला 8.2 प्रतिशत, और के मुरलीधरन 6 प्रतिशत पर हैं।

17 फरवरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकते हैं। परीक्षा देश के अलावा अन्य 26 अन्य देशों में भी आयोजित की जायेगी। उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन हर विषय की परीक्षा के लगभग 10 दिन बाद शुरू होगा और इसके 12 दिनों के अंदर पूरा होने की उम्मीद है। उदाहरण के लिए, अगर 12वीं की भौतिकी की परीक्षा 20 फरवरी 2026 को होगी तो मूल्यांकन 3 मार्च से शुरू होगा और 15 मार्च तक चलेगा।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आया कि तीनों आरोपियों ने पेपर लीक माफिया के जरिए परीक्षा से पहले सॉल्वड पेपर हासिल किया था। फिर उसे पढ़कर लिखित परीक्षा पास की। परमेश चौधरी ने मेरिट में 180 वीं,, मनोहर सिंह जाट ने 38वीं और मनोहर लाल विश्नोई ने 171वीं रैंक हासिल कर एसआई भर्ती में नियुक्ति हासिल की।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पढ़कर वे लिखित परीक्षा में ना सिर्फ उत्तीर्ण हुए, बल्कि इंटरव्यू में भी आर.पी.एस.सी. सदस्यों की मिलीभगत से अच्छे अंक ला पाए।

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इस मामले की जांच में हर सप्ताह पेपरलीक के आरोपी गिरफ्तार किए जा रहे हैं, जिनकी संख्या अब तक 77 हो चुकी है। आज सुनवाई के दौरान भी 3 ट्रेनी एस.आई. पकड़े गए हैं। ऐसे में अगर एस.आई. भर्ती परीक्षा रद्द करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाई जाए तो इससे आमजन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि, राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने जिन रिपोर्ट्स के आधार पर एस.आई. भर्ती को रद्द करने योग्य माना था, खंडपीठ ने उन रिपोर्ट्स को अप्रमाणित माना है।

इसके जवाब में राज्य सरकार के ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने कहा कि चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड पोस्टिंग नहीं दी जाए, लेकिन उनकी फील्ड ट्रेनिंग को जारी रखा जा सकता है।

इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनकर हाईकोर्ट की खंडपीठ के अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी। वहीं हाईकोर्ट को तीन महीने में अपील का निस्तारण करने के लिए कहा। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद वर्तमान में एकलपीठ के आदेश पर अंतरिम रोक हटी है, ऐसे में राज्यसरकार के पास भी विकल्प बचता है कि वह चाहे तो एसआई भर्ती-2021 को रद्द करते हुए आर.पी.एस.सी. से पुनः पुरानी विज्ञिप्ति के अनुसार इन्हीं पदों पर दुबारा भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दे।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के 28 अगस्त वाले भर्ती रद्द करने के फैसले पर 8 अक्टूबर तक अंतरिम रोक लगा दी थी। साथ ही एस.आई. भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड पोस्टिंग देने पर पूर्व में लगी हुई रोक को बरकरार रखा था। ज्ञात रहे कि इस मामले में एकलपीठ ने 28 अगस्त को दिए फैसले में माना था कि एसआई भर्ती रद्द करना सही होगा। इसके अलावा भर्ती रद्द करने के लिए राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट बनाकर आरपीएससी में देने को कहा था।

प्रधानमंत्री आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लागत वाली माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह संयंत्र बांसवाड़ा जिले की छोटी सरवन तहसील के गांवों में स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री 63,683 करोड़ रुपए की स्वच्छ ऊर्जा एवं ट्रांसमिशन परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री 491 करोड़ रुपए की लागत से जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर में 220 केवी के 4 जीएसएस का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री जल संसाधन विभाग की 20,833 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें ईसरदा से जयपुर, भरतपुर और अलवर जिलों तक फीडर निर्माण, बीसलपुर और ब्राह्मणी बैराज जैसे महत्वपूर्ण जल प्रोजेक्ट शामिल हैं।

प्रदेश में सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री 2636 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सड़क और पुल परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। राजस्थान के 11 जिलों में 5884 करोड़ की लागत से पेयजल परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। भरतपुर में 128 करोड़ की लागत से 250 बेड के अस्पताल, जयपुर में 140 करोड़ की लागत से आईटी डवलपमेंट सेंटर, और मकराना व मंडावा में 226 करोड़ की सीवरेज व जलप्रदाय परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत और उदयपुर सिटी-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री 15 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र देंगे। प्रधानमंत्री के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। यह दौरा राजस्थान के विकास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

राज्यसभा की 5 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नामांकन पत्रों की जांच 14 अक्टूबर तक की जायेगी और उम्मीदवार द्वारा 16 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

आयोग ने बताया कि राज्य सभा की द्विवार्षिक चुनाव प्रक्रिया के तहत 24 अक्टूबर को इन सभी पांच सीटों के लिए सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से वोटों की गिनती का काम शुरु कर दिया जाएगा।

रेल कर्मचारियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने बताया कि रेलवे कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए मंत्रिमंडल ने 10,91,146 रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता-आधारित बोनस के रूप में 1865.68 करोड़ रुपये के भुगतान को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पात्र रेल कर्मचारियों को उत्पादकता-आधारित बोनस का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा या दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है।

MARUTI SUZUKI ARENA

त्योहारों की ख़ुशी
अब हुई और बड़ी

GST लाभ और सीमित अवधि फैस्टिव ऑफ़र्स के साथ
30 सितंबर, 2025 तक मान्य

MODEL	S-PRESSO	ALTO K10	CELERIO	WAGONR	SWIFT	DZIRE	BREZZA	ERTIGA	EECO
REDUCTION IN PRICE^ (₹) UP TO	129 600	107 600	94 100	79 600	84 600	87 700	112 700	46 400	68 000
NOW STARTING AT^ (₹)	349 900	369 900	469 900	498 900	578 900	625 600	825 900	880 000	518 100
ADDITIONAL FESTIVE OFFERS* (₹) UP TO	60 000	70 000	65 000	75 000	70 000	5 000	56 000	7 500	45 000

BOOK NOW UP TO 100% PROCESSING FEE WAIVER ON CAR FINANCE#

ARENA SAFETY SHIELD
SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
Contact us at 1800-102-1800

T&C available at dealership. Features/accessories vary by variant. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. *Offers / Prices differ by variant/model/location/city and may change or end without notice. Includes consumer, exchange, and institutional/rural offers (where applicable) on select models. Offer values shown are maximums. Prices subject to GST rates as notified by the Government. ^Reductions and starting prices vary by variant. #Valid with select financiers, for personal-use vehicles only.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908